प्रातःकालीन दैनिक | 8 वर्ष प्रगति निरंतर | नई दिल्ली ■ उत्तर प्रदेश ■ महाराष्ट्र■ हरियाणा■ उत्तराखंड■ राजस्थान■ मध्यप्रदेश सहित राज्यों में प्रसारित | निष्पक्ष निर्भीक पत्र

RNI- DELHIN/2016/71693

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

श्रीजी एक्सप्रेस

वर्ष : 09 | अंक : 218 | नई दिल्ली, रविवार 16 फरवरी, 2025 | फाल्गनु कृष्ण चतुर्थी, विक्रम संवत 2081 | पेज : 8 | मूल्य: ₹ 2 रुपये | www.shreejiexpress.com | Email-shreejiexpress2013@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

एफ 35 विमान खरीदने को लेकर कोई एकतरफा फैसला नहीं होना चाहिए: सुरजेवाला

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने शनिवार को कहा कि अमेरिका से एफ 35 लड़ाकू विमान खरीदने को लेकर सरकार की तरफ से कोई एकतरफा फैसला नहीं होना चाहिए।उन्होंने विमान से जुड़े कथित तकनीकी बिंदुओं का उल्लेख करते हुए यह सवाल भी किया कि क्या खरीददारी को लेकर वायु सेना से राय ली गई?प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हालिया अमेरिकी दौरे के समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साथ ही घोषणा की थी कि अमेरिका 'एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू जेट' विमान की संभावित आपूर्ति समेत भारत को सैन्य हार्डवेयर की बिक्री में वृद्धि करेगा।सुरजेवाला ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका से एफ 35 लड़ाकू विमान खरीद रहे हैं। पर क्या राष्ट्रपति ट्रंप के कहने पर एफ 35 विमान खरीदने का एकतरफा फैसला करने से पहले मोदी सरकार ने देश हित में कुछ पहलुओं पर विचार किया।''उन्होंने सवाल किया कि क्या मोदी सरकार भारतीय वायु सेना देश के रक्षा हितों के अनुरूप एफ 35 लड़ाकू विमान खरीदना चाहती है और क्या वायु सेना से राय ली गई?सुरजेवाला ने कहा,'' क्यों भारतीय वायु सेना के पायलट एवं रक्षा विशेषज्ञों की समिति ने जांच कर एफ 35 लड़ाकू विमान खरीदने की कोई सिफारिश नहीं की और न ही रक्षा ख़रीद के सौदों का निर्णय करने वाली रक्षा खरीद परिषद ने ऐसी कोई सिफारिश की?''उन्होंने सवाल किया कि फिर प्रधानमंत्री एकतरफ़ा निर्णय कैसे ले सकते हैं?उन्होंने इस विमान की कीमत को लेकर भी सवाल उठाए।कांग्रेस नेता ने कहा, ''क्या प्रधानमंत्री मोदी यह नहीं जानते कि एफ 35 विमान दुनिया का सबसे महंगा लड़ाकू विमान है। ऐसे एक विमान की क़ीमत लगभग 968 करोड़ रुपए है?''

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी से मुलाकात की, जाति सर्वेक्षण पर चर्चा हुई

नई दिल्ली,(एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की और राज्य में जातिगत सर्वेक्षण के बारे में उनसे बात की।एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी के साथ राज्य में जातिगत सर्वेक्षण पर एक घंटे तक चर्चा की।सर्वेक्षण के मुख्य बिंदुओं पर चार फरवरी को तेलंगाना विधानसभा में चर्चा की गई थी।रेड्डी ने केंद्र से राष्ट्रीय स्तर पर सर्वेक्षण का अनुकरण करने का आग्रह किया था। मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री हैदराबाद के लिए रवाना हो गए।

अखिलेश यादव ने की सरकार से महाकुंभ का समय बढ़ाने की मांग

लखनऊ,(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सपा व्यापार सभा के अध्यक्ष मनीष जगन अग्रवाल से जुड़े मामले में भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा गलत भाषा का प्रयोग करेगी तो सपा भी उन्हीं शब्दों में जवाब देगी।सपा मुखिया ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान सपा के व्यापार सभा के अध्यक्ष मनीष जगन की गिरफ्तारी को लेकर कहा कि अब वह सपा मीडिया सेल का हिस्सा नहीं हैं। हमारी ओर से पहले गलत भाषा का प्रयोग नहीं किया गया। भाजपा लगातार भाषा की मर्यादा तोड़ रही है। अगर भाजपा के लोग अपने में सुधार लाएंगे तो सपा के लोग भी अपने आपको सुधारेंगे, ऐसा समझौता हुआ था। लेकिन, भाजपा के लोग गलत शब्द का इस्तेमाल करेंगे तो उसी भाषा में उन्हें जवाब मिलेगा।अखिलेश यादव ने सरकार से महाकुंभ का समय बढ़ाने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि सरकार से अपील है कि कई बुजुर्ग स्नान नहीं कर पाए हैं। सम्राट हर्षवर्धन के समय में कुंभ 75 दिन का होता था, जिसमें दूर-दूर से लोग आकर स्नान करते थे। सरकार से मांग है कि कुंभ का समय बढ़ा दें।उन्होंने एक बार फिर महाकुंभ के आंकड़ों को लेकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग आंकड़ों को लेकर झूठ बोलते हैं। हमारी जानकारी के अनुसार 60 करोड़ लोग स्नान कर चुके होंगे। मैनेजमेंट की स्टडी की जाए तो उनकी असफलता की जानकारी सामने न आ जाए। महाकुंभ में फौज की मदद ली जाती तो हालात इतने खराब नहीं होते। यह सरकार अन्याय कर रही है। लोगों को बहुत परेशानी उठानी पड़ी है। जाम से बहुत दिक्कत हुई है। प्रयाग का पुलिस कमिश्नरेट फेल हुआ है। पुलिस को भाजपा की टोपी पहनकर बैठना चाहिए।

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा की जीत ऐतिहासिक: सीएम साय

रायपुर, (ऐजंसी)। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनावों में पार्टी को मिली बड़ी बढ़त के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश की जनता का आभार जताया। सीएम ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर लोगों के विश्वास का नतीजा बताया। उनके मुताबिक जनता ने सरकार की नीतियों पर मुहर लगाई है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़, 18 की मौत

नई दिल्ली। श्रीजी एक्सप्रेस

नई दिल्ली स्टेशन पर शनिवार रात को प्रयागराज महाकुंभ जाने वाली भीड़ के कारण भगदड़ मच गई। हादसे में 10 महिलाओं, 3 बच्चों समेत 17 लोगों की मौत की खबर है। घायलों को इलाज के लिए एलएनजेपी अस्पताल में दाखिल कराया गया है। दिल्ली के एलजी ने घायलों से अस्पताल में जाकर मुलाकात की। इससे पहले पीएम मोदी और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने हादसे पर दुख जताया।नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ को लेकर दिल्ली की कार्यवाहक सीएम और आप नेता आतिशी ने कहा कि जिन लोगों की जान गई है, उनके परिवारों को सूचित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह एक दुखद घटना है। आतिशी ने कहा कि हमारे दो विधायक यहां हैं। मैंने अस्पताल प्रबंधन से कहा है कि अगर किसी पीड़ित परिवार को किसी तरह की मदद की जरूरत है तो वे हमारे विधायकों को बताएं। आतिशी ने कहा कि 4-5 मरीज़ों को जल्द ही छुट्टी दे दी जाएगी... 15 लोगों को एलएनजेपी अस्पताल में मृत लाया गया था, और इतनी ही संख्या में घायल भी यहाँ भर्ती हैं... दो शवों की

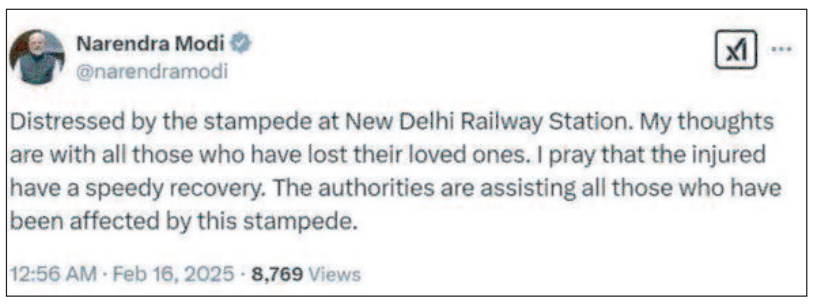

पहचान होनी बाकी है।इस घटना पर तेजस्वी यादव ने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर

3 बड़े कारण... जिससे हालात बिगड़े और जानें गईं

प्रयागराज स्पेशल ट्रेन, भुवनेश्वर राजधानी और स्वतंत्रता सेनानी एक्स. तीनों ही प्रयागराज जाने वाले थीं। दो ट्रेनें भुवनेश्वर राजधानी और स्वतंत्रता सेनानी लेट थीं। इन तीनों ट्रेनों की भीड़ प्लेटफॉर्म-14 पर थी। जब प्रयागराज स्पेशल ट्रेन यहां पहुंची, तभी कि भुवनेश्वर राजधानी प्लेटफॉर्म नं. 16 पर आ रही है। सुनते ही 14 पर मौजूद भीड़ 16 की तरफ भागी।कई लोग टिकट काउंटर पर थे। इनमें 90 प्रसेंट प्रयागराज जाने वाले थे। अचानक ट्रेन आने को हुआ तो लोग बिना टिकट प्लेटफार्म की तरफ भागे। इससे भगदड़ मची।दो वीकेंड से कुंभ जाने वालों की भीड़ हो रही थी, पर स्टेशन प्रशासन ने कोई कंट्रोल रूम नहीं बनाया। शनिवार को भी शाम 7 बजे से भीड़ बढ़ने लगी थी, पर किसी ने ध्यान नहीं दिया।इस संबंध में रेलवे अधिकारियों ने बताया कि अधिकारिक जानकारी सुबह दी जायेगी। अभी हम रेल यातायात को सुचारु को करने में जुटे हैं।

अव्यवस्था एवं भगदड़ के कारण हुई असामयिक मौतों से मन व्यथित है। उन्होंने कहा कि इतने सरकारी संसाधनों के बावजूद भगदड़ में श्रद्धालुओं की जाने जा रही है। डबल इंजन सरकार इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की लीपापोती कर क्कक करने में व्यस्त है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मों को शांति प्रदान करने तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूं। ? शांति ? प्रशासन भगदड़ से प्रभावित होने वालों का पता लगा रहा है.सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा कि वो नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे से काफ़ी दुखी हैं.उन्होंने कहा, उन्हें इस बात से आघात पहुँचा है कि रेलवे प्लेटफ़ॉर्म पर भगदड़ की वजह से जानें गई हैं. दुख की इस घड़ी में उनकी संवेदनाएँ शोकाकुल परिवारों के साथ हैं. घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं. वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे के संबंध में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी व अन्य संबंधित अधिकारियों से बात की दिल्ली के उपराज्यपाल और दिल्ली पुलिस कमिश्नर से बात कर सभी को हर संभव सहायता पहुँचाने के निर्देश दिए.

मुख्यमंत्री योगी पहुंचे काशी, हेलीकॉप्टर से सर्वेक्षण कर लिया जायजा

वाराणसी, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को वाराणसी के दौरे पर हैं। उन्होंने महाकुंभ के बाद बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए हो रही भीड़ का हेलीकॉप्टर द्वारा जायजा लिया है। इस दौरान वह काशी तमिल संगमम में भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री वाराणसी में काशी-तमिल संगमम (केटीएस) 3.0 का उद्घाटन करेंगे। इसके लिए वह नमो घाट पहुंचे। इस दौरान बाहर से आए डेलिगेशन के लोगों ने उनके साथ फोटो भी खिंचवाई है। इसके पहले उन्होंने हवाई सर्वेक्षण कर काशी की भीड़ का भी जायजा लिया। उन्होंने अस्सी से नमो घाट तक घाटों पर महाकुंभ की भीड़ और यातायात व्यवस्था को देखा।

दरअसल, महाकुंभ के अवसर पर वाराणसी में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। इस कारण गलियों में जाम के हालात बन रहे हैं। इसी को देखते हुए मुख्यमंत्री ने हेलीकॉप्टर से शहर के प्रमुख

क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण किया। उनके दौरे को लेकर प्रशासन पूरी तरह से चौकन्ना हैं और सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम हैं।ज्ञात हो कि 15 से 24 फरवरी तक वाराणसी में काशी तमिल संगमम का आयोजन हो रहा है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा विभिन्न मंत्रालयों और उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से आयोजित इस प्रतिष्ठित सांस्कृतिक पहल का उद्देश्य तमिलनाडु और काशी के बीच प्राचीन सभ्यतागत संबंध का उत्सव मनाना और उसे मजबूत करना है।केटीएस दोनों क्षेत्रों के विद्वानों, विद्यार्थियों, दार्शनिकों, व्यापारियों, कारीगरों, कलाकारों और जीवन के अन्य क्षेत्रों के लोगों को एक साथ आने, अपने ज्ञान, संस्कृति और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और एक-दूसरे के अनुभव से सीखने का अवसर प्रदान करना चाहता है। इस बार यह आयोजन और खास है क्योंकि पहली बार, प्रतिभागियों को प्रयागराज में महाकुंभ देखने और अयोध्या के राम मंदिर का दौरा करने का मौका मिलेगा।

संभल में उपद्रवियों के पोस्टर लगने के बाद लोग कर रहे पुलिस से संपर्क

संभल,(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा के बाद पुलिस ने अपनी कार्यवाही तेज गति से शुरू की है। इसी क्रम में उसने उपद्रवियों के पोस्टर भी सार्वजनिक स्थलों पर चस्पा किए हैं। पुलिस ने बताया कि इस घटना में अभी और भी पोस्टर लगाए जाएंगे। पोस्टर को लेकर लोग सीओ और एसएचओ से संपर्क कर रहे हैं।संभल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने कहा कि 24 नवंबर को जो हिंसा हुई थी, उसमें अब तक 77 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। कुछ अन्य अपराधी हैं, जिनका चिन्हांकन जरूरी है। उनके फोटो विभिन्न जगहों पर लगाए गए हैं। पुलिस द्वारा बाजार और सार्वजनिक स्थलों पर जहां घटना हुई है, वहीं पर इनके पोस्टर लगाए गए हैं और भी फोटो हैं, उनके भी पोस्टर बनाकर लगाए जाएंगे।उन्होंने बताया कि पोस्टर लगने के बाद शुक्रवार को पुलिस और एक व्यक्ति के बीच हल्का वाद-विवाद हुआ था। ऐसा लग रहा है कि उनके कोई रिश्तेदार होंगे, इस कारण वे पोस्टर नहीं लगने दे रहे हैं। करीब 78 लोगों के फोटो चस्पा किए गए हैं। पोस्टर लगने के बाद एसएचओ और सीओ से लोगों ने फोन के जरिए संपर्क किया है। लगातार लोग संपर्क कर रहे हैं। जल्द ही इनको चिह्नित कर कार्यवाही

को अंजाम दिया जाएगा। जो भी व्यक्ति इनकी पहचान बताएगा, उसे उचित इनाम दिया जाएगा।संभल के एएसपी श्रीशचंद्र ने बताया कि विवादित स्थल के निकट हिंसात्मक घटना के बाद कई अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें कई अभियुक्तों की पहचान की जानी शेष है। सीसीटीवी के माध्यम से इनकी फोटो प्राप्त की गई हैं। इनके फोटो के आधार पर पोस्टर लगाए गए हैं। इस पर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई थी। उन्हें सख्ती से समझाया गया है कि जो भी पुलिस कार्यवाही कर रही है, वह नियम से की जा रही है। दोषी जो भी होगा, वह बक्शा नहीं जाएगा। उस पर कठोर कार्यवाही होगी।दरअसल, शुक्रवार को संभल हिंसा के बाद पुलिस ने उपद्रवियों के पोस्टर सार्वजनिक जगहों पर चस्पा किए थे।

गौरव गोगोई की पत्नी के पाकिस्तानी संगठन से संबंधों पर हिमंता बोले - ये पुराने और गहरे हैं

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई और उनकी ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न को पाकिस्तानी संगठन से जोड़ने वाली रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि गौरव गोगोई को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उनकी पत्नी ने भारत की नागरिकता हासिल की है या नहीं और उन्हें अपनी पत्नी के आईएसआई के साथ जुड़े होने के आरोपों पर भी जरूर सफाई देनी चाहिए।

हिमंता बिस्वा सरमा ने गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया था, ÷पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने के आरोप, युवाओं को पाकिस्तान दूतावास ले जाकर उनके विचार बदलने और कट्टरता बढ़ाने की कोशिश, पिछले 12 वर्षों से भारतीय नागरिकता न लेने का मामला - ये सभी गंभीर सवाल हैं

जिनका जवाब देना जरूरी है। इसके अलावा, धर्म परिवर्तन के गिरोह में शामिल होना और राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करने के लिए बाहरी स्रोतों से, जिसमें जॉर्ज सोरोस भी शामिल हैं, धन प्राप्त करना भी बड़े चिंताजनक मुद्दे हैं।

ऐसे मामलों में जवाबदेही से बचना आसान नहीं होगा। जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ना या दूसरों पर आरोप लगाकर ध्यान भटकाने की कोशिश करना कोई समाधान नहीं है। देश को सच्चाई और पारदर्शिता की जरूरत है।हिमंता बिस्वा सरमा ने शनिवार को पाकिस्तान के अली शेख के एक 'एक्स' पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। अली शेख ने इस पोस्ट में गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ को भी टैग किया हुआ था। इस पोस्ट में अली शेख ने गौरव गोगोई द्वारा संसद में दिल्ली दंगों पर चर्चा करने और फिर स्पीकर द्वारा उन्हें निलंबित करने की बात का जिक्र किया था। अली शेख का पोस्ट इस प्रकार था- ÷गौरव गोगोई और छह अन्य सांसदों को संसद से निलंबित कर दिया गया। उन्होंने आम जनता के हक में आवाज उठाई थी। गौरव गोगोई ने कहा, मुझे निलंबित कर दें, लेकिन दिल्ली दंगों पर चर्चा जरूर करें।इस पर हिमंता बिस्वा सरमा ने एक अन्य एक्स पोस्ट के जरिए शनिवार को प्रतिक्रिया दी, ÷लीड पाकिस्तान के अली शेख ने भारत विरोधी प्रचार किया था। वह एलिजाबेथ कोलबर्न के सहयोगी और वरिष्ठ हैं। उन्होंने माननीय सांसद को टैग कर सराहना भी की जब उन्होंने संसद में दिल्ली दंगों 2020 का मुद्दा उठाया। जी हां, ये संबंध गहरे और लंबे समय से जुड़े हुए लगते हैं।अली शेख इससे पहले भी भारत के खिलाफ कई तरह की सोशल मीडिया पोस्ट कर चुका है। उसने एक बार कहा था, ÷असल समस्या सिर्फ यह नहीं है कि बांग्लादेश से अवैध प्रवासी असम के रास्ते भारत आ रहे हैं।

भारतीय नौसेना की महिला अधिकारी दिलना और रूपा ने 'केप हॉर्नर्स' की उपाधि अर्जित की

नई दिल्ली। विश्व परिक्रमा पर निकली भारतीय नौसेना की दो महिला अधिकारियों का सामना समुद्र में लगातार बारिश, 75 किमी प्रति घंटे की स्पीड से चल रही तेज हवाओं और 5 मीटर से अधिक ऊंची समुद्री लहरों से हुआ। इन सभी बाधाओं को पार करते हुए भारतीय नौसेना की लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के. और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए. ने दक्षिण अमेरिका के दक्षिणी सिरे पर स्थित केप हॉर्न को सफलतापूर्वक पार कर लिया है।ऐसा करके भारतीय नौसेना की इन महिला अधिकारियों ने कीर्तिमान स्थापित करते हुए इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया। लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा आईएनएसवी तारिणी नौका पर 'नाविक सागर परिक्रमा द्वितीय' अभियान पर हैं।समुद्र का यह रास्ता नाविकों को ड्रेक मार्ग से होकर ले जाता है, जो एक जोखिम भरा जलमार्ग है। यह समुद्री मार्ग अपनी अत्यधिक हवाओं, ऊंची लहरों और अप्रत्याशित मौसम के लिए जाना जाता है। इस क्षेत्र की परिस्थितियां सबसे अनुभवी नाविकों की भी कड़ी परीक्षा लेती हैं। यही कारण है कि इस क्षेत्र से की जाने वाली यात्रा नाविकों के लिए एक बड़ी चुनौती बन जाती है। वहीं, सफल होने पर यह यात्रा महत्वपूर्ण उपलब्धि बन जाती है।ड्रेक पैसेज का नाम अंग्रेजी खोजकर्ता सर फ्रांसिस ड्रेक के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने दक्षिण अमेरिका के दक्षिण में एक खुले समुद्री मार्ग के अस्तित्व की पुष्टि की थी। इन विकट जलधाराओं का सामना करने के बाद अब लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ने ÷केप हॉर्नर्स÷ की सम्मानित उपाधि अर्जित कर ली है।

देश दुनिया

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई प्रगति ने जीने के तरीके को बदल दिया है। कल तक जो अकल्पनीय था

हाशिए पर रहने वालों पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव की चिंता करना जरूरी: मुर्मु

रांची, (श्रीजी एक्सप्रेस ब्यूरो)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि प्रौद्योगिकी प्रगति के साथ साथ समाज में व्यवधान भी पैदा करती है इसलिए हाशिए पर रहने वाले समूहों पर इसके प्रभाव के बारे में चिंता करना जरूरी है। राष्ट्रपति मुर्मु ने शनिवार को झारखंड के रांची में बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान मेसरा के प्लेटिनम जुबली समारोह में भाग लिया।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि यह प्रौद्योगिकी का युग है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई प्रगति ने जीने के तरीके को बदल दिया है। कल तक जो अकल्पनीय था, वह आज वास्तविकता बन गया है। उन्होंने कहा कि आने

वाले वर्ष और भी अधिक नाटकीय होने जा रहे हैं, जिसमें विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग में दूरगामी प्रगति की उम्मीद है। चूंकि एआई तेजी से अर्थव्यवस्थाओं को बदल रहा है, इसलिए सरकार उभरते परिदृश्य के अनुरूप कदम उठा रही है। उच्च शिक्षा संस्थानों में एआई को एकीकृत करने के लिए कई पहल की जा रही हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि चूंकि प्रौद्योगिकी समाज में बड़े व्यवधान पैदा करती है, इसलिए हमें हाशिए पर पड़े समूहों पर इसके प्रभाव के बारे में चिंतित रहना चाहिए। अच्छे अवसर सभी के लिए उपलब्ध होने चाहिए और बदलाव का लाभ सभी को मिलना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि अक्सर, हमारे आस-पास की समस्याओं के लिए किसी बड़े तकनीकी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती है। उन्होंने युवाओं को छोटे पैमाने के पारंपरिक समाधानों के महत्व को न भूलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नवोन्मेषकों और उद्यमियों को पारंपरिक समुदायों के ज्ञान के आधार को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।राष्ट्रपति ने कहा कि प्लेटिनम जुबली, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्रों में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में बीआईटी मेसरा के योगदान का सम्मान करने का यह एक उपयुक्त अवसर है। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि यह संस्थान कई क्षेत्रों में अग्रणी रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मामूली विवाद के चलते लड़की के चाचा ने बाराती की गोली मारकर की हत्या

कासगंज। सहावर थाना क्षेत्र में शादी समारोह के दौरान दुल्हन के चाचा द्वारा मामूली विवाद के चलते एक बराती व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर देने का मामला सामने आया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। वहीं पुलिस ने बराती की हत्या करने वाले आरोपी लड़की के चाचा को मय तंमचा के गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्यवाही की है।बताया जाता है कि कासगंज जिले की कोतवाली सहावर क्षेत्र के गांव रोशन नगर निवासी रुमाल सिंह की पुत्री काजल की बीते दिवस शादी थी और काजल की बरात जनपद हाथरस के बस्तोई गांव से आई थी। जिसमें दुल्हा का रिस्तेदार अरूण भी आया हुआ था। शादी समारोह के दौरान खाना खाते समय बराती अरुण कुमार का लड़की के चाचा विजय से किसी बात को लेकर विबाद हो गया था। इस विबाद के चलते बाराती अरुण कुमार की लड़की के चाचा विजय ने अरुण की अवैध तमंचे से सर में गोली मारकर हत्या कर दी। वहीं हत्या के बाद शादी समरोह में भगदड़ मच गई और खुशिया मातम के रूप में तब्दील हो चुकी थी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर जा पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही सीओ सहावर मौके पर पहुंच गई और घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं पुलिस ने लड़की के आरोपी चाचा विजय को मय तमंचे के गिरफ्तार कर लिया और आरोपी जेल भेजने की कार्यवाही की है। वहीं युवक की मौत के बाद उसके घर में मातम का माहौल छाया हुआ है। वहीं सहावर थाना प्रभारी प्रवेश राणा ने बताया कि हत्या करने वाले आरोपी विजय कुमार को पुलिस ने पकड़ लिया है, और घटना में प्रयुक्त हुए तमंचे को भी बरामद कर दिया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपी को संबधित धाराओं में जेल भेजने की कार्यवाही की जा रही है।

ग्रह क्लेश के चलते युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कासगंज। सदर कोतवाली क्षेत्र में ग्रह क्लेश के चलते एक युवक द्वारा अपने घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। वहीं सूचना पर पहुंची युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।बताया जाता है कि कासगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव भौसोरा बुजुर्ग निवासी नवीन पुत्र नाथू सिंह का बीते दिवस अपने परिजनों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिससे छुब्द होकर नवीन ने बीती देर रात्रि अपने घर के बरामदे में लगे पंखे पर लटक कर फांसी के फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। सुबह जब परिजनों ने नवीन के शव फांसी के फंदे पर लटका देखा तो घर में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर जा पहुंची, और युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। वहीं नदरई उपनिरीक्षक नरेश कुमार ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण फॉरेंसिक टीम थाना पुलिस के द्वारा किया गया और मृतक के शब्द को संदेश से उतर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है प्रथम दृष्टिक मामला गृह क्लेश प्रतीत हो रहा है।

युवक की उपचार के दौरान हुई मौत

कासगंज। सदर कोतवाली क्षेत्र में बीते दिसबंर माह में मारपीट में घायल युवक की बीती देर रात उपचार के दौरान मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। बताया जाता है कि कासगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव अलीपुर निवासी अजब सिंह पुत्र नत्थू सिंह का बीते 13 दिसंबर गांव के ही लोकेश पुत्र तुलाराम का किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। जिसके चलते लोकेश ने अपने साथी जितेन्द्र पुत्र कुवाराम, जितेंन्द्र पुत्र दुर्गपाल व सुभाष पुत्र भूपाल के साथ मिलकर अजब सिंह से मारपीट कर दी थी।

शनिवार को त्रिजटा स्नान के अवसर पर महाकुम्भ में राजनीति जगत के कई दिग्गजों ने लगाई आस्था की डुबकी

महाकुम्भ में त्रिजटा स्नान करके राजनीति जगत के दिग्गजों ने स्वयं को माना धन्य

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी व जीतेंद्र सिंह ने किया स्नान, चिराग पासवान, अपर्णा यादव व राजीव शुक्ला ने भी किया संगम में स्नान

सभी दिग्गज एक स्वर में बोले: महाकुम्भ में स्नान करके जीवन हुआ धन्य, महाकुम्भ में स्नान करना बेहद सुखद अनुभव

महाकुम्भ नगर। श्रीजी एक्सप्रेस

महाकुम्भ-2025 में हर एक क्षण विशिष्ट है और हर एक दिन का अपना महत्व है जिसका साक्षात्कार करने दुनिया भर से सनातनी खंचे चले आ रहे हैं। शनिवार को फाल्गुन कृष्ण तृतिया के अवसर पर एक ओर दंडी स्वामियों का त्रिजटा स्नान संपन्न हुआ, वहीं इस दिन के विशेष महत्व को देखते हुए राजनीति जगत के दिग्गजों का तांता भी महाकुम्भ मेला क्षेत्र में लगा रहा। शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पत्नी सोनल शाह ने त्रिवेणी संगम में स्नान किया। वहीं, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने पत्नी के साथ स्नान करके संगम स्नान को पूर्ण किया। केंद्रीय मंत्री जीतेंद्र सिंह और चिराग पासवान ने भी शनिवार को आस्था की डुबकी लगाई। उनके अतिरिक्त, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कांग्रेस के सांसद व बीसीसीआई सचिव राजीव शुक्ला, अपर्णा यादव तथा महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नितेश नारायण राणे ने भी शनिवार को महाकुम्भ के अंतर्गत आस्था की पवित्र डुबकी लगाकर खुद को धन्य माना।

महाकुम्भ को लेकर दिग्गजों ने यह कहा...

व्यक्तिगत तौर पर मेरे लिए यह बेहद सुखद क्षण है। महाकुम्भ का साक्षी बनना और स्नान करना बेहद सौभाग्य की बात है। योगी सरकार शानदार काम कर रही है, उनके अतिरिक्त इस प्रकार का वृहद आयोजन संभव नहीं है। सीएम योगी और पीएम मोदी की डबल इंजन की जोड़ी ही इतने वृहद स्तर पर इतना भव्य आयोजन करना सकती है।

-हरदीप पुरी
केंद्रीय मंत्री, पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय

महाकुम्भ के इस अवसर पर आकर अलौकिक आनंद प्राप्त हो रहा है। यहां की व्यवस्थाएं भी उतनी ही भव्य व दिव्य हैं जितना इस परम पवित्र स्थान का महत्व है।

-लक्ष्मी पुरी
पूर्व यूएन एसिस्टेंट सेक्रेटरी जनरल, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी की पत्नी

मैं मानता हूं कि हम अपने जीवन में इस महाकुम्भ के साक्षी बनने के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। यहां आना एक अद्भुत अनुभव रहा है। यहां की व्यवस्थाएं सराहनीय हैं। महाकुम्भ में 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आ चुके हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में इस तरह की उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल हुई हैं, चाहे वह राम मंदिर का अभिषेक समारोह हो, महाकुम्भ हो या अनुच्छेद 370 को हटाना हो। यहां फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट भी लगाए गए हैं, जो स्वच्छता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

-जीतेंद्र सिंह
केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

महाकुम्भ मैं पूरे परिवार के साथ पूरी श्रद्धा के साथ आया हूं। लंबे समय से मन में इच्छा थी कि इस महासमागम का हिस्सा बनूं। भगवान सभी के जीवन में खुशियां दे, तरक्की दे। हमारा देश-प्रदेश खुशहाल बने और प्रधानमंत्री मोदी का सपना साकार हो इसी कामना के साथ हम आए हैं। जिस प्रकार स्थानीय प्रशासन के द्वारा और सीएम योगी द्वारा स्वयं मॉनिटरिंग इतनी बड़ी व्यवस्था को सफल बनाया वह अनुकरणीय है। इतनी बड़ी व्यवस्था को लागू कराना आसान काम नहीं है, बावजूद इसके सभी व्यवस्थाएं बहुत बेहतर रहीं।

-चिराग पासवान
केंद्रीय मंत्री, खाद्य एवं प्रसंस्करण उद्योग

यह एक अद्भुत अनुभव है। यह एक आध्यात्मिक आयोजन है। करोड़ों लोग बिना किसी निमंत्रण के कुंभ में आते थे, यह सबसे महत्वपूर्ण बात है। मैं भी बचपन से ही इस आयोजन में आता रहा हूं।

राजीव शुक्ला
कांग्रेस के सीनियर लीडर व सांसद, बीसीसीआई के सचिव

महाकुम्भ बहुत दिव्य है। यहां प्रधानमंत्री मोदी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से बड़ी संख्या में लोग त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगा रहे हैं।

प्राचार्य एवं प्रबंध समिति के विरुद्ध की गई शिकायतों की जाँच करने निदेशालय से आया जांच दल

हाथरस। श्रीजी एक्सप्रेस

नगर के सेठ पी.सी. बागला कॉलेज में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष संतराज, उपजा के प्रदेश संगठन मंत्री नीरज चक्रपाणि, बागला कॉलेज के वरिष्ठ प्रोफेसर डा. चन्द्रशेखर रावल की प्राचार्य एवं प्रबंध समिति के विरुद्ध की गई शिकायतों की जाँच करने के लिए उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा निदेशालय से जाँच दल के रूप में संयुक्त शिक्षा निदेशक डा. शशि कपूर एवं राजकीय महाविद्यालय, अनौगी,कन्नौज के सहायक प्रोफेसर डा. मनोज कुमार स्थलीय जाँच हेतु बागला कॉलेज पूर्वाह्न 11 बजे पहुँचे। तत्काल उन्होंने शिकायतकर्ताओं से अलग-अलग लगभग दो घंटे पूछताछ की। उसके बाद उन्होंने कुछ अन्य कॉलेज कर्मियों के अलावा प्राचार्य डा. महावीर सिंह छोंकर एवं कॉलेज प्रबंधक प्रदीप बागला से भी करीब डेढ़ घंटे पूछताछ की और कहा कि आपको अपनी सफाई में जो कुछ कहना है वह लिखकर दीजिए।

इसके बाद जाँच दल से प्राचार्य ने दोपहर का भोजन करने का अनुरोध किया जिसे उन्होंने ने ठुकराते हुए कहा कि हम जाँच की शुचिता और पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष संतराज ने बताया कि हमने सभी बातें मय प्रमाण के प्रस्तुत की हैं कि किस तरह प्राचार्य और प्रबंध समिति मिलकर शिक्षकों और अन्य कर्मियों का जाति के आधार पर नियमों व शासनादेशों को अनदेखा कर मनमानी करते हुए उत्पीड़न कर रहे हैं। जिन्हें जाँच अधिकारियों द्वारा गंभीरता से लिया गया है।

उपजा के प्रदेश संगठन मंत्री नीरज चक्रपाणि ने बताया कि कॉलेज में प्राचार्य ने अपने 76 वर्ष की आयु के अपने निकटतम रिश्तेदार को कॉलेज के दो मदों से रुपये का भुगतान किया जा रहा है - एक खेलकूद विभाग से व दूसरा स्ववित्तपोषित विज्ञान संकाय से। प्राचार्य और प्रबंधक का यह कृत्य वित्तीय अनियमितता है। चक्रपाणि ने जाँच दल को साक्ष्यों सहित यह भी बताया कि प्रबंध समिति ने पहले भी एक जूनियर बाबू को फर्जी तरीके से कार्यालय अधीक्षक बनाया था। जिस बाबू को प्रबंध समिति ने 2010 में सीनियर क्लर्क का प्रस्ताव पारित किया बाद में फर्जीवाड़ा करते हुए प्रबंधक ने उसी बाबू को 2001 से सीनियर क्लर्क दर्शाते हुए निदेशालय को गुमराह कर एप्रूवल ले लिया जो प्रबंध समिति की अनियमितताओं का बड़ा मामला है।प्रो. (डा.) चन्द्रशेखर रावल ने बताया कि निदेशालय से एक टीम जाँच के लिए कॉलेज आई थी जिसने मुझसे गहन पूछताछ की। मैंने सभी तथ्य साक्ष्यों के साथ टीम को प्रस्तुत किए हैं। जाँच निष्पक्ष होगी, ऐसी आशा है और जाँच टीम ने शुचितापूर्ण जाँच रिपोर्ट का मुझे आश्वासन भी दिया है।

सीएम योगी बुलडोजर बाबा नहीं, अर्थ प्रबंधन बाबा बन चुके हैं : दिनेश शर्मा

बाराबंकी। राज्यसभा सांसद एवं यूपी के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने विपक्ष को लेकर कहा कि महाकुंभ पर अनर्गल बयानबाजी करके गाली देने वालों के लिए नर्क में अभी काफी जगह खाली हो सकती है। विपक्ष के एक नेता ने महाकुंभ में उमड़ी भारी भीड़ और उनके स्नान को लेकर विवादित बयान दिया।

उन्होंने कहा कि लोगों को भाजपा की विचारधारा से विरोध हो सकता है, आस्था के पर्व का विरोध करने का कोई कारण नजर नहीं आता है। ऐसा सिर्फ इसलिए हो रहा है, क्योंकि सनातन को मानने वालों को बांटकर अपनी राजनीति को चमकाने की हसरत पालने वालों के सपनों पर महाकुंभ की भीड़ ने पानी फेर दिया है। वहां पर जाति के सारे बंधन टूट गए हैं। इस महाकुंभ के आयोजन से यूपी सरकार के खजाने में करीब तीन लाख करोड़ रुपए आने वाले हैं। असल में सीएम योगी बुलडोजर बाबा नहीं, अर्थ प्रबंधन बाबा बन चुके हैं। आने वाले समय में यूपी भारत का श्रेष्ठतम प्रदेश बनेगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और सीएम योगी के नेतृत्व में धार्मिक स्थलों का विकास हुआ है, जिससे धार्मिक पर्यटन को नई तेजी मिली है। इसकी बानगी प्रयागराज महाकुंभ में आने वाले लोगों की संख्या से मिलती है और ये लोग आसपास के अयोध्या, वाराणसी, विंध्याचल, चित्रकूट, नैमिषारण्य आदि स्थानों पर भी जा रहे हैं। इससे हर प्रकार की अर्थव्यवस्था को गति मिल रही है। धार्मिक पर्यटन से यूपी की आय बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग महाकुंभ की आलोचना करने के साथ वहां डुबकी भी लगा रहे हैं। उन्हें आस्था के पर्व की आलोचना से बचना चाहिए। उन्हें सफाई में लगे कार्मिकों, पुलिस कर्मियों और अधिकारियों की मेहनत नहीं दिख रही है। कुछ लोग तो ऐसे भी हैं, जो यूपी सरकार को बदनाम करने के लिए गिद्ध दृष्टि लगाकर बड़ी घटना के होने का इंतजार कर रहे थे। महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन है। आज दुनिया सनातन की ताकत देखकर अचंभित है कि किस प्रकार से 50 करोड़ से अधिक लोग बिना भेदभाव के स्वच्छ और निर्मल जल में डुबकी लगा चुके हैं।उन्होंने आगे कहा कि बजट से केंद्र सरकार ने एक बड़ी लकीर खींच दी है। यह देश के विकास को नई दिशा देगा। आम बजट यूपी और देश का कायाकल्प करने वाला है। इससे छोटे उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। देश के बजट में इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास पर पूरा जोर दिया गया है। इसकी बानगी यूपी में भी देखने को मिल रही है। आस्था के सबसे बड़े महापर्व महाकुंभ में भी पूंजीगत व्यय ही सबसे अधिक हुआ है। वहां पर बड़ी संख्या में पुल, घाट और सड़कें बनी हैं। मध्यम वर्ग को आयकर में मिली छूट निवेश और बाजार में खपत बढ़ाने का माध्यम बनेगी। इससे मांग और उत्पादन भी बढ़ेगा।

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

आय के अच्छे योग बनेंगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 3443

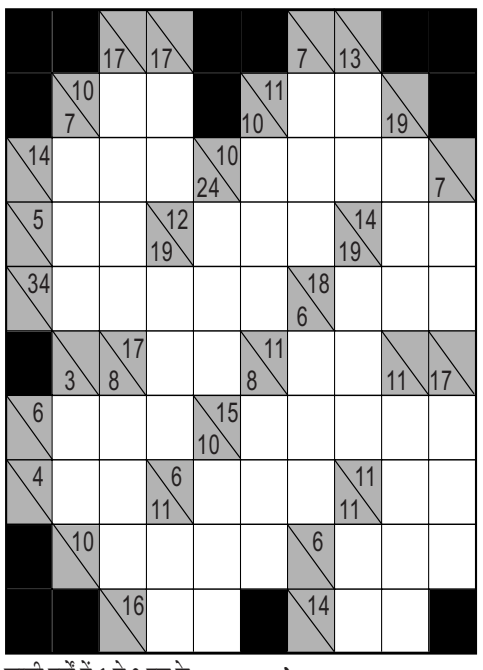

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

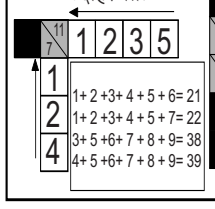

काकुरो - 3442 का हल

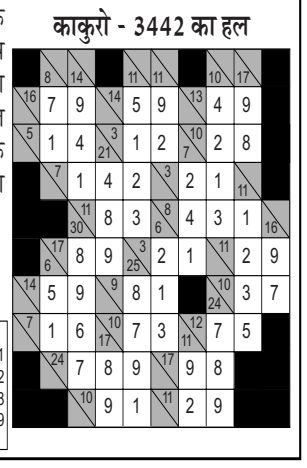

हंसी के फव्वारें

तीन गप्पी ट्रेन में यात्रा करते हुए गप्पें हांक रहे थे. एक बोला-मैं आजमगढ़ का लखपति हूँ, दूसरा बोला-मैं शामगढ़ का करोड़पति हूँ, तीसरा बोला-भईया मैं तो सिर्फ अपनी पत्नी का पति हूँ.

□ □ □

मालिक: (नौकर से) तुमने पत्र-पेटिका में पत्र डाल दिया ?

नौकर: नहीं हुजूर.

मालिक: क्यों नहीं डाला ?

नौकर: कैसे डालता ? हर पत्र-पेटिका पर ताला लगा था.

□ □ □

एक रोज बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, जिन लोगों के नाम के साथ वान हो होता है वो आमतौर पर अच्छे आदमी नहीं होते, मसलन पीलवान,दरवान, वगैरह वगैरह.

बीरबल ने फौरन जवाब दिया जी हां मेहरवान.

□ □ □

प्राध्यापक: कला से किसे-किसे प्यार है खड़े हो जायें. सारे के सारे विद्यार्थी खड़े हो गये. सिर्फ एक विद्यार्थी बैठा रहा.

प्राध्यापक बोले: तुम्हें कला से प्यार नहीं. विद्यार्थी ने उत्तर दिया, कला मेरी बहन का नाम है. मुझे तो सिर्फ कमला से प्यार है.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3443

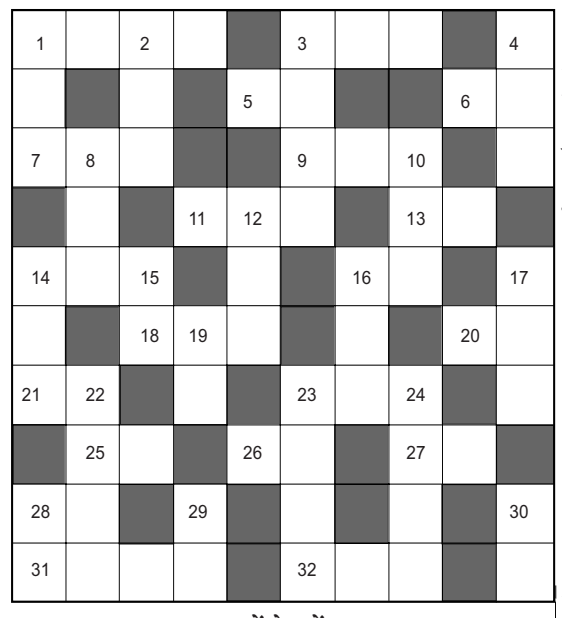

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, शरद, मनीषा, खीना की 'ओ: गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी ?-३
१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी ?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी ?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था ?-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है ?-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'खुशी' में फरदीन की नायिका ?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म ?-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, नालासिन्हा की 'आज गालो मुस्करा लो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम ?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०.'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3442

अ	जू	बा		जो	र		दा	मि	नी
ल		बा	जी		क्ष	त्रि	य		तू
बे	टा		न	म	क		रा	जा	
ला		अं	त			रे		लि	
	दा	दा		नू		जा	ने	म	न
मे		ज	ह	री	ले		हा		गिं
री	मा		त्या		कि	ला		द	स
जं		सू		म	न		म	र्द	
ग	द	र		द		आ	ह		खें
	म	ज	बू	र			ल	गा	न

सूडोकु -3443

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3442 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली - 3443

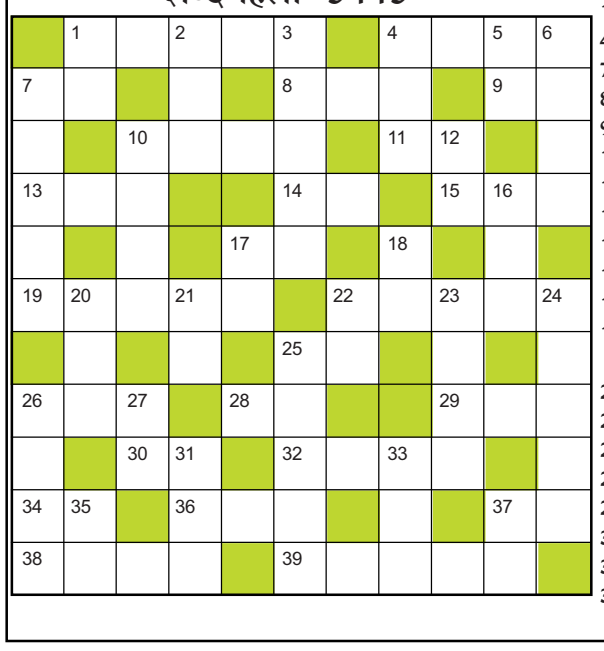

बाएँ से दाएँ
1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे
1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली -3442 का हल

	रा	ज	क	पू	र		अ	च	र	ज
ज	य		रा		क्षि	ति	ज		त	ला
ना		अ	मा	न	त		र	वा		व
न	सी	ह	त		व	ह		म	का	न
खा		म		र	न	र			ल	
ना	म	क	र	ण		स	ला	ह	का	र
	हा			बी	रा	ना		र		ज
का	न	न		र	ज		अ	जा	ग्र	त
म		र	ज		घ	ब	रा	ना		प
का	र		ग	ज	रा		ज		प	ट
ज	न	म	त		ना	ट	क	का	र	

संक्षिप्त समाचार

सीबीएसई 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं शुरू, 44 लाख छात्र देंगे परीक्षा

नई दिल्ली। आज से केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। परीक्षा केंद्रों पर छात्रों का उत्साह देखने को मिल रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में परीक्षार्थियों ने बताया कि वे पूरी तैयारी के साथ परीक्षा देने आए हैं, और स्कूल में भी उन्हें अच्छी तरह से पढ़ाया गया है। हालांकि, कुछ छात्रों ने कहा कि उन्हें विशेष रूप से साइंस और मैथ्स विषय से डर लगता है, लेकिन उन्होंने पूरी तैयारी करने का भरोसा जताया और उम्मीद की कि वे इन विषयों में भी अच्छे अंक प्राप्त करेंगे। भारतीय विद्या भवन केजी मार्ग पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं आज दसवीं का पेपर देने आए हैं।आज इंग्लिश का पेपर है और बच्चों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। इन बच्चों का कहना है कि इस एग्जाम के लिए उन्होंने खास तैयारी की है और उन्हें उम्मीद है कि इस बार उनका रिजल्ट अच्छा आएगा। इस दौरान पेरेंट्स ने भी दावा किया कि बच्चों ने कड़ी मेहनत की है और उन्हें भी उम्मीद है कि बच्चे इस बार अच्छे नंबरों से पास होंगे। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भी हजारों छात्र परीक्षा में शामिल होने के लिए एग्जाम सेंटर पर पहुंच चुके हैं। इस दौरान कई छात्र अपने माता-पिता के साथ परीक्षा केंद्र तक पहुंचे, जिनके चेहरे पर थोड़ी घबराहट के साथ-साथ आत्मविश्वास भी था।पेरेंट्स भी अपने बच्चों को परीक्षा के लिए भेजते समय बहुत खुश दिखाई दिए। कई माता-पिता ने बच्चों को टीका चंदन लगा कर और मिठाई खिलाकर परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया। पेरेंट्स का कहना था कि इस तरह वे अपने बच्चों का मनोबल बढ़ाना चाहते हैं ताकि वे अच्छे से परीक्षा दे सकें। इन परीक्षाओं का आयोजन पूरे देश में किए गए 7800 परीक्षा केंद्रों पर किया जा रहा है, जिनमें लगभग 44 लाख छात्र शामिल होंगे। बता दें कि परीक्षा में करीब 44 लाख छात्र शामिल होंगे। इन परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए देशभर के 7800 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

मकोका मामले में नरेश बाल्यान केस के सह आरोपी रितिक पीटर के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के नेता नारेश बाल्यान से जुड़े मकोका मामले के एक आरोपी रितिक पीटर के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने पर फैसला सुरक्षित रख लिया है. स्पेशल जज कावेरी बावेजा की कोर्ट ने रितिक पीटर के खिलाफ संज्ञान लेने पर 24 फरवरी को फैसला सुनाने का आदेश दिया.सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने कहा कि मकोका मामले में नरेश बाल्यान से जुड़े मामले में जांच अभी चल रही है उसको जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा. दिल्ली पुलिस ने कहा कि वो 24 फरवरी तक इस मामले के दूसरे आरोपियों रोहित ऊर्फ अन्ना और सचिन चिकारा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दिया जाएगा. नरेश बाल्यान के साथ ये दोनों आरोपी अभी हिरासत में हैं. राऊज एवेन्यू कोर्ट, नरेश बाल्यान की जमानत याचिका खारिज कर चुका है. इसके बाद नरेश बाल्यान ने दिल्ली हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर कर रखी है जो अभी लंबित है.क्या है पूरा मामला- मकोका से जुड़े मामले में दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट दाखिल किया था. दिल्ली पुलिस ने मामले में एक आरोपी रितिक पीटर के खिलाफ मकोका की धारा 3 के तहत लगभग 300 पेजों की चार्जशीट दाखिल की है. 4 दिसंबर 2024 को वसूली के मामले में नरेश बाल्यान को जमानत मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने मकोका के मामले में गिरफ्तार कर लिया था. दिल्ली पुलिस ने वसूली के मामले में नरेश बाल्यान को 30 नवंबर 2024 की रात में गिरफ्तार किया था. इससे पहले बीजेपी ने नरेश बाल्यान का एक ऑडिया क्लिप जारी किया था जिसमें गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू और बाल्यान के बीच बातचीत थी.बाल्यान पर गैंगस्टर से संबंध रखने का आरोप- दिल्ली पुलिस के मुताबिक नरेश बाल्यान और गैंगस्टर के बीच बातचीत का ये मामला 2023 का है. इसे लेकर 2023 में एफआईआर दर्ज करायी गई थी. कपिल सांगवान एक कुख्यात गैंगस्टर है जो फिलहाल ब्रिटेन में रह रहा है. कपिल सांगवान पिछले पांच वर्षों से ब्रिटेन में ही रह रहा है. कपिल सांगवान और नरेश बाल्यान दोनों दिल्ली के नजफगढ़ के रहने वाले हैं. कपिल सांगवान हरियाणा के नफे सिंह हत्याकांड का भी मास्टरमाइंड है. कपिल सांगवान पर बल्लू पहलवान और बीजेपी नेता सुरेंद्र मटियाला की हत्या का भी मास्टरमाइंड माना जाता है.

डीडीए ने पहली बार सीमा से बाहर बढ़ाया कदम, अंडमान-निकोबार प्रशासन के साथ किया समझौता

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने पहली बार दिल्ली के बाहर अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार किया है. इस ऐतिहासिक कदम के तहत, डीडीए ने अंडमान और निकोबार द्वीप प्रशासन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए. यह महत्वपूर्ण समझौता यमुना रिवरफ्रंट विकास परियोजना के एक प्रमुख हिस्से ऽअसिताऽ में हुआ. इस दौरान अंडमान और निकोबार के उपराज्यपाल एडमिरल डी.के. जोशी भी मौजूद रहे.सहयोग की दिशा में बड़ा कदम- यह साझेदारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहकारी, प्रतिस्पर्धी और पूरक संघवाद के विजन को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है. उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि यह समझौता शहरी नियोजन, बुनियादी ढांचा विकास, पर्यावरण प्रबंधन और सतत (सस्टेनेबल) पर्यटन के क्षेत्र में अनुभव और विशेषज्ञता साझा करने की दिशा में एक नया अध्याय जोड़ेगा.शहरी योजना और बुनियादी ढांचे के विकास में सहयोग मिलेगा.पर्यावरणीय प्रबंधन और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा.अंडमान और निकोबार में आधुनिक और संगठित बुनियादी ढांचे का निर्माण होगा.

शपथ लेने के साथ ही दिल्ली की नई सरकार के सामने बजट पेश करने की चुनौती

नई दिल्ली, (श्रीजी एक्सप्रेस)। दिल्ली की सत्ता में 27 साल बाद पूर्ण बहुमत से वापसी के बाद नई भाजपा सरकार के गठन की तैयारियां चल रही हैं. अगले सप्ताह मुख्यमंत्री और मंत्रियों के शपथ लेने के साथ सरकार का गठन हो जाएगा. जिसके बाद नई सरकार के सामने चुनावी वादों को पूरा करने की चुनौती से पहले नए वित्त वर्ष के लिए विधानसभा में दिल्ली सरकार का बजट पेश करना होगा.

मुख्य सचिव को 100 दिनों का एजेंडा तैयार करने के आदेश - चुनाव नतीजे 8 फरवरी को आने के बाद भाजपा को पूर्ण बहुमत मिली है, नई सरकार के गठन और कामकाज संभालने से पहले ही दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव धर्मेंद्र कुमार ने सभी विभागों के अधिकारियों को 100 दिनों के कामकाज का एजेंडा तैयार करने के आदेश दिए हैं. वहीं वित्त विभाग के सामने नई सरकार के मनमाफिक बजट तैयार करने की चुनौती है.

पूर्व मुख्य सचिव ओमेश सहगल ने दी जानकारी - दिल्ली सरकार के पूर्व मुख्य सचिव ओमेश सहगल बताते हैं कि कोई भी नई सरकार जब काम संभालती है तो सबसे पहले सरकारी खजाने को ही देखा जाता है. दिल्ली में पहले विधानसभा चुनाव नवंबर-दिसंबर में होते थे. तब उसके बाद नई सरकार को नए वित्त वर्ष के लिए बजट तैयार करने का समय मिल जाता था. मगर वर्ष 2014 में दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगा था. जिसके बाद से विधानसभा चुनाव फरवरी में होने लगे. नई सरकार के गठन होने के तुरंत बाद विधानसभा में बजट भी पेश करना है ये एक बड़ा काम होता है, चूंकि चुनी हुई सरकार जो चुनावी वादे करती है, उसको भी लागू करना एजेंडे में सबसे ऊपर रहता है, और यह निश्चित तौर पर भाजपा की नई सरकार के सामने एक चुनौती होगी.

वित्त विभाग बजट की तैयारियों में जुटा - दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि वित्त विभाग एक तरफ तो नई सरकार द्वारा पेश किए जाने वाले पहले बजट की तैयारियों में जुटा है, वहीं दूसरी तरफ एक इंटरनल रिपोर्ट भी तैयार की जा रही है, जिसके माध्यम से सरकार को दिल्ली की वित्तीय स्थिति से जुड़े हर पहलू से अवगत कराया जाएगा. वित्त विभाग के अधिकारियों के मुताबिक अभी केवल दिल्ली की वित्तीय स्थिति पर एक आंतरिक रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जो नई सरकार के समक्ष पेश की जाएगी.

विभाग का फोकस अगले वित्त वर्ष की तैयारियों पर भी - अधिकारी बताते हैं कि जब भी नई सरकार बनती है, तो वित्त विभाग की यह जिम्मेदारी होती है कि वह सरकार को राज्य की वित्तीय स्थिति की वास्तविकता से अवगत कराए, ताकि उसके आधार पर सरकार आगे अपनी योजनाओं के क्रियान्वयन पर विचार कर सके. उसी को ध्यान में रखते हुए यह पहल की जा रही है. सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री यह तय करेंगे कि बजट कब पेश होगा. इस साल तो जितने भी काम होने थे, उनके लिए पहले ही बजट आवंटित किया जा चुका है. चालू वित्त वर्ष में वैसे भी अब बहुत कम समय रह गया है, ऐसे में अब वित्त विभाग का फोकस अगले वित्त वर्ष की तैयारियों पर है.

दस साल में दिल्ली का बजट ढाई गुना से ज्यादा बढ़ा - शुक्रवार को दिल्ली के बजट को लेकर कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा था कि इससे पहले 2009-10 में दिल्ली का बजट 25 हजार करोड़ रुपए था, और पांच साल में बढ़कर 2014-15 तक यह 31 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचा था. यानी पांच साल में दिल्ली के बजट में 6 हजार करोड़ रुपए की वृद्धि हुई. 2014-15 में 31 हजार करोड़ रुपए से लेकर आम आदमी पार्टी की सरकार ने 2024-25 में 77 हजार करोड़ रुपए का बजट दिल्ली विधानसभा में पेश किया. यानी दस साल में सरकार ने दिल्ली के बजट में 46 हजार करोड़ रुपए की बढ़ोतरी की. दस साल में दिल्ली का बजट और आर्थिक विकास ढाई गुना से ज्यादा हो गया.

दिल्ली देश का एकमात्र रेवेन्यू सरप्लस राज्य - आतिशी ने कहा कि कैग की 2022 की रिपोर्ट ने यह साफ-साफ कहा था कि दिल्ली देश का एकमात्र राजस्व अधिशेष (रेवेन्यू सरप्लस) राज्य है. आप सरकार भाजपा को दिल्ली की आर्थिक विकास बेहतर करके सौंप रही है।

दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी का बिगड़ा गणित

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के तीन पार्षदों के शनिवार को भाजपा में शामिल होने के बाद से ही दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल का गणित बिगड़ गया है और इसके चलते अब निगम में भी भाजपा का महापौर बनना लगभग तय माना जा रहा है लेकिन देखा जाए तो यह राजनीति है और यहां कुछ भी संभव है, क्योंकि निगम पार्षद कई बार दल बदल चुके हैं और बता दें कि अप्रैल माह में निगम महापौर पद के लिए चुनाव होना है। विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद और तीन पार्षदों के भाजपा में शामिल होने के बाद भाजपा पार्षदों की संख्या अब 116 और आप पार्षदों की संख्या 114 रह गई है। इसके अलावा, दिल्ली के सात लोकसभा सदस्य (सभी भाजपा के), तीन राज्यसभा सदस्य (सभी आप के) और 14 मनोनीत विधायक दिल्ली नगर निगम के महापौर और उप महापौर के लिए होने वाले चुनाव में मतदाता हैं। **बहुमत खो चुकी है आप, नैतिकता पर इस्तीफा दें महापौर -** दिल्ली नगर निगम के नेता विपक्ष व पूर्व महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने महापौर महेश कुमार से नैतिकता के आधार पर इस्तीफा मांगा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में जनमत खो चुकी आम आदमी पार्टी अब नगर निगम सदन में भी विश्वासमत खो चुकी है। भाजपा के पार्षदों की संख्या 116 हो गई है। साथ ही अब आप के पास पार्षदों की संख्या 114 ही बची है। ऐसे में सदन में संख्या बल न होने पर महापौर को पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। वह नैतिकता के तौर पर इस्तीफा दें। नेता विपक्ष सिंह ने कहा कि भाजपा अब जनहित के मुद्दों को उठाना जारी रखेगी। साथ ही अब जब आप का संख्याबल निगम में कम हो गया है तो अब आपकी मनमर्जी नहीं चल सकेगी।

दिल्ली को लूटने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा- सचदेवा

नई दिल्ली। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि प्रदेश को लूटने वाले हर व्यक्ति को सजा मिलेगी, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। सचदेवा ने केंद्रीय सतर्कता आयुक्त पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास के जीर्णोधार पर हुए खर्च की जांच का आदेश दिए जाने के मुद्दे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आज कहा, ÷पिछली दिल्ली सरकार के सारे कुकृत्य समाप्त होने जा रहे हैं और उसी के अनुसार सजा दी जाएगी।

निगम में बराबर हुई आप और भाजपा के पार्षदों की संख्या

नई दिल्ली,। दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार जाने के बाद अब अरविंद केजरीवाल की एक और चिंता बढ़ गई है। अब दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में भी आप की सत्ता पर खतरा मंडराने लगा है। शनिवार को तीन पार्षदों के भाजपा में जाने के बाद %आप% और भाजपा के पार्षदों की संख्या बराबर हो गई है। जल्द ही 11 सीटों पर उपचुनाव होने जा रहे हैं, जिसके नतीजे तय करेंगे कि एमसीडी में आप की सत्ता रहेगी या फिर दिल्ली में भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार होगी।

शनिवार को आम आदमी पार्टी के तीन पार्षद भाजपा में शामिल हो गए। एंड्रयूज गंज से पार्षद अनिता बसोया, हरि नगर से निखिल चपराना और आरकेपुरम से धरमवीर सिंह ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। इस दल-बदल के बाद 250 सदस्यों वाले सदन में %आप% के 116 पार्षद बच गए हैं तो भाजपा के पार्षदों की संख्या बढ़कर 116 हो गई है। दोनों संख्याबल में अब बराबरी पर हैं। कांग्रेस के पास सात पार्षद हैं। ऐसे में कांग्रेस की भूमिका भी अहम हो गई है। यदि उपचुनाव के नतीजे %आप% हक में नहीं गए या कुछ और पार्षद भाजपा में गए तो अरविंद केजरीवाल के हाथ से एमसीडी निकल सकती है या फिर उसे कांग्रेस के सहारे की जरूरत होगी।

11 सीटों पर होगा उपचुनाव

द्वारका बी वार्ड से भाजपा की पार्षद कमलजीत सहरावत पश्चिमी दिल्ली से सांसद बन चुकी हैं। उनके लोकसभा चुनाव जीतने के बाद से ही यह पद खाली है। अब विधानसभा चुनाव में भी 17 पार्षद मैदान में उतरे थे। इनमें से भाजपा के सात और आप के तीन पार्षद विधायक बन चुके हैं। इस हिसाब से कुल 11 सीटें खाली हो गई हैं। एमसीडी में मौजूदा समीकरण को देखते हुए यह उपचुनाव अब बेहद दिलचस्प हो गया है।

2022 में ्क्को 134 वार्डों में मिली थी जीत

दिसंबर 2022 में हुए एमसीडी चुनाव में आप ने 15 सालों से काबिज भाजपा को हरा दिया था। तब आप ने 134 और भाजपा ने 104 सीटों पर जीत साहिल की थी। कांग्रेस 9 वार्डों में जीत हासिल कर पाई थी। आप के कई पार्षद धीरे-धीरे टूटकर भाजपा में जा चुके हैं।

अब दिल्ली में ट्रिपल सरकार की चाहिए- वीरेंद्र सचदेवा

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आप पार्षदों को शामिल करने के बाद एमसीडी में सरकार बनाने की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, बार-बार सवाल आ रहा था कि दिल्ली में डबल इंजन की सरकार, अब चलने लगा है कि ट्रिपल इंजन की सरकार चाहिए। हम सबको मिलकर एक सुंदर दिल्ली बनानी है, एक ऐसी दिल्ली बनानी है जिस पर सब गर्व कर सकें। इस कार्य में जो भी आहुति डालेगा वह अपने जीवन को भी आनंदित करेगा। हमारा लक्ष्य एक ही है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत के साथ दिल्ली को भी विकसित बनाएंगे।% दिल्ली सरकार के गठन की प्रक्रिया कब से शुरू होगी? इस सवाल के जवाब में सचदेवा ने मुस्कुराते हुए कहा, %सरकार गठन से पहले की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सचदेवा ने कहा कि समय आने दीजिए हम आपको दिल्ली में ट्रिपल इंजन भी देंगे।

दिल्ली-एनसीआर के दिव्यांगों के लिए शिविर, फ्री में लगेंगे आर्टिफिशियल अंग

नई दिल्ली। दिल्ली में रह रहे दिव्यांग लोगों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है. हाथ और पैरों से अक्षम लोगों की मदद के लिए सामाजिक संस्था नारायण सेवा संस्थान की ओर से निशुल्क आर्टिफिशियल लिंब प्रत्यारोपण कैंप का आयोजन किया जा रहा है. दिल्ली या दिल्ली के आसपास रहने वाले दिव्यांग लोग इस कैंप में पहुंचकर निशुल्क आर्टिफिशियल हाथ और पैर लगवाने के लिए अपनी साइज के अनुसार नापतौल करा सकते हैं. इस कैंप के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए नारायण सेवा संस्थान के ट्रस्टी एवं निदेशक देवेंद्र चौबिसा ने बताया कि दिल्ली में दिव्यांगों के कल्याणार्थ विशाल निःशुल्क शिविर का आयोजन रविवार 16 फरवरी को दिल्ली के गोल्डन क्राउन, जापानीज पार्क, सेक्टर-12, रोहिणी में आयोजित होगा.

निःशुल्क शिविर कब होगा आयोजित? निदेशक ने बताया कि ऐसे लोग जिन्होंने किसी हादसे में या अन्य बीमारी के चलते अपना हाथ-पैर गंवा देने से अंगविहिन हुए हैं, उन्हें दिव्यांगता की दुःखभरी जिंदगी से निकालने के लिए संस्थान निस्वार्थ भाव से प्रतिबद्ध है. संस्था पदमश्री संस्थापक कैलाश मानव की प्रेरणा से संस्थान विगत 40 वर्षों से मानवता और दिव्यांगता के क्षेत्र में सेवारत है. दिल्ली के दिव्यांगजनों को मदद पहुंचाने के संकल्प से ये निःशुल्क शिविर रविवार को प्रातः 8 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा.

शिविर में रोगियों, परिजनों को फ्री भोजन व नाश्ता- ट्रस्टी चौबिसा ने बताया कि कैंप में दिव्यांग बन्धुओं को संस्थान के अनुभवी एवं विशेषज्ञ ऑर्थोटिक्स एवं प्रोस्थेटिक डॉक्टर की टीम की ओर से देखा जाएगा. टीम की ओर से उच्च गुणवत्ता युक्त और वजन में हल्के व टिकाऊ नारायण लिम्ब के लिए व्यवस्थित कास्टिंग कर लिम्ब का माप लिया जाएगा. इन दिव्यांगों को संस्थान लगभग दो माह बाद इनके मेजरमेन्ट के अनुसार मॉड्यूलर कृत्रिम अंग वितरण शिविर आयोजित कर निःशुल्क फिटमेंट करेगा. दिल्ली आश्रम के प्रभारी जतन सिंह भाटी ने बताया कि इस शिविर में आने वाले रोगियों के परिजनों को निःशुल्क भोजन, चाय अल्पाहार दिया जाएगा.

कैंप में दिव्यांगों को इन दस्तावेजों की होगी जरूरत- जनसंपर्क निदेशक भगवान प्रसाद गौड़ ने दिव्यांगों से अपील करते हुए कहा कि इस शिविर में भाग लेने के इच्छुक दिव्यांग स्वयं का आधार कार्ड, डिसेबिलिटी प्रमाण पत्र और दिव्यांगता दिखाते हुए 2 फोटो लेकर आएं.

दिव्यांगों की सेवा पर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित- संस्थान के अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल दिव्यांगों के लिए मेडिकल, शिक्षा, कौशल विकास और खेल अकादमी के माध्यम से मानसिक, शारीरिक एवं आर्थिक दृष्टि से मजबूत कर लाखों दिव्यांगों को समाज की मुख्यधारा में ला चुके है. वर्ष 2023 में अग्रवाल को राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है. संस्थान अब दिल्ली के दिव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रदान कर उनकी रुकी जिन्दगी को फिर से शुरू करने के लिए बड़े स्तर पर काम करेगा.

केजरीवाल को भ्रष्टाचार की सजा मिलेगी : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली रोहिणी के नवनिर्वाचित भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को आम आदमी पार्टी (आआपा) के शीशमहल के केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के जांच के आदेश की सराहना की है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को भ्रष्टाचार की सजा मिलेगी।विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने उनकी पिछली दो शिकायतों का संज्ञान लिया और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी। इसके आधार पर दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग को छह फ्लैग स्टाफ रोड बंगले के विस्तार के लिए संपत्तियों के कथित विलय और इसके अंदरूनी हिस्से पर किए गए खर्च की विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया है। सीवीसी द्वारा छह फ्लैग स्टाफ बंगले के नवीनीकरण की जांच के आदेश पर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि शीश महल (आआपा) और अरविंद केजरीवाल का भ्रष्टाचार अब खुलकर सामने आ गया है। सीवीसी ने तथ्यों के आधार पर संज्ञान लिया है। गुप्ता ने कहा कि पिछले साल 14 और 21 अक्टूबर को सीवीसी को दो पत्र लिखे गए थे। सीवीसी को पत्र में लिखा था कि शीश मह का क्षेत्रफल मूल रूप से 10 हजार गज से कम था लेकिन बगल के बंगलों और आठ टाइप-पांच फ्लैटों को खाली करा लिया गया।

रेप केस वापस ले वरना...रिहा होते ही पीड़िता को धमकाने लगा आरोपी; साउथ दिल्ली की घटना

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के अंबेडकर नगर में 27 साल की एक महिला ने आरोप लगाया है कि 2022 में उसका रेप करने वाल व्यक्ति उसे परेशान कर रहा है। वह उसे केस वापस नहीं लेने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की है। अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित महिला ने 11 फरवरी को एक नई शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी।डिप्टी पुलिस कमिश्नर (दक्षिण) अंकित चौहान ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर अंबेडकर नगर थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 78 (पीछा करना) और धारा 351 (आपराधिक धमकी) (2) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, महिला एक वर्किंग प्रोफेशनल है और उसका कथित तौर पर 36 वर्षीय व्यक्ति ने यौन उत्पीड़न किया था, जो अपनी पत्नी और बच्चों के साथ उसके घर में किराएदार के रूप में रहता था।अपनी शिकायत में उसने कहा कि 24 दिसंबर 2022 को आरोपी ने उसकी निजी तस्वीरें हासिल कर लीं। उसके साथ जबरदस्ती करने से पहले उसने उसे ब्लैकमेल करने के लिए इनका इस्तेमाल किया। महिला की शिकायत के बाद 4 जनवरी 2023 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अपनी रिहाई के बाद से ही उसे परेशान करना और धमकाना शुरू कर दिया है।

वर्गीकृत विज्ञापन

विज्ञापनों के लिए सम्पर्क करें 01204445274, 9319720113, 9891992737

आवश्यकता है

रिसेप्सन, रेस्टोरेन्ट बार में कार्य करने के लिए अनुभवी व्यक्तियों की आवश्यकता है। हाउस कीपिंग, इलेक्ट्रिशियन, पिलेम्बर व अन्य पदों के लिए। संपर्क करें- 0 8 4 3 5 0 2 2 2 0 7 , 0971186206809617170371

cmn-1308-

आवश्यकता है

सर्व हितकारी नर्सिंग होम, गोरबी रोड बरगवां में लैब टेक्निशियन-1 पद, अनुभव प्राप्त को वरियता संपर्क करें- 09425858651, 09691315931

cmn-1308-

टाटा कैपिटल

फाइनेंस कंपनी

मार्कशीट-पर्सनल बिजनेस, आधारकार्ड लोन, होम लोन 48 घंटे में घर बैठे पायें 0 परसेंट ब्याज 45 परसेंट छूट

टोल फ्री 18001237765

हेल्पलाइन 9548105112

कोटपेंट, शेरवानी

रेडीमेड कोटपेंट, इंडोवेस्टर्न कोटसूट, डिजाईनर, दुल्हा शेरवानी मैरिज कोटपेन्ट, ट्वीडब्लेजर, एडवोकेट कालाकोट, मोदी जैकेट 1650/- से हैवीरेंज तक, मैरिज सूट ब्रांडेड कंपनियों के होलसेल रेट पर फुटकर उपलब्ध- पीपलवाला शॉप, बडाफुहारा, जबलपुर मो- 2610029

जमीन बेचना है

ग्राम डगा में बैढ़न-बरगवां मेन रोड रेलवे स्टेशन क्रासिंग के निकट पर स्थित भूमि लगभग 33×150 फिट जिसमें 33×60 में मकान बना है जिसे बेचना है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें- 08004833683 09406778743 cmn-1306

जमीन बेचना है

उत्तम नगर के संजय एंकलेव में लगभग 33×150 फलैट बिकाऊ है। जिसे बेचना है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें- 9319720113,891992730 09406778743

cmn-1306

उत्तम नगर के संजय एंकलेव में लगभग 30×45 फलैट बिकाऊ है। जिसे बेचना है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें- 9319720113,891992730

आवश्यकता

एक सुपरवाईजर की जो बिल्डिंग कन्सट्रेक्शन इत्यादि कार्य करा सकें।नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास पहाड गंज स्थित एक गैस्ट हाउस में। अनुभवी तथा ईमानदार व्यक्तियों को वरियता। आवदेन करें -vineet.palk@gmail.com

आयुर्वेदिक प्रोडक्टस कंपनी को चाहिए भारी संख्या में लड़के एवं लड़कियां अनपढ़ से ग्रेजुएट सैलरी 14900-29500 सिटिंग जॉब डायरेक्ट भर्ती सभी कंपनी सुविधाएं-**9643045844**

सेल्स प्रोडक्टस कंपनी को चाहिए भारी संख्या में लड़के एवं लड़कियां अनपढ़ से ग्रेजुएट सैलरी 14900-29500 सिटिंग जॉब डायरेक्ट भर्ती ।

रेडीमेड कोटपेंट

रेडीमेड कोटपेंट, इंडोवेस्टर्न कोटसूट, डिजाईनर, दुल्हा शेरवानी मैरिज कोटपेन्ट, ट्वीडब्लेजर, एडवोकेट कालाकोट, मोदी जैकेट 1650/- से हैवीरेंज तक, उत्तम नगर, मिलन नगर, 110059

Estate & Properties

Two bedroom flat on First Floor in IP Extn. Socities New Delhi Available For Sale Area about one 1200 sq. ft.

Contact:abcproperties@gmail.com

सूचना

गणित एवं विज्ञापन पढ़ाने हेतु अध्यापकों की महादेवी मैमारियल पब्लिक स्कूल, नई आवादी, नगला अजीता(निकट केंद्रीय कारागार), आगरा।

❐ आधारकार्ड प्रोप्टर्ी, बिजनेस, होम पर्सनल समस्त लोन उचित ब्याज दर पर मो - 7428027411-

आवश्यकता

दिल्ली से प्रकाशित **हिन्दी दैनिक श्रीजी एक्सप्रेस** को आवश्यकता है रिपोर्टर, उप संपादक, समाचार संपादक, समस्त भारत में ब्यूरो सहित विज्ञापन प्रतिनिधियों की । इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें- 9673140113,9319720113 Shreejiexpress2013@gmail.com

सैक्स समस्याएं

●मर्दाना कमजोरी ●शीघ्रपतन ●घात रोगी ●अंगों का अविकसित होना ●स्वप्नदोष ●शुक्राणु की कमी

नवीन क्लीनिक (दिल्ली) 9811564909, 9210990444

चेतन क्लीनिक

24 साल का सफल अनुभव विश्व प्रसिद्ध गुप्त रोग चिकित्सक-9817469817

ज्योतिष

हमसे पहले काम करने वालों को मुंहमांगा इनाम

बाबा फतेह खान बंगाली

प्रेम विवाह, सौतन, दुश्मन, से छुटकारा, पति, पत्नी में अनबन,प्यार में धोखाधड़ी, रुठे को मनाना, संतान या वदिश यात्रा में रुकावट आदि - 9837816161

ज्योतिष

घर बैठे 2 घंटे में समाधान

वशीकरण गुठकरनी स्पेलिस्ट हमारे यहां मनचाहा प्यार, प्रेम विवाह , सौतन, दुश्मन से छुटकारा पति पत्नी में अनबन प्यार में धोखा आदि समस्याओं से निजात पाए -मोबाइल-9927749187

पंडित पी.के. शर्मा

ज्योतिष

घर बैठे 2 घंटे में समाधान
गुरु सिकंदर कलकत्ते वाले
मेरे किये की कोई काट नहीं प्रेम विवाह , सौतन, दुश्मन से छुटकारा पति पत्नी में अनबन प्यार में धोखा आदि समस्याओं से निराश न हो एक बार फोन जरूर करें- 9997096520

Call us at 09319720113, 09891992737, or Mail us at advtshreejiexpress@gmail.com

टूर-ट्रेवल्स

श्याम टूर-ट्रैवल्स

हमारे यहां सभी प्रकार के वाहन उपलब्ध है तथा पुराने वाहनों का मरम्मत आदि का कार्य उत्तम रेट पर किया जाता है।

-सुखविंदर सिंह लवली, विकास मार्केट, लक्ष्मी नगर-011-40154354

लोन-ही लोन

पर्सनल लोन, हाऊसिंग लोन, मार्कशीट लोन, अगेंट प्राप्टी, कृषि लोन, पशुपालन लोन, वेयरहाऊस लोन,एजुकेशनल लोन, क्रेडित कार्ड एवं आईटीआर रिर्टन एवं पैनकार्ड प्रोफाइल हेतु सम्पर्क करें-प्रापर्टी एडवाइजर,34 उत्तम नगर, दिल्ली-

इंडिका/इंडिगो चाहिए

अरजेन्ट इण्डिगो इण्डिगा टैक्सी चाहिए। शासकीय कार्यालय प्रायोजन हेतु इण्डिका-18,000/- प्रतिमाह एवं इण्डिगो 20,000/- प्रतिमाह की दर से देय होगा।

ऑफिस फर्नीचर की सम्पूर्ण रेंज प्राप्त करने का एक मात्र स्थान

ऑफिस टेबल, ऑफिस चेयर, रिवोल्विंग चेयर, कम्प्यूटर टेबल, ऑफिस अलमारी, रेक, बुक सेल्फ आदि उचित रेट पर उपलब्ध।

पता : मंगल फर्नीचर एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स, उत्तम नगर

वैधानिक सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि इस समाचार पत्र में मुद्रित होने वाले किसी भी विज्ञापन पर आपत्ति करने व कानूनी कार्रवाई से पहले विज्ञापन में दी गई शर्तों व नियमों, दावों और सेवा के बारे में पूरी तरह से जानकारी हासिल कर जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र किसी भी उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विषय में विज्ञापन दाता द्वारा दिए गए दावों का उल्लेख करता है न ही पुष्टि करता है न ही उसके पक्ष में हैं। किसी भी विज्ञापन के संबंध में विज्ञापन दाता उत्तरदायी होगा न कि समाचार पत्र। पूर्व में विज्ञापन के संबंध में दिए गए मोबाइल नं पर सम्पर्क कर अपना समाधान स्वयं करें। समाचार प्रबंधन किसी भी बात के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। विज्ञापन प्रबंधक

धर्म का धंधा सबसे चोखा धंधा

-राकेश अचल-

यदि आप निवेश करने की सोच रहे हैं तो एसआईपी, एफडी, शेयर बाजार के फेर में न पड़े। निवेश के लिए कलियुग में धर्म का क्षेत्र सबसे ज्यादा सुरक्षित है। मुमकिन है कि आपको मेरी बात पर यकीन न आये, या आप मेरी बात को धर्म विरोधी अथवा सनातन विरोधी कह उठें, लेकिन मै जो कह रहा हूँ, वो सोलह आने सच है। यदि आपको मेरी बात पर भरोसा नहीं है तो आप उत्तर प्रदेश के उत्तरदायी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बूझ लीजिये। धर्म क्षेत्र में निवेश करने भर से उत्तर प्रदेश सरकार की बल्ले-बल्ले हो गयी है। वो भी एक महीने में।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 12 जनवरी 2025 से शुरू हुया कुम्भ अब समापन की और है । एक महीने के कुम्भ में सरकारी आंकड़ों के मुताबिक जहाँ भगदड़ में कुल 30 लोग मरे वहीं देश के 50 करोड़ लोगों ने कुम्भ में डुबकी लगाकर उत्तर प्रदेश सरकार को डूबने से बचा लिया। सरकार ने मात्र 15000 करोड़ रूपये का निवेश कर कुम्भ से करीब 3 लाख करोड़ रूपये की कमाई कर दिखाई। आपको याद होगा की इस समय उत्तर प्रदेश के हर आदमी के ऊपर 31 हजार रूपये का कर्ज है। सरकार पर तो ये कर्ज लाखों करोड़ का है। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथने ये रहस्योद्घाटन एक सरकारी समारोह में किया।

भारतीय परंपरा और इतिहास में धर्म में निवेश का जरिया अब तक केवल मंदिर थे । मंदिरों हमारी आस्था के साथ-साथ देश की समृद्ध धार्मिक विरासत के भी प्रतीक हैं। एक अनुमान के मुताबिक देशभर में 5 लाख से अधिक मंदिर हैं। देश में कई ऐसे मंदिर हैं जहां हर साल करोड़ों का चढ़ावा आता है। लोग मंदिरों में जाकर मन्नत मांगते हैं और इसके पूरी होने पर अपनी हैसियत के मुताबिक मंदिरों में रुपये, सोना और चांदी आदि दान करते हैं।उत्तर परेश सरकार ने पहली बार धर्म के जरिये खजाना भरने की तकनीक का इस्तेमाल किया, अन्यथा कुम्भ तो सदियों से आयोजित होता रहा है, लेकिन कुम्भ को इवेंट बनाकर कमाई पहली बार की गयी है।पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को भी धर्म क्षेत्र में निवेश की अक्ल नहीं आई थी।

आपको बता दें कि केरल में स्थित पद्मनाभ स्वामी मंदिर भारत का सबसे अमीर मंदिर है। ये मंदिर केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में है। इस मंदिर की देखभाल त्रावणकोर के पूर्व शाही परिवार द्वारा की जाती है। इस मंदिर को खजाने में हीरे, सोने के गहने और सोने की मूर्तियां शामिल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, मंदिर की 6 तिजोरियों में कुल 20 अरब डॉलर की संपत्ति है। यही नहीं, मंदिर के गर्भग्रह में भगवान विष्णु की बहुत बड़ी सोने की मूर्ति विराजमान है, जिसकी कीमत 500 करोड़ रुपये है।तिरुपति मंदि। में हर साल लगभग 650 करोड़ रुपये दान के रूप में देते हैं। लड्डू का प्रसाद बेचने से ही मंदिर को लाखों रुपये की कमाई होती है। तिरूपति मंदिर भगवान वेंकटश्वर को समर्पित है, जिन्हें विष्णुजी का अवतार माना जाता है। माना जाता है कि मंदिर के पास नौ टन सोने का भंडार है और विभिन्न बैंकों में फिक्स डिपॉजिट में 14, 000 करोड़ रुपये जमा हैं।

जाहिर है कि हमारे देश में युद्धक विमान बनाने, परमाणु ऊर्जाक्षेत्र में निवेश करने से जितना मुनाफ़ा नहीं हो सकता जितना कि धर्म के क्षेत्र में निवेश करने से हो सकता है। कुम्भ में कमाई को देखते हुए मुमकिन है कि आगामी आम बजट में हमारी केंद्रीय वित्तमंत्री अपने सीतारामी बजट में धार्मिक क्षेत्र में निवेश के लिए एफडीआई शुरू कर दें। ताकि विदेशी भी इस क्षेत्र में निवेश कर कुछ कमाई कर सकें और भारत की अर्थ व्यवस्था को 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान कर सकें। इस्कॉन तो पहले से ही इस क्षेत्र में निवेश कर माल पीट रहा है। इस्कान के मंदिर ही नहीं बल्कि भोजनालय और रिसोर्ट भी अकूत कमाई कर रहे हैं।हाल की अमरीका यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से धर्म के क्षेत्र में अमरीकी निवेश की बात करना थी । भारत अमेरिका को तो कुछ और तो बेचने से रहा इसलिए कम से कम धर्म का क्षेत्र निवेश के लिए खोलकर अमेरिका से तेल, फाइटर विमान और न्यूक्लियर इनर्जी खरीदने से होने वाले घाटे की भरपाई तो कर ले। वैसे भी भारत के पास खरीदने के अवसर तो हैं लेकिन बेचने के नहीं। भारत ज्यादा से ज्यादा अपना आत्म सम्मान बेच सकता है, सम्प्रभुता गिरवी रख सकता है। हमारी मौजूदा सरकार ने ये काम किया है।

संपादकीय

भारत-अमेरिका की दोस्ती, फिर लौट आई गर्मजोशी

भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात पर देश ही नहीं, दुनिया की भी निगाहें थीं। एक तो इसलिए कि मोदी उन चुनिंदा शासनाध्यक्षों में से एक हैं, जिनसे डोनाल्ड ट्रंप ने प्रारंभिक दौर में ही मुलाकात करना बेहतर समझा और दूसरे इसलिए कि भारत अब एक बड़ी ताकत बन चुका है और वैश्विक मामलों में उसका रुख-रवैया मायने रखता है। इस मुलाकात को लेकर जिज्ञासा का एक कारण यह भी था कि बाइडन प्रशासन के समय अमेरिका और भारत के संबंधों में एक खिंचाव आ गया था। एक अर्से से यह महसूस किया जा रहा था कि बाइडन प्रशासन भारतीय हितों की वैसी चिंता नहीं कर रहा है, जैसी करनी चाहिए।मोदी और ट्रंप की मुलाकात ने यह तो रेखांकित किया कि दोनों देशों के संबंधों में गर्मजोशी लौट आई है, लेकिन अभी यह नहीं कहा जा सकता कि अमेरिका भारत की समस्त चिंताओं का समाधान करने जा रहा है। इसका संकेत इससे मिलता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत के मामले में भी पारस्परिक टैरिफ की नीति पर चलने की घोषणा कर दी।यदि ट्रंप प्रशासन इस घोषणा पर वास्तव में अमल करता है तो जापान, यूरोपीय संघ के देशों के साथ भारत सबसे अधिक प्रभावित होने वाले देशों में हो सकता है। पारस्परिक टैरिफ से भारतीय उत्पादों के लिए अमेरिकी बाजार में स्थान बनाना कठिन हो सकता है। इसके नतीजे में अमेरिका में भारतीय निर्यात घट सकता है। इससे भारत के आर्थिक हितों को नुकसान होगा, क्योंकि जीडीपी में निर्यात की अहम भूमिका है और अमेरिका हमारा प्रमुख व्यापारिक सहयोगी देश है।यह ठीक है कि ट्रंप ने बांग्लादेश के मामले में भारत के मन मुताबिक बात कही, सीमा पार यानी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से मिलकर लड़ने का वादा किया और मुंबई हमले की साजिश में शामिल रहे पाकिस्तान मूल के कनाडाई आतंकी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण की घोषणा की, लेकिन अमेरिका में खालिस्तान समर्थकों की भारत विरोधी गतिविधियों पर कुछ नहीं कहा।भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान ऊर्जा, तकनीक के साथ अन्य कई क्षेत्रों में जो अनेक समझौते हुए, उनसे यह स्पष्ट होता है कि दोनों देशों के संबंधों में और प्रगाढ़ता आने जा रही है।इसका पता इससे भी चलता है कि विकसित भारत के लक्ष्य में सहायक बनने वाले विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका से सहयोग की राह प्रशस्त होती दिख रही है और अब भारत अमेरिका से कच्चा तेल और गैस खरीदने के साथ आधुनिक रक्षा उपकरण एवं तकनीक हासिल करने में भी समर्थ होगा, लेकिन क्या लड़ाकू विमान एफ-35 की खरीद हमारी प्राथमिकता सूची में शामिल है? इसमें संदेह नहीं कि भारतीय प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति की मुलाकात ने मैत्री संबंधों को मजबूत करने का माहौल बनाया, लेकिन यह समय बताएगा कि ट्रंप भारत की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हैं या नहीं?

त्यौहार-संस्कृति एवं जीवन-संस्कारों को धुंधलाने का दौर

फेमिली डे, मदर डे, फादर डे, वैलेनटाइन डे-ऐसे आधुनिक पर्व हैं, जिन्हें बड़ी कंपनियाँ एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया महिमामंडित कर रहे हैं। अपने आपको आधुनिक कहने वाले परिवारों एवं लोगों के लिए दीपावली, होली, रक्षाबंधन जैसे पारंपरिक पर्वों की तुलना में ये आधुनिक पर्व ज्यादा महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक हैं। आखिर क्यों? हम अपने ही देश एवं अपनी संस्कृति के बीच बेगाने क्यों बने हुए हैं? अपने त्यौहारों की समृद्ध परम्परा को क्यों कमजोर कर रहे हैं? भारतीय संस्कृति इसलिये अनूठी एवं विलक्षण है क्योंकि यह मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की अनुकरणीय और लीलाधर श्रीकृष्ण की अनुसरणीय शिक्षाओं की साक्षी है। हमारी संस्कृति ने न केवल भारत को, बल्कि सभी को अपना परिवार माना है। तभी यहां आज भी 'वसुधैव कुटुंबकम' का मूल मंत्र दोहराया जाता है। पाश्चात्य देशों की बात करें, तो उसने दुनिया को केवल बाजार माना है। हमारी सनातन संस्कृति में रचे-बसे लोग इतने उदार हैं कि हमने सदैव अन्य देशों की संस्कृतियों का दोनों बाहें फैलाकर स्वागत किया है। पर्व, व्रत, त्योहार एवं उत्सव सामाजिक सरोकार के अद्भुत संगम एवं समन्वय के मूर्त रूप हैं। यदि हम असामाजिक, संवेदनशून्य, उपभेक्तावादी एवं पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण करने की दिशा में अग्रसर रहेंगे तो हमारी यह मूल्यवान् संस्कृति जड़ बनकर पतनोन्मुख हो सकती है। हजारों-हजारों साल से जिस प्रकृति ने भारतीय मन को आकार दिया था, उसे रचा था, भारतीयता की एक अलग छवि का निर्माण हुआ, यहां के इंसानों की इंसानियत ने दुनिया को आकर्षित किया, संस्कृति एवं संस्कारों, जीवन-मूल्यों की एक नई पहचान बनी। ऐसा क्या हुआ कि आजादी के बाद उसके साथ कुछ गलत हुआ है, और वह गलत दिनोंदिन गहराता गया है....

-ललित गर्ग-

पाश्चात्य अंधानुकरण के कारण हमने न केवल भारतीय त्यौहारों के रंगों को धुंधला दिया है, बल्कि वैलेनटाइन डे जैसे पर्वों को महिमामंडित कर दिया है। भारत के प्रत्येक भू-भाग के अपने त्यौहार हैं, कुछ समान हैं तो कुछ उस भू-भाग की विशिष्टता लिए। परंतु इन्हें भी विकृत करने का व्यापक प्रयास हो रहा है। हमने अपने त्यौहारों को विकृत करने में कोई कमी नहीं रखी है, यही कारण है कि कुछ त्यौहार मद्यपान से जुड़ गए हैं, तो कुछ जुए से, कुछ कीचड़ से सन जाते हैं, तो कुछ लेन-देन के अवसर बन गए हैं। कुछ के साथ अश्लीलता एवं फुहड़ता जुड़ गयी है। इतना ही नहीं हमारी त्यौहारों की समृद्ध परंपरा को धुंधलाने के भी सुनियोजित प्रयास हो रहे हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ और बड़े व्यावसायिक संस्थान अपने लाभ के लिए देश में ऐसे उत्सवों/पर्वों को स्थापित कर रहे हैं, जिनका हमारी संस्कृति से मेल नहीं है। फेमिली डे, मदर डे, फादर डे, वैलेनटाइन डे-ऐसे आधुनिक पर्व हैं, जिन्हें बड़ी कंपनियाँ एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया महिमामंडित कर रहे हैं। अपने आपको आधुनिक कहने वाले परिवारों एवं लोगों के लिए दीपावली, होली, रक्षाबंधन जैसे पारंपरिक पर्वों की तुलना में ये आधुनिक पर्व ज्यादा महत्त्वपूर्ण एवं प्रासंगिक हैं। आखिर क्यों? हम अपने ही देश एवं अपनी संस्कृति के बीच बेगाने क्यों बने हुए हैं? अपने त्यौहारों की समृद्ध परम्परा को क्यों कमजोर कर रहे हैं? भारतीय संस्कृति इसलिये अनूठी एवं विलक्षण है क्योंकि यह मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की अनुकरणीय और लीलाधर श्रीकृष्ण की अनुसरणीय शिक्षाओं की साक्षी है। हमारी संस्कृति ने न केवल भारत को, बल्कि सभी को अपना परिवार माना है। तभी यहां आज भी 'वसुधैव कुटुंबकम' का मूल मंत्र दोहराया जाता है। पाश्चात्य देशों की बात करें, तो उसने दुनिया को केवल बाजार माना है। हमारी सनातन संस्कृति में रचे-बसे लोग इतने उदार हैं कि हमने सदैव अन्य देशों की संस्कृतियों का दोनों बाहें फैलाकर स्वागत किया है। पर्व, व्रत, त्योहार एवं उत्सव सामाजिक सरोकार के अद्भुत संगम एवं समन्वय के मूर्त रूप हैं।

यदि हम असामाजिक, संवेदनशून्य, उपभेक्तावादी एवं पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण करने की दिशा में अग्रसर रहेंगे तो हमारी यह मूल्यवान् संस्कृति जड़ बनकर पतनोन्मुख हो सकती है। हजारों-हजारों साल से जिस प्रकृति ने भारतीय मन को आकार दिया था, उसे रचा था, भारतीयता की एक अलग छवि का निर्माण हुआ, यहां के इंसानों की इंसानियत ने दुनिया को आकर्षित किया, संस्कृति एवं संस्कारों, जीवन-मूल्यों की एक नई पहचान बनी। ऐसा क्या हुआ कि आजादी के बाद उसके साथ कुछ गलत हुआ है, और वह गलत दिनोंदिन गहराता गया है जिससे सारा माहौल ही प्रदूषित हो गया है, जीवन के सारे रंग ही फिके पड़ गये हैं, हम अपने ही भीतर की हरियाली से वंचित हो गए लोग हैं। न कहीं आपसी विश्वास रहा, न किसी का परस्पर प्यार। न सहयोग की उदात्त भावना रही, न संघर्ष में सामूहिकता का स्वर, बिखराव की भीड़ में न किसी ने हाथ थामा, न किसी ने आग्रह की पकड़ छोड़ी। यूं लगता है सब कुछ खोकर विभक्त मन अकेला खड़ा है फिर से सब कुछ पाने की आशा में। क्या यह प्रतीक्षा झूठी है? क्या यह अगवानी अर्थशून्य है? विदेशों की उपभोक्ता संस्कृति की अंधी नकल ने हमारी जीवनशैली, परिवार परम्परा, त्यौहार, खानपान, विचार आदि को दूषित किया है। बच्चे अच्छे से अच्छे शरबत की अपेक्षा कोल्ड डिंक्स में अधिक रुचि रखते हैं। वाह! क्या आकर्षण है इन पेयों का और इन अंग्रेजी नामों का। मेकडोनाल्ड बच्चों के सिर चढ़कर बोल रहा है, पिज्जा, नूडल्स, चाउमीन ये सब आधुनिक खान-पान है। यह सब हमारी बदली मानसिकता का द्योतक है। दावतों एवं 'प्रीतिभोज' में 'बुफे' संस्कृति भी खूब चल पड़ी है। भारतीय परिस्थितियों में यह पूर्णतः 'गिद्ध भोज' दिखाई देता है। पहनावे की तो बात ही न पूछो। क्या सोशल मीडिया शरीर पर न्यूनतम कपड़ों को दिखाने की होड़ में नहीं लगा हैं? हमने क्यों अपनाया 'टाइट जीन्स', 'मिनी स्कर्ट' तथा 'हॉट पेंट्स' को। क्या साड़ी-ब्लाउज, सलवार कुर्ता, काँचली-कुर्ती, ओढ़नी-घाघरा कम आकर्षक हैं? हम क्यों माता-पिता की छवि को आहत करते हुए उन पर अश्लील टिप्पणियां करते हुए स्वयं को आधुनिक मानते हैं? यह संस्कृति एवं संस्कारों को धुंधलाना नहीं है तो क्या है? परिवार वह इकाई है, जहाँ एक ही छत के नीचे, एक ही दीवार के सहारे, अनेक व्यक्ति आपसी विश्वास के बरगद की छाँव और सेवा, सहकार और सहानुभूति के घेरे में निश्चित रहते हैं। परिवार वह नीड़ है, जो दिन-भर से थके-हारे पंछी को विश्राम देता है। लेकिन मियाँ, बीवी व बच्चों की इकाई ही आज परिवार है, इस एकल परिवार संस्कृति वाले दौर में माँ-बाप, भाई-बहन की बात करना बेमानी लगता है। परंतु लगता है जहाँ पति-पत्नी दोनों ही अर्थोपार्जन के लिए नौकरी या व्यवसाय करते हैं, उन्हें संयुक्त परिवार और कम से कम माता-पिता या किसी बुजुर्ग की याद आने लगती है। हाँ 'बेबी सिटर', 'आया' या 'क्रेच' भी यह काम कर लेगा, परंतु परिवार की गरमाहट तो वह दे नहीं सकता। स्वस्थ परिवारों एवं भारतीय संस्कृति की संस्कार-सुरभि ही समाज और राष्ट्र की काया को स्वस्थ/प्रफुल्ल रख सकती है। और इसी से बिखरते संयुक्त परिवार एवं जीवन मूल्यों को बचाया जा सकता है। देश को अपनी खोयी प्रतिष्ठा पानी है, उन्नत चरित्र बनाना है, स्वस्थ समाज की रचना करनी है और समृद्ध संस्कृति को ऊच्च शिखर देने हैं तो हमें

एक ऐसी जीवनशैली को स्वीकार करना होगा जो जीवन में पवित्रता दे। राष्ट्रीय प्रेम व स्वस्थ समाज की रचना की दृष्टि दे। कदाचार के इस अंधेरे कुएँ से निकले। बिना इसके देश का विकास और भौतिक उपलब्धियां बेमानी हैं। व्यक्ति, परिवार और राष्ट्रीय स्तर पर हमारे इरादों की शुद्धता महत्व रखती है, हमें खोज सुख की नहीं सत्व की करनी है क्योंकि सुख ने सुविधा दी और सुविधा से शोषण जनमा जबकि सत्व में शांति के लिये संघर्ष है और संघर्ष सचाई तक पहुंचने की तैयारी। हमें स्वयं की पहचान चाहिए और सारे विशेषणों से हटकर इंसान बने रहने का हक चाहिए। इस खोए अर्थ की तलाश करनी ही होगी। उपभोक्ता बनकर नहीं मनुष्य बनकर जीना नए सिरे से सीखना ही होगा। संस्कृति और मूल्यों के नष्ट अध्यायों को न सिर्फ पढ़ना-गढ़ना होगा, बल्कि उन्हें नया रूप और नया अर्थ भी देना होगा। एक नई यात्रा शुरू करनी होगी। इसके लिये हमारे पर्वों एवं त्यौहारों की विशेष सार्थकता है। श्रीकृष्ण ने कहा है- जीवन एक उत्सव है। उनके इस कथन पर भारतीयों का पूर्ण विश्वास है। हम जीवन के हर दिन को उत्सव की तरह जीते हैं, ढेरों विसंगतियों और विद्रूपताओं से जूझते हुए। संकट में होशमंद रहने और हर मुसीबत के बाद उठ खड़े होने का जज्बा विशुद्ध भारतीय है और ऋतु-राग गुनगुनाते हुए अलग-अलग मौसम में उत्सव मनाने का भी। यही वजह है कि हम गर्व से कहते हैं- फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी... पर इस सच से इनकार नहीं किया जा सकता कि बदलती दुनिया के असर से उत्सवधर्मिता का जज्बा काफी प्रभावित हो रहा है। सबसे ज्यादा हमारे पर्व और त्यौहार की संस्कृति ही धुंधली हुई है। खेद की बात है कि हमने पश्चिम की श्रेष्ठ परम्पराओं को आत्मसात नहीं किया, बल्कि उसके उपभोक्तावाद एवं अपसंस्कृति के शिकार बने। हमें भारतीय पर्व और त्यौहार की संस्कृति को समृद्ध बनाना होगा। प्रयागराज का महाकुंभ ऐसी ही समृद्धि ला रहा है। वहां भोर का उगता सूरज, बल खाती नदी, दूर तक फैला मैदान, सिंदूरी शाम, दूर से आती ढोलक की थाप, पीछे छूटती दृश्यावलियां... हमारे भीतर रच-बस जाती हैं। यही सब जीवन की संपदाएं हैं, हमारे अंतर में जगमगाती-कौंधती रोशनियां हैं, जिनकी आभा में हम उस सब को पहचान पाते हैं जो जीवन है, जो हमारी पहचान के मानक हैं, जो हमारी संस्कृति है। हम भारत के लोग इसलिए विशिष्ट नहीं हैं कि हम 'जगतगुरु' रहे हैं, या हम महान आध्यात्मिक अतीत रखते हैं।

भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व करें

यह एआई एक्शन समिट ऐसे समय हो रही है, जब चीनी कंपनी डीपसीक दुनिया को एक जबर्दस्त झटका दे चुकी है। भारत एआई की चुनौतियों एवं खतरों को लेकर सतर्क है। क्योंकि एआई द्वारा प्रस्तुत चुनौतियाँ बहुआयामी हैं और लगातार विकसित हो रही हैं। उदाहरण के लिए डीपफेक, जो डिजिटल मीडिया हैं-वीडियो, ऑडियो और चित्र-जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके संपादित और हेरफेर किया जाता है, हाइपर-रियलिस्टिक डिजिटल मिथ्याकरण को शामिल करते हैं। इसका संभावित रूप से प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने, सबूत गढ़ने और लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को कम करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। जबकि डीपफेक का इस्तेमाल चुनावों जैसे कुछ मामलों में किया गया है,

-ललित गर्ग-

पेरिस में हुए दो दिवसीय एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) एक्शन समिट ने जहां दुनिया के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के महत्व को उजागर किया, वहीं यह भी साफ कर दिया कि इस मामले में होड़ के बावजूद सभी देशों का आपसी तालमेल बनाए रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है। एआई से बदलती दुनिया के चमत्कार वरदान से कम नहीं है, लेकिन इससे जुड़ी चुनौतियां एवं खतरे इसे अभिशाप में भी बदल सकते हैं। बहुत आवश्यक है कि इसके उपयोग के संदर्भ में कोई वैश्विक ढांचा एवं नियंत्रण का केन्द्र एवं नीति बने। क्योंकि एआई के दुरुपयोग के खतरे किसी से छिपे नहीं। अभी एआई का उपयोग अपने प्रारंभिक चरण में ही है, लेकिन उससे पैदा होने वाली कई चुनौतियों एवं खतरों ने सिर उठा लिया है। लेकिन इस नई तकनीक से जीवनशैली, शिक्षा, चिकित्सा, युद्ध, सेना, शासन-प्रशासन, चुनाव, व्यापार, विचार आदि में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। भारत एआई को लेकर बहुत उत्साहित है और दुनिया में एआई का सबसे बड़ा केन्द्र बनने को भी तैयार है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ इस शिखर बैठक की सह-अध्यक्षता की बल्कि अगली शिखर बैठक की मेजबानी करने की पेशकश भी करते हुए बता दिया कि भारत इस पहल को कितनी गंभीरता से लेता है।

इस तरह की तकनीक तभी लाभकारी सिद्ध होती है, जब उसका उपयोग समझदारी, नैतिकता एवं विवेकपूर्ण होता है। ज्यादा जरूरी है उसके दुरुपयोग की आशंकाओं पर प्रभावी ढंग से लगाम लगाने की स्थितियों एवं तंत्र को विकसित करने की। एआई के मामले में ऐसा इसलिए अनिवार्य रूप से करना होगा, क्योंकि यह मानव जीवन को कहीं गहराई से प्रभावित करने की क्षमता रखती है। एआई एक नई तकनीक है और बहुत से लोग उसके प्रयोग के तौर-तरीकों से अपरिचित हैं। इसीलिए यह आशंका उभरी है कि उसके कारण रोजगार का संकट पैदा हो सकता है। भारत में विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न नौकरियों पर एआई के प्रभाव को समझने के लिए एक व्यापक, डेटा-समर्थित अध्ययन आवश्यक है। आईएमएफ की एक रिपोर्ट ने अनुमान लगाया है कि एआई दुनिया भर में लगभग 40 प्रतिशत नौकरियों को प्रभावित करेगा, कुछ को प्रतिस्थापित करेगा और दूसरों को पूरक करेगा।

भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होते हुए तकनीकी विकास की दृष्टि से भी सफलता के नये झंडे गाड रहा है। एआई को लेकर भारत की सोच सकारात्मक एवं विकासमूलक है इसीलिये प्रधानमंत्री मोदी ने यह सही कहा कि इस तकनीक में दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन अमेरिका की कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियों ने सूचना संसार में अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया है। उनके एकाधिकार और उनकी मनमानी से निपटना विश्व के तमाम देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। यदि इसी तरह का एकाधिकार एआई कंपनियों ने भी स्थापित कर लिया तो फिर समस्या गंभीर हो जाएगी। सबसे अधिक समस्या विकासशील और निर्धन देशों को होगी, जो पहले से ही चुनिंदा तकनीकी कंपनियों के वर्चस्व तले दबी हुई है। मोदी ने एआई तकनीक के संतुलित एवं विवेकसम्मत उपयोग एवं विकास की आवश्यकता को भी व्यक्त किया। क्योंकि यह उन्नत तकनीक बनाने वाली कुछ कंपनियां उसे अपने हिसाब से संचालित करती हुई भी दिख रही हैं। इस तकनीक का मनमाना इस्तेमाल न होने पाए, इसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रभावी कदम उठाने होंगे। यह एआई एक्शन समिट ऐसे समय हो रही है, जब चीनी कंपनी डीपसीक दुनिया को एक जबर्दस्त झटका दे चुकी है। भारत एआई की चुनौतियों एवं खतरों को लेकर सतर्क है। क्योंकि एआई द्वारा प्रस्तुत चुनौतियाँ बहुआयामी हैं और लगातार विकसित हो रही हैं। उदाहरण के लिए डीपफेक, जो डिजिटल मीडिया हैं-वीडियो, ऑडियो और चित्र-जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके संपादित और हेरफेर किया जाता है, हाइपर-रियलिस्टिक डिजिटल मिथ्याकरण को शामिल करते हैं। इसका संभावित रूप से प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने, सबूत गढ़ने और लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को कम करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। जबकि डीपफेक का इस्तेमाल चुनावों जैसे कुछ मामलों में किया गया है, उनका उपयोग विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से देखा जा रहा है। डीपफेक के अलावा, एआई से जुड़े अन्य जोखिम भी हैं। इनमें गोपनीयता, पूर्वाग्रह, पारदर्शिता, जवाबदेही और दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए एआई के संभावित दुरुपयोग से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। भारत सरकार इन मुद्दों को सलाह और विनियमों के माध्यम से नियोजित एवं नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है जो पारदर्शिता, सामग्री मॉडरेशन, सहमति तंत्र और डीपफेक पहचान पर जोर देते हैं ताकि जिम्मेदार एआई तैनाती सुनिश्चित हो और चुनावी अखंडता की रक्षा हो सके। यह एक सतत प्रयास है और जैसे-जैसे आगे बढ़ेंगे, इन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक मजबूत तंत्र के विकास के साथ सक्षम होने की अपेक्षा रहेगी। एआई विकसित होता रहेगा, नये-नये करिश्माई एवं चमत्कारी आयाम उससे जुड़ते रहेंगे और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह ऐसे तरीके से हो जो सभी के लिए सुरक्षित, नैतिक और लाभकारी हो। आवश्यक बुनियादी ढांचे, हार्डवेयर और क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमताओं के विकास में सहायता के लिए निवेश महत्वपूर्ण है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग से आवश्यक पूंजी जुटाई जा सकती है। यह संयुक्त प्रयास एआई नवाचार, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा दे सकेगा और जिससे भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व कर सकेगा।

इसी पहलू को रेखांकित करती है यह पेरिस की तीसरी एआई एक्शन समिट, जिसमें दुनिया भर के 90 देशों और तमाम बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस हमारे भविष्य का अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन किसी भी वजह से इसकी ग्रोथ को बेकाबू होने दिया गया तो उसके परिणाम खतरनाक साबित हो सकते हैं। भारत की भूमिका को खास बनाता है इसका असाधारण टैलंट पूल, इसके वे इंजिनियर और वैज्ञानिक जो नाम मात्र की लागत पर बड़े-बड़े अंतरिक्ष अभियान को अंजाम देते रहे हैं। हालांकि अभी तक इस मामले में भारत की पहल बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती। बेहतर होगा कि केंद्र सरकार एक स्वतंत्र मंत्रालय बनाकर इस तकनीक को लेकर अपनी प्राथमिकता तय करे। इनोवेशन में भारत को हर जोखिम को उठाने के लिये स्वयं को सक्षम करना होगा। एआई का समुचित लाभ उठाने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत है। एआई के जरिये वे अनेक काम किए जा सकते हैं, जो अब तक मनुष्य करते रहे हैं, लेकिन यह ध्यान रहे कि उसमें मानवीय संवेदनाएं नहीं होतीं और वह उपलब्ध डाटा के आधार पर ही किसी नतीजे पर पहुंचती है। अब यदि डाटा ही सटीक न हो तो नतीजे भी नुकसान पैदा करने वाले हो सकते हैं। इस पर हैरानी नहीं कि अति उन्नत एआई को मानव सभ्यता के लिए संकट के रूप में भी देखा जा रहा है। इस आशंका को निर्मूल साबित करने वाले उपाय करना समय की मांग हैं और उन पर ज्यादा फोकस करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

बार एसोसिएशन चुनाव में तीन पदों पर निर्विरोध हुआ चुनाव

पलवल। पलवल जिला बार एसोसिएशन के चुनाव में नामांकन प्रक्रिया के आखिरी दिन कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आए। तीन पदों पर निर्विरोध चुनाव हुआ, जिसमें लख्खी डागर को कोषाध्यक्ष, नीरज शर्मा को संयुक्त सचिव और गीता शर्मा को लेडी मेंबर एग्जीक्यूटिव के रूप में चुना गया। शनिवार को अध्यक्ष पद के लिए मनीष कुमार भारद्वाज, सचिव पद के लिए जगदीश और राकेश तथा संयुक्त सचिव पद के लिए मोहित ने अपना नामांकन दाखिल किया। इससे पहले शुक्रवार को प्रधान पद के लिए जोगेंद्र सिंह और विकास शर्मा, उपाध्यक्ष पद के लिए जितेंद्र सिंह और सुंदरलाल, सचिव पद के लिए आकाश चौहान ने नामांकन भरा था। चुनाव 28 फरवरी को होगा और उम्मीदवार 17 फरवरी तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। उम्मीदवारों ने मतदाताओं को रिझाने के लिए घर-घर जाकर प्रचार शुरू कर दिया है। इस बार के चुनाव में चैंबरों की बिजली और टोल टैक्स में छूट, वकीलों को सीट और चैंबर दिलाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं। पिछले चुनाव में रविंद्र चौहान उर्फ टीटू ने प्रधान पद पर 177 वोटों के अंतर से पूर्व प्रधान दीपक चौहान को हराया था। विक्रम वशिष्ठ उप-प्रधान और भूपेंद्र डबास सचिव चुने गए थे।देवेंद्र पोसवाल को कोषाध्यक्ष और जितेंद्र राणा को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में निर्विरोध चुना गया था।

पलवल में फाइनेंस कंपनी कर्मचारी से दो लाख की लूट

पलवल। पलवल में उज्जवला फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी से दिनदहाड़े लूट की वारदात सामने आई है। पीड़ित कर्मचारी अंकित महिला स्व-सहायता समूहों से किस्त वसूली कर कंपनी कार्यालय लौट रहा था। तभी बाइक सवार बदमाशों मे उस पर हमला करके लूट की घटना को अंजाम दिया। मिली जानकारी अनुसार घटना शुक्रवार की है। अंकित हरी नगर स्थित एक महिला समूह से 1.91 लाख रुपए की किस्त वसूल कर अपनी बाइक से कंपनी कार्यालय की तरफ जा रहा था। पलवल-हसनपुर मार्ग पर गोलाया पब्लिक स्कूल के सामने एक बाइक पर सवार होकर तीन युवक आए और उसकी बाइक रोक ली। बदमाशों ने अंकित के साथ मारपीट की और उसे जमीन पर गिरा दिया। इसी दौरान वे नकदी से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। घायल अंकित ने तुरंत कंपनी प्रबंधन को घटना की सूचना दी। उसे इलाज के लिए जिला नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। कैंप थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की टीम आरोपियों की तलाश में जुटी हैं और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार करने का दावा किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि उज्जवला फाइनेंस कंपनी महिला स्व-सहायता समूहों को स्वरोजगार के लिए ऋण प्रदान करती है और उनसे नियमित किस्तों में वसूली करती है। इस तरह की घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

पलवल में डिवाइडर से टकराई कार में आग,जिंदा जला इंजीनियर

पलवल। जिले के केएमपी एक्सप्रेसवे पर मिंडकोला पुलिस चौकी क्षेत्र में शनिवार एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक केमिकल इंजीनियर की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मामले की सूचना पर पुलिस ने मौके का मुआयना करके कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार जेके मैक्स पेंट कंपनी के चार इंजीनियर बुलंदशहर से एक साथी की शादी में शामिल होकर भिवाड़ी लौट रहे थे। शनिवार सुबह करीब 3 बजे उनकी कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई और उसमें आग लग गई। कार में सवार 24 वर्षीय पार्थ, जो बदायूं (यूपी) का रहने वाला था, परिचालक सीट पर बैठा था। सीट बेल्ट लगी होने के कारण वह कार से बाहर नहीं निकल पाया और जलकर उसकी मौत हो गई। अन्य तीन यात्री मुरादाबाद निवासी प्रिंस, मनीष और जितेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी जिला बरेली, यूपी के रहने वाले जुनैद खान ने दी, जो इन्हीं के साथ कंपनी में काम करते हैं। सभी कर्मचारी शुक्रवार रात को अपने साथी इंजीनियर ललित कुमार की शादी में शामिल होने के लिए बुलंदशहर गए थे। वापसी के लिए उन्होंने एक निजी कार बुक की थी। हादसे की सूचना राहगीरों ने तुरंत पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पुलिस व एंबुलेंस पहुंची। इसके बाद घायलों को तुरंत आनन-फानन में जिला नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। जिला नागरिक अस्पताल से प्रिंस, मनीष व जितेंद्र की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हॉयर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। पार्थ के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला नागरिक अस्पताल में रखवाया गया। हथीन थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामले में पुलिस की टीम घायलों के बयान दर्ज करने के लिए हॉयर सेंटर गई हुई है। बयान आने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। फिल्हाल घायलों का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है, जबकि शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला नागरिक अस्पताल की मोरचरी में रखवा दिया है।

फरीदाबाद पुलिस ने गांजे समेत एक आरोपी पकड़ा

फरीदाबाद। अपराध शाखा डीएलएफ पुलिस टीम ने गांजा तस्करी के आरोप में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से आठ किलो 296 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को मामले में जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम को गश्त के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि जिला छपरा बिहार का रहने वाला शैलेंद्र कुमार प्रसाद, अवैध नशा तस्करी का काम करता है और बाईपास रोड पर अवैध नशा बेचने की फिराक में है। जिस सूचना पर अपराध शाखा की टीम ने पावर हाउस नजदीक शराब ठेका बाईपास रोड के पास शैलेंद्र कुमार प्रसाद को आठ किलो 296 ग्राम गांजा सहित काबू किया, जिस पर थाना सराय ख्वाजा में एनडीपीएस की धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। शैलेन्द्र कुमार प्रसाद गांव नवादा जिला छपरा बिहार का रहने वाला है जिससे पूछताछ में पता चला कि नालंदा बिहार से अवैध नशा लाकर पल्ला व नवीन नगर क्षेत्र में फुटकर में नशा बेचता हैं और नशा बेचने उपरांत वापिस बिहार चला जाता है, आरोपी को पूछताछ के लिए 6 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

फरीदाबाद की चार दुकानों में आग, लाखों का नुकसान

फरीदाबा। ग्रेटर फरीदाबाद के वर्ल्ड स्ट्रीट में शुक्रवार रात एक बड़ी घटना सामने आई। यहां अज्ञात व्यक्ति ने चार दुकानों में आग लगा दी, जिससे दुकानदारों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ। पीड़ितों में एक महिला दुकानदार रिचा भी शामिल हैं, जिन्होंने महज 10 दिन पहले ही क्लाउड किचन शुरू किया था। मामले की सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। दुकानदार रिचा ने बताया कि उनके पति के पैरालाइसिस के कारण परिवार की जिम्मेदारी उन पर है। वह सुबह पांच बजे से दुकान खोलकर शुद्ध देसी घी में खाना बनाकर बेचती थीं। इसी से वह घर का खर्च, होम लोन और बच्चे की स्कूल फीस चुकाती थी। घटना रात करीब डेढ बजे की है। एक स्थानीय युवक ने ड्यूटी से लौटते समय आग देखी और दुकानदारों को सूचित किया। जब तक दुकानदार मौके पर पहुंचे, सारा सामान जल चुका था। पीड़ित दुकानदारों ने आरोप लगाया है कि पास में एक फास्ट फूड की दुकान चलाने वाले युवक ने उन्हें पहले धमकी दी थी और पुलिस भेजकर दुकान हटाने का दबाव बनाया था। पीड़ितों ने पुलिस से आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर दोषी को गिरफ्तार करने और नुकसान की भरपाई कराने की मांग की है।

फरीदाबाद पुलिस ने तलाशा विदेशी हस्तशिल्पकार का पर्स

फरीदाबाद। सूरजकुंड मेले में तैनात पुलिस कर्मियों ने एक सराहनीय कार्य किया है। उज्बेकिस्तान निवासी एक हस्तशिल्पकार का खोया पर्स पुलिस की टीम उन्हें ढूढक़र वापस किया। पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को मामले में जानकारी देते हुए बताया कि मेला के खोया-पाया केंद्र पर तैनात एएसआई जितेन्द्र आसपास गश्त कर रहे थे।

फरीदाबाद नगर निगम चुनाव: भाजपा ने 41 प्रत्याशियों के नाम का किया ऐलान, प्रवीन जोशी बनीं मेयर उम्मीदवार

फरीदाबाद। श्रीजी एक्सप्रेस

फरीदाबाद नगर निगम के लिए भाजपा ने शनिवार को अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए। पार्टी ने प्रवीन जोशी को मेयर पद का अपना उम्मीदवार घोषित किया है। इसके अलावा 40 उम्मीदवारों के नाम का भी ऐलान किया है। वहीं, गुरुग्राम से भाजपा ने महिला मोर्चा को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजरानी मल्होत्रा को उम्मीदवार बनाया है। हरियाणा में नगर निगम चुनाव दो मार्च जबकि वोटों की गिनती 12 मार्च को होगी।

राजनीतिक परिवार से रखती हैं ताल्लुक

प्रवीन जोशी का राजनीतिक परिवार से ताल्लुक है। उनके पति संदीप जोशी हरियाणा सरकार में चेयरमैन पद पर रह चुके हैं और हरियाणा भाजपा के महामंत्री भी रह चुके हैं। संदीप जोशी के पिता स्वर्गीय रमेश जोशी नब्बे के दशक में हरियाणा भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं। गौरतलब है कि नगर निगम में पहली बार मेयर का चुनाव प्रत्यक्ष रूप से हो रहा है और यह पद महिला के लिए आरक्षित है। भाजपा की तरफ से करीब 20 दावेदारों ने आवेदन किया था।

किसे कहां से मिला टिकट

1. मेयर प्रत्याशी- श्रीमती प्रवीण जोशी
2. वार्ड नंबर 1- मुकेश डागर जाट
3. वार्ड नंबर 2- राजेश डागर जाट
4. वार्ड नंबर 3- रवि कश्यप
5. वार्ड नंबर 4- संगीता भारद्वाज पंडित
6. वार्ड नंबर 5- शीतल देवी पत्नी जयवीर खटाना गुज्जर
7. वार्ड नंबर 6- गायत्री देवी
8. वार्ड नंबर 7- सवीता भडाना
9. वार्ड नंबर 8- राकेश लोहीया
10. वार्ड नंबर 9- संगीता भाटीया
11. वार्ड नंबर 10- भगवान सिंह
12. वार्ड नंबर 11- बबीता भड़ाना
13. वार्ड नंबर 12- समुन बाला
14. वार्ड नंबर 13- हरी कृष्ण गिरोटी
15. वार्ड नंबर 14- नरेश नंबरदार
16. वार्ड नंबर 15- जसवंत सिंह
17. वार्ड नंबर 16- मनोज नासवा
18. वार्ड नंबर 17- कर्मबीर बैंसला गुज्जर
19. वार्ड नंबर 18- शोभा पत्नी सतीश चंदीला
20. वार्ड नंबर 19- जगत सिंह फागना
21. वार्ड नंबर 20- दीपक बैंसला गुज्जर
22. वार्ड नंबर 21- वीरेंद्र भडाना गुज्जर
23. वार्ड नंबर 22- हरेंद्र भडाना गुज्जर
24. वार्ड नंबर 23- गजेंद्र भडाना गुज्जर
25. वार्ड नंबर 24- अजय प्रताप भड़ाना
26. वार्ड नंबर 25- सीमा सुमंत
27. वार्ड नंबर 26- लाल कुमार मिश्रा
28. वार्ड नंबर 27- सरोज शीशराम
29. वार्ड नंबर 28- अमित भारद्वाज 30. वार्ड नंबर 29- विजय बैंसला
31. वार्ड नंबर 30- अनिल नागर
32. वार्ड नंबर 31- सैफाली सिंगला
33. वार्ड नंबर 32- विनोद भाटी
34. वार्ड नंबर 33- ज्योति सिलानी
35. वार्ड नंबर 34- संजीव कुमार
36. वार्ड नंबर 35- सचिन शर्मा
37. वार्ड नंबर 36- कुलदीप सिंह साहनी
38. वार्ड नंबर 37- मुकेश कुमार अग्रवाल
39. वार्ड नंबर 38- अनिता कुमारी
40. वार्ड नंबर 39- रूमा
41. वार्ड नंबर 40- नवीन चेची एडवोकेट गुज्जर

देशी विदेशी कलाकारों के लिए सजा है सूरजकुंड में सांस्कृतिक मंच

-मेले में छोटी-बड़ी चौपाल पर नजर आ रही है दुनिया की सांस्कृतिक झलक

फरीदाबाद। श्रीजी एक्सप्रेस

38 वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला में बनी छोटी-बड़ी चौपाल पर देश-विदेश के विख्यात कलाकार विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यटकों का मनोरंजन कर रहे हैं। मेले में दुनिया की सांस्कृतिक झलक एक मंच पर नजर आने से अनेकता में एकता का संदेश देखने को मिल रहा है। शनिवार को बिम्सटेक संगठन के देश बांग्लादेश, नेपाल और अफ्रीकी देशों के कलाकारों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा में अपने देशों की समृद्ध संस्कृतिऔर विरासत को नृत्य, गायन तथा वादन के माध्यम से प्रदर्शित किया।

इन प्रस्तुतियों को देखने के लिए दर्शकों का उत्साह देखते बन रहा है।

पर्यटन निगम के साथ ही कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा की ओर से मुख्य चौपाल पर आयोजित कार्यक्रम में बांग्लादेश के लोक कलाकारों ने अपने देश के पारंपरिक नयाना नृत्य और सांप खेला नृत्य की प्रस्तुति दी। कलाकारों ने सांप खेला नृत्य के माध्यम से इंसान और जानवरों के बीच के संबंध को दर्शाया। वहीं फसल के पक कर तैयार होने पर खुशी का इजहार करने पर किया जाने वाला नृत्य नयाना की बेहतरीन प्रस्तुति रही। इसके अलावा मेडागास्कर देश के कलाकारों ने प्रसिद्ध गीत अंडओ-अंडओ और उनके देश के लोगों, खानपान और संस्कृति पर आधारित पारंपरिक लोकगीत पर सामूहिक नृत्य और वादन के साथ प्रस्तुति दी। वहीं अफ्रीकी देश केप वर्डे के कलाकारों ने यूरोपीय और अफ्रीकी संस्कृतियों पर आधारित लोकगीत व नृत्य की प्रस्तुतियों से पर्यटकों का मनोरंजन किया। नेपाल, जिम्बावे, नाइजिरिया, इवास्तिनी, साउथ सूडान, मालावी, टोगो, युगांडा सहित अन्य देशों ने भी अपनी संस्कृति पर आधारित शानदार प्रस्तुतियां दी।

वहीं इस बार मेले के थीम स्टेट ओडिशा के लोक कलाकारों ने उनके प्रसिद्ध एवं पारंपरिक नृत्य संबलपुरी की प्रस्तुति से दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। थीम स्टेट मध्य प्रदेश के लोक कलाकारों की प्रस्तुति भी काफी शानदार रही। हरियाणा के सांगी कलाकार प्रदीप राय और उनकी टीम द्वारा हीरामल जमाल सांग का मंचन कर दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी।

कलाकार प्रदीप राय ने हरियाणवी गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। वहीं काजल एंड ग्रुप ने हरियाणवी गीतों पर सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति से मंच पर धमाल मचाया। इनके अलावा स्कूली विद्यार्थियों द्वारा भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का दौर जारी रहा।

कैंसर से बचाव के लिए हरियाणा में व्यापक स्तर पर प्रयास जारी - नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विश्व बाल कैंसर दिवस पर कैंसर सर्वाइवर बच्चों को दिया आशीर्वाद और की उज्जवल भविष्य की कामना

मुख्यमंत्री से नई दिल्ली में कैंसर सर्वाइवर बच्चों, अभिभावकों व चिकित्सकों ने की मुलाकात

नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कैंसर एक गंभीर बीमारी है, अगर समय पर इसके लक्षणों की पहचान कर ली जाए तो इसका ईलाज संभव है। उन्होंने यह बात अंतरराष्ट्रीय बाल कैंसर दिवस के अवसर पर शनिवार को नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मिलने पहुंचे कैंसर सर्वाइवर बच्चों, उनके अभिभावकों व चिकित्सकों से बातचीत करते हुए कही। नायब सिंह सैनी ने कैंसर सर्वाइवर बच्चों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे बच्चों ने अपने हाथ की छाप से तैयार कलाकृति भी भेंट की, जिस पर हस्ताक्षर कर मुख्यमंत्री ने बाल कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बीते कुछ वर्षों से कैंसर की बीमारी तेजी से बढ़ रही है।

हर आयु वर्ग के लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। कैंसर से बचाव में जागरूकता का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इस बीमारी के लक्षणों की समय पर पहचान कर ली जाए और जांच के बाद इसका उपचार संभव है। मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ आए फोर्टिस अस्पताल, गुरुग्राम के चिकित्सकों से भी बातचीत की और बच्चों को इस गंभीर बीमारी से निजात दिलाने में उनके योगदान को प्रशंसनीय बताया। उल्लेखनीय है कि हरियाणा सरकार कैंसर के प्रति जागरूकता और पीड़ितों को सहायता देने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य कर रही है। हरियाणा राज्य परिवहन की बसों में निशुल्क बस यात्रा और सामाजिक सुरक्षा के लिए मासिक पेंशन भी कैंसर पीड़ितों को दी जा रही है। साथ ही, जागरूकता के लिए राज्य भर में जागरूकता रैलियां, सेमिनारों व स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

सांस्कृतिक संध्या में ए.आर. रहमान व सूफी गायकी का दर्शकों ने लिया आनंद

फरीदाबाद। 38 वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले में कला एवं संस्कृति विभाग, हरियाणा व पर्यटन निगम हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में सांस्कृतिक संध्या सूफी गायकी के नाम रही। ए.आर. रहमान, के के.एम. सूफी एंसेंबल ग्रुप ने बेहतरीन सूफी गायकी से दर्शकों का देर रात तक मन मोहे रखा। के.एम. सूफी एंसेंबल ग्रुप ने शुक्रवार संध्या को महा चौपाल पर ख्वाजा मेरे ख्वाजा..., ऐ मेरे दाता ऐ मेरे मौला..., अली मौला... अली मौला... अली-अली, पिया हाजी अली... सहित अनेक सूफी गायकी से पर्यटकों का देर रात तक निरंतर मनोरंजन किया। इन सूफी कलाकारों ने हरियाणा सरकार द्वारा उन्हें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले का निमंत्रण देने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विरासत एवं पर्यटन मंत्री डा. अरविंद कुमार शर्मा का धन्यवाद किया। इस अवसर पर हरियाणा पर्यटन निगम के एम.डी. डॉ. सुनील कुमार, जी.एम. आशुतोष राजन सहित अन्य अधिकारी व काफी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

सूरजकुंड मेले में शिल्प महाकुंभ के प्रति पर्यटकों का दिख रहा अपार उत्साह

देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए अरावली की वादियों में सजा है शिल्प मेला

फरीदाबाद। अरावली पर्वत श्रृंखला की खूबसूरत वादियों में चल रहा 38वां अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला-2025 दिन प्रतिदिन अपने शबाब की ओर बढ़ रहा है। सूरजकुंड में लगे इस शिल्प महाकुंभ में निरंतर पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है तथा पूरे उत्साह व उमंग के साथ पर्यटक मेलेक का आनंद ले रहे हैं। शाम के समय पर्यटकों की भीड़ मेला परिसर के हर कोने में देखी जा सकती हैं। मेला में स्थित छोटी व बड़ी और महा चौपाल में पर्यटक देशी व विदेशी कलाकारों की भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद उठाते नजर आ रहे हैं। हल्की सर्दी के मौसम के बावजूद पर्यटकों में शिल्प मेला के प्रति काफी रूझान देखने को मिल रहा है, विशेषकर सांय के समय मेला क्षेत्र के प्रवेश द्वार पर पर्यटकों का काफी आवागमन देखने को मिल रहा है। मेला में लगी स्टॉल्स पर युवाओं की शिल्प कला में रुचि देखते ही बन रही है। आगंतुक शिल्पकारों से न केवल सामान की खरीददारी कर रहे हैं बल्कि शिल्पकारों से कौशल के क्षेत्र में उनके हुनर की कहानी से भी रूबरू हो रहे हैं।

ओडिशा में ही नहीं, पूरे देश में लोकप्रिय हो रही घीया कला

फरीदाबाद। अंतरराष्ट्रीय पटल पर अपनी विशिष्ट पहचान कायम कर रहा सूरजकुंड शिल्प मेले में इस बार देश-विदेश से आए कलाकार अपने अनूठे शिल्प और हस्तकला के प्रदर्शन से सैलानियों का दिल जीत रहे हैं। इस मेले में ओडिशा के रायगढ़ निवासी शिल्पकार हिमांशु शेखर पांड्या अपनी विशिष्ट कला के चलते चर्चा में हैं। उन्होंने सूखी घीया (लौकी) से अनूठे डिजाइनर हैंडीक्राफ्ट आइटम तैयार कर एक नई कला को जन्म दिया है। हिमांशु ने कहा कि अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर उन्हें अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले में मिला है जिसके लिए वे हरियाणा सरकार का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि इस बार का थीम स्टेट उनका राज्य ओडिशा है, ऐसे में वे और अधिक खुशी की अभिव्यक्ति कर रहे हैं। करीब 20 साल पहले हिमांशु शेखर को इस कला की प्रेरणा तब मिली जब उन्होंने ओडिशा के कुछ आदिवासी समुदायों को सूखी लौकी का उपयोग पानी संरक्षित करते देखा। उन्होंने इस पर शोध किया और धीरे-धीरे इसे हस्तकला के रूप में विकसित कर दिया। आज उनकी बनाई गई 'घीया कला' ओडिशा में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में लोकप्रिय हो रही है। शिल्पकार हिमांशु की इस अनूठी पहल के कारण ओडिशा के रायगढ़ जिले के 15 गांवों में किसानों ने लौकी की खेती को अपने मुख्य व्यवसाय के रूप में अपना लिया है। यह किसान लौकी को सुखाकर कलाकारों को बेचते हैं जिससे हजारों लोगों को रोजगार भी मिला है। वर्तमान में लगभग दो हजार परिवार इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं और अच्छी आमदनी कमा रहे हैं। वे बताते हैं कि एक साधारण सी दिखने वाली लौकी, जिसे किसान मात्र 50 रुपए में बेचते हैं, वह उनके कारीगरों के हाथों से गुजरकर 500 रुपए से लेकर 80 हजार रुपए तक की कीमत में बिकती है। यह कला न केवल सुंदरता और नवीनता की मिसाल है, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल भी है।

इन हस्तनिर्मित वस्तुओं की खासियत यह है कि ये हल्की (लाइटवेट) होती हैं और पूरी तरह वॉटरप्रूफ होती हैं। इनमें विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार किए जाते हैं, जैसे कि पारंपरिक लैंप, सजावटी सामान, लटकन, वॉल हैंगिंग, आभूषण बॉक्स और अन्य हस्तकला उत्पाद इत्यादि। यह सभी उत्पाद प्राकृतिक रूप से टिकाऊ होते हैं और लंबे समय तक उपयोग किए जा सकते हैं। सूरजकुंड मेले में आए पर्यटक हिमांशु शेखर पांड्या के स्टॉल पर इस अनूठी कला को देखकर बेहद प्रभावित हो रहे हैं। देश-विदेश से आए खरीददार इस हस्तकला को अपनाने में रुचि दिखा रहे हैं।

सूरजकुंड मेले में पर्यटकों को लुभा रहे महिला समूह के मोटे अनाज से बने उत्पाद

फरीदाबाद। अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला में ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से सरस आजीविका मिशन के तहत लखपति दीदी के स्टॉल पर्यटकों को खूब लुभा रही हैं। इन स्टॉल्स पर विभिन्न राज्यों से आई महिला समूह के सदस्य अपने द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की बिक्री कर रहे हैं। मेला परिसर में स्टॉल नंबर 321 से 373 तक लखपति दीदी की स्टॉल लगाई गई हैं। इन्हीं स्टॉल्स में से पंचकूला से आई सुमन की स्टॉल पर मोटे अनाज से बनाए गए बिस्कुट और लड्डू सहित अन्य खाद्य सामग्री भी पर्यटकों को खूब पसंद आ रही है। सुमन ने लोन लेकर अपना कारोबार शुरू किया और खुद मालामाल होते हुए दूसरों को रोजगार दे रही हैं। मेला परिसर में ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से संचालित लखपति दीदी की स्टॉल परिसर में देशभर के कोने-कोने से आई महिला समूह सदस्यों द्वारा तैयार किए गए

विभिन्न प्रकार के उत्पाद पर्यटकों खासे आकर्षित कर रहे हैं। यहां बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, सिक्किम, ओडिसा और मध्य प्रदेश से आई महिला समूह सदस्यों द्वारा स्टॉल लगाई गई हैं।

इनमें साड़ी, सूट, चद्दरें, बर्तन सहित खाद्य सामग्री बिस्कुट, लड्डू और आचार आदि लोगों को काफी पसंद आ रहे हैं। पंचकूला से आई सुमन ने बताया कि सूरजकुंड मेला में स्टॉल लगाकर वह बहुत खुश हैं। इससे पहले भी फरीदाबद सरस मेले में अपनी स्टॉल लगा चुकी है। उनकी स्टॉल पर अनेक प्रकार की सेहतमंद खाद्य सामग्री उपलब्ध है। इनमें बाजरा, ज्वार, चना सहित अन्य मोटे अनाजों से उत्पाद तैयार किए गए हैं। बाजरे के आटे के लड्डू और बिस्कुट लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। इनके अलावा अन्य उत्पादों की भी बिक्री हो रही है। सुमन ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत 10 महिलाओं का समूह बनाकर बैंक से 5 लाख रुपए का लोन लेकर अपना कारोबार शुरू किया था।

उन्होंने बताया कि उनके समूह द्वारा मोटे अनाजों से खाद्य सामग्री तैयार कर बेचा जाता है। उनके द्वारा कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाली गीता जयंती में तीन बार, सूरजकुंड मेला में दूसरी बार व नोएडा, पंचकुला सहित अन्य जगहों पर स्टॉल लगा चुकी हैं। उनके समूह द्वारा उत्पाद लोगों को खूब पसंद आते हैं। मार्किट में उनके उत्पाद की काफी मांग रहती है।

फरीदाबाद में प्रवीण जोशी बनी भाजपा की मेयर उम्मीदवार

फरीदाबाद। हरियाणा में भाजपा ने निकाय चुनाव को लेकर नगर निगम मेयर, वार्ड पार्षद के लिए अपने सिंबल पर चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के नाम की सूची जारी कर दी है। फरीदाबाद से प्रवीण जोशी को भाजपा ने मेयर पद के उम्मीदवार के लिए चुना गया है। वे वर्तमान में हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन हैं। उल्लेखनीय है कि प्रवीण जोशी का यह पहला चुनाव है, इससे पहले उन्होंने कोई चुनाव नहीं लड़ा है। हांलाकि वह एक राजनीतिक परिवार से आती है। प्रवीण जोशी की शैक्षणिक योग्यता बीएड है। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन हैं। भाजपा के द्वारा मेयर पद की उम्मीदवार बनाई गई प्रवीण जोशी के ससुर रमेश जोशी (1993-1998) हरियाणा भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं। प्रवीण जोशी के पति संदीप जोशी की राजनीति में अच्छी पकड़ है। संदीप जोशी हरियाणा में भाजपा के पूर्व में प्रदेश महामंत्री रहे हैं। फरवरी 2019 में संदीप जोशी को हरियाणा हाउसिंग बोर्ड का चेयरमैन बनाया गया है। फरवरी 2019 में तात्कालीन चेयरमैन जवाहर यादव द्वारा इस्तीफा दे दिए जाने के बाद से यह पद खाली पड़ा था। जवाहर यादव को चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने उन्हें प्रचार एवं संपर्क प्रमुख बनाया था। मूलरुप से चरखी दादरी के रहने वाले संदीप जोशी फिलहाल फरीदाबाद के सूरजकुंड में रह रहे हैं। संदीप जोशी केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के खेमे से आते हैं। कृष्णपाल गुर्जर से लेकर पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल तक उनके बेहद मजबूत संबंध हैं। राजनीतिक पकड़ मजबूत होने के कारण उनकी पत्नी को मेयर का टिकट दिया गया है। मेयर की टिकट मिलने के बाद प्रवीण जोशी की जीत की राह आसान नहीं होने वाली है। हांलाकि अभी तक के चुनावों में भाजपा का वोट शेयर अच्छा रहा है। लेकिन पिछले 2 सालों से चुनाव ना होने के चलते ,जनता बहुत से परेशानियों को झेलना पड़ा है। पिछली बार भी भाजपा की महिला मेयर सुमन बाला थीं। लोग उनके कामों से संतुष्ट नहीं थे। इस बार के चुनाव में प्रवीण जोशी के लिए काफी बड़ी चुनौती होगा। लेकिन फरीदाबाद में केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर की वोटर पर पकड़ का उनको फायदा मिलेगा।

कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के साथ कर रही सत्ता संघर्ष जो इंडिया ब्लॉक में हैं सहयोगी

नई दिल्ली। कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के साथ अपने संबंधों को कैसे सुधारे, जिन्होंने राज्यों में उसे सत्ता से बेदखल कर दिया है, लेकिन इंडिया ब्लॉक के बैनर तले सहयोगी बने हुए हैं। कांग्रेस कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों के साथ सत्ता संघर्ष में लगी है। इसकी वजह है कि वे एक-दूसरे पर बढ़त हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में खत्म हुए दिल्ली चुनाव कांग्रेस की आक्रामक रणनीति का एक ज्वलंत उदाहरण था। देश की सबसे पुरानी पार्टी लगातार तीसरी बार दिल्ली विधानसभा में कोई सीट नहीं जीत पाई, लेकिन अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को सत्ता से बेदखल करने में अहम भूमिका निभाने में कामयाब रही। दोनों दलों के बीच वोटों के बंटवारे ने बीजेपी को जीत दिलाई। पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष शुभंकर सरकार की टिप्पणी पार्टी के भीतर की सोच को दर्शाती है। बंगाल कांग्रेस प्रमुख ने पश्चिम बंगाल की सीएम और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि दिल्ली चुनाव के नतीजों के बाद, कई क्षेत्रीय दलों को एहसास हुआ है कि उस चुनाव में कांग्रेस को नजरअंदाज करना एक गलती थी। आप जैसी पार्टियों और उनके जैसे सोचने वालों के साथ समस्या यह है कि वे बीजेपी की बी-टीम से ज्यादा कुछ नहीं हैं। ममता बनर्जी ने राज्य में 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन से इनकार कर दिया है।

बांग्लादेश से पाकुड़ आया आतंकी, युवाओं को दी ट्रेनिंग, एटीएस कर रही जांच

रांची। झारखंड में कुछ लोगों को आतंकी ट्रेनिंग दिए जाने की खबर सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट से पता चला है कि बांग्लादेश से आकर एक आतंकी झारखंड के पाकुड़ जिले के कुछ युवकों को आतंक के रास्ते पर ले जाने की कोशिश कर रहा है। ऐसा कहा जा रहा है कि यह खुलासा एक खुफिया पत्र के जरिए हुआ है। पत्र में लिखा है कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद वहां के प्रतिबंधित संगठन भारत विरोधी आतंकी साजिश रच रहे हैं। साजिश के तहत कुछ आतंकी बांग्लादेश से झारखंड आ गए और पाकुड में कुछ लोगों को ट्रेनिंग देकर वापस लौट गए। मामले को लेकर झारखंड एटीएस ने अलर्ट जारी किया है। जानकारी के मुताबिक झारखंड एटीएस को सूचना मिली है कि बांग्लादेश की सीमा पार कर जेएमबी आतंकी अब्दुल मम्मुन मुर्शिदाबाद के धुलियान के रास्ते झारखंड के पाकुड़ जिला आया था। उसने जेएएचए नाम के संगठन के सदस्यों के साथ बैठक की। इसके बाद उसने कई कैडरों को आतंकी ट्रेनिंग दी और फिर वापस लौट गया। पूरे मामले की अब एटीएस जांच कर रही है। वहीं सारे जिलों के एसपी और डीआईजी को गोपनीय सूचनाएं जुटा कर कार्रवाई के लिए पत्र भी लिखा है। पत्र में यह भी बताया गया है कि बंगाल और झारखंड के पाकुड़ के संदिग्ध शामिल हुए थे। एटीएस को जानकारी मिली है कि अब्दुल मम्मुन बांग्लादेश के सतखीरा के गोपीनाथपुर इलाके का रहने वाला है। अवैध तरीके से सीमा पार करने के बाद वह 6 जनवरी को पाकुड़ आया था। वहीं जानकारी में यह भी बताया गया है कि जेएएचए- इंडिया और जमात उल मुजाहिदीन के सदस्यों के बीच एक बैठक भी पाकुड़ के इस्लामी दावा सेंटर दुबराजपुर में हुई थी। एक दिन की ट्रेनिंग के बाद अब्दुल वापस धुलियान के रास्ते बांग्लादेश लौट गया। एटीएस को जानकारी मिली है कि बैठक में मुर्शिदाबाद के जलांगी के कई लोग शामिल हुए थे। बता दें कि बांगलादेशी प्रतिबंधित संगठन जेएमबी की सक्रियता संथाल परगना के साहिबगंज और पाकुड़ में पूर्व में भी रही है। इस संगठन के संदिग्धों और ओवर ग्राउंड वर्कर्स की जानकारी पूर्व में भी एटीएस ने जुटायी थी।

अवैध प्रवासी भारतीयों को हथकड़ी एवं बेड़ियों में जकड़कर वापस भेजना अमेरिका का महापाप : उमा भारती

भोपाल। अमेरिका से भारत वापस भेजे गए अप्रवासी भारतीयों को जिस तरह से लाया गया, उसपर विपक्षी दल लगातार सवाल उठा ही रहे थे लेकिन अब पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने भी इसपर नाराजगी जाहिर की है। उमा ने कहा कि अमेरिका से अवैध प्रवासी भारतीयों को जिस तरह से हथकड़ी एवं बेड़ियों में जकड़कर वापस भेजा गया, वह बेहद शर्मनाक एवं मानवता के लिए कलंक है। उन्होंने कहा कि जब उन्हें हवाई जहाज से ही भेजा जा रहा था, तब हथकड़ी और बेड़ियां क्यों लगाई गई। यह हरकत अमेरिकी शासन की क्रूरता एवं अमानवीयता को दिखाती है। अवैध तरीके से किसी देश में घुसना अपराध है, उसकी सजा के प्रत्येक देश में अपने कानून के अनुसार प्रावधान हैं। लेकिन ऐसी क्रूरता महापाप है। अमेरिका से डिपोर्ट किए गए भारतीयों का दूसरा जत्था शनिवार को भारत पहुंचने वाला है। अमृतसर में विमान की लैंडिंग रात करीब 10 बजे के बीच होगी। इस प्लेन से 119 भारतीयों को अमेरिका ने वापस भेजा है। सूत्रों के मुताबिक, तीसरा विमान भी अमेरिका से 16 फरवरी को आ सकता है, जिसमें 157 लोग आ रहे है।

महाराष्ट्र जीबीएस के मामले 207 के करीब, 20 मरीज वेंटिलेटर सपोर्ट पर

पुणे। महाराष्ट्र के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि राज्य में गिलियन बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के संदिग्ध और सक्रमित मामलों की संख्या बढ़ती जा रही हैं। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि दो मामलों का पता चलने के बाद संख्या बढ़कर 207 हो गई है। राज्य में शुक्रवार को दो नए मामलों के साथ पुष्ट मामलों की संख्या 180 हो गई है, इसमें से 20 वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। इस बीच, हालांकि राज्य स्वास्थ्य विभाग के अनुसार आधिकारिक तौर पर मौतों की संख्या आठ पर अपरिवर्तित रही, लेकिन कोल्हापुर में बीमारी से एक संदिग्ध मौत की सूचना मिली है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि चांगिड तहसील की 60 वर्षीय महिला की 13 फरवरी को मौत हुई।

भारतीय प्रवासियों के हाथों में फिर होंगी हथकड़ियां? चिदंबरम ने सरकार से पूछा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका से भारतीय निर्वासित लोगों को लेकर दूसरे अमेरिकी विमान का आगमन भारतीय कूटनीति के लिए एक परीक्षण होगा। चिदंबरम ने एक्स पर कहा कि सभी की निगाहें अमेरिकी विमान पर होंगी जो आज अवैध अप्रवासियों को वापस लेकर अमृतसर में उतरेगा। क्या निर्वासित लोगों को हथकड़ी लगाई जाएगी और उनके पैर रस्सियों से बांध दिए जाएंगे? उन्होंने आगे कहा कि यह भारतीय कूटनीति के लिए एक परीक्षा है। संयुक्त राज्य अमेरिका से 119 भारतीय निर्वासित लोगों को लेकर एक विमान शनिवार को अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरेगा। फ्लाइट के रात 10 बजे से 11 बजे के बीच एयरपोर्ट पर उतरने की उम्मीद है।

119 निर्वासित लोगों में से 67 पंजाब से, 33 हरियाणा से, आठ गुजरात से, तीन उत्तर प्रदेश से, दो-दो गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से और एक-एक हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से हैं। भारत पहुंचने वाले निर्वासित लोगों में वे लोग शामिल हैं जो मेक्सिको और अन्य मार्गों से संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश कर चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, उन्होंने अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने के तुरंत बाद कथित तौर पर अपने पासपोर्ट भी फाड़ दिए। डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन द्वारा अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने वाले लोगों पर अभूतपूर्व कार्रवाई के बीच अमृतसर के लिए उड़ानें वापसी करने वाले लोगों की दूसरी खेप हैं।

इससे पहले, भारतीय निर्वासित लोगों को लेकर अमेरिकी वायु सेना का एक विमान 5 फरवरी को अमृतसर पहुंचा था। अमृतसर में उतरने वाले विमान में कुल 104 भारतीय नागरिक सवार थे। कई निर्वासित लोगों ने दावा किया कि पूरी यात्रा के दौरान उनके हाथ और पैर बंधे हुए थे और अमृतसर में उतरने के बाद ही उन्हें बंधन से मुक्त किया गया। इससे देश भर में आक्रोश फैल गया, विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी वाशिंगटन यात्रा के दौरान अमेरिका के साथ इस मुद्दे को उठाने की मांग की।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा का पहला बजट सत्र 3 मार्च से, 7 मार्च को पेश होगा बजट

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का पहला बजट सत्र 3 मार्च को जम्मू में आयोजित होगा। सरकार में वित्त मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 7 मार्च को बजट पेश करने वाले है। यह जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में निर्वाचित सरकार का पहला बजट सत्र होगा। स्पीकर अब्दुल रहीम राथर के अनुसार, 28 दिवसीय सत्र 3 मार्च को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के अभिभाषण के साथ शुरू होगा, जिसके बाद 6 मार्च तक विधायकों द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव रखा जाएगा। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला 7 मार्च को बजट (व्यय का वार्षिक वित्तीय विवरण) पेश करने और 8 मार्च को बजट पर सामान्य चर्चा होगी। 12 से 24 मार्च तक विधायकों द्वारा अनुदान की मांगें पेश की जाएगी। 7 से 9 अप्रैल तक निजी सदस्यों के विधेयक और संकल्प पेश किए जाएंगे, जबकि अंतिम दिन 11 अप्रैल को सरकारी कामकाज होगा। बता दें कि, विधानसभा का पहला चार दिवसीय परिचय सत्र नवंबर में श्रीनगर में आयोजित किया गया था और सत्तारूढ़ पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए पारित प्रस्ताव पर विवादों से घिरा रहा। मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया था, जबकि छोटे विपक्षी दल पीडीपी और सज्जाद लोन ने आलोचना के साथ प्रस्ताव का समर्थन किया था।

राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में संलिप्त तीन कर्मचारियों को एलजी ने किया बर्खास्त

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाले प्रशासन ने शनिवार को अनुच्छेद 311 की एक विशेष धारा लागू की और जम्मू-कश्मीर में तीन सरकारी कर्मचारियों की सेवाओं को राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के चलते समाप्त कर दिया। यह फैसला ऐसे समय आया है जब सीएम उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली निर्वाचित सरकार ने केंद्र के साथ अपने संबंधों के संभावित पुनर्मूल्यांकन का संकेत दिया है।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने कहा कि एलजी ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 311 (2) (सी) को लागू कर दिया है। ये 2020 में पेश किया गया एक विशेष प्रावधान है। इसके तहत पुलिस कांस्टेबल फिरदौस अहमद भट, शिक्षक मुहम्मद अशरफ भट और वन विभाग में अर्दली निसार अहमद खान को बर्खास्त कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर तीनों को बर्खास्त किया है। वे सभी फिलहाल आतंकवाद से जुड़े कई आरोपों में जेल में हैं।

अधिकारियों के अनुसार फिरदौस अहमद को आतंकवादियों के साथ कथित संबंधों के लिए गिरफ्तार किया गया था। सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि उसने आतंकवादी संगठनों को रसद और अन्य सहायता प्रदान की। मुहम्मद अशरफ पर छात्रों को कट्टरपंथी बनाने और प्रतिबंधित संगठनों के साथ संबंध बनाए रखने का आरोप है, जबकि खान कथित तौर पर कश्मीर के जंगली इलाकों में आतंकवादियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने में शामिल था। हाल ही में सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि कम से कम अपनी सरकार के शुरुआती कुछ महीनों में जम्मू-कश्मीर के लोगों के प्रति मेरा यह दायित्व है कि मैं केंद्र सरकार के साथ अच्छे कामकाजी संबंध स्थापित करने का प्रयास करूं। अगर इससे केंद्र सरकार द्वारा हमसे किए गए वादे पूरे नहीं होते हैं, तो हम इस पर फिर से विचार करेंगे।

छवि सुधारने आरजेडी कर रही मंथन, दिल्ली में बिहार पॉलिसी डायलॉग का आयोजन

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं इसको लेकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) अपनी छवि सुधारने के लिए सक्रिय हो गया है। आज 15 फरवरी को दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में बिहार पॉलिसी डायलॉग का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन सोन वैली डेवलपमेंट फाउंडेशन की ओर से किया गया है। इस पॉलिसी डायलॉग में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और सार्वजनिक वित्त जैसे विषयों पर विशेषज्ञों और शिक्षाविदों द्वारा विचार रखे जाएंगे। आरजेडी इन विचारों को अपने आगामी घोषणा-पत्र में शामिल करने की योजना बना रही है। पार्टी महासचिव शाश्वत गौतम के मुताबिक इस कार्यक्रम का अगला चरण पटना में आयोजित किया जाएगा, जहां प्राप्त सुझावों को विस्तृत रूप से परखा जाएगा।

पार्टी विचार कर रही है बिहार का बजट भारी-भरकम ब्याज से मुक्त कैसे बनाया जाए? जनता की आर्थिक क्षमता बढ़ाने के लिए राहत योजनाओं से अलग क्या रणनीति अपनाई जाए? स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में निजी संस्थानों की बढ़ती भूमिका को संतुलित करने के लिए क्या उपाय किए जाएं? पार्टी अंदरखाने ओबीसी इंटलेक्चुअल वर्ग को एक मंच पर लाने की रणनीति पर भी विचार कर रही है, जिससे आगामी बजट सत्र और विधानसभा चुनाव में इसे लाभ मिल सके।

आरजेडी बिहार की पहली महिला मुख्यमंत्री राबड़ी देवी देने का श्रेय लेती है, लेकिन अब तक महिलाओं को लेकर कोई बड़ा कदम नहीं उठाया है। तेजस्वी यादव ने 'माई-बहन सम्मान योजना' के तहत महिलाओं के खाते में हर माह 2500 रुपए देने का वादा किया है। साथ ही पार्टी की महिला विंग की अध्यक्षता रितु जायसवाल को सौंपी गई है। पिछले लोकसभा चुनाव के आंकड़ों को देखें तो बिहार में महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों से ज्यादा था। इसी कारण तेजस्वी ने अपने भाषणों में 'एम मतलब महिला और वॉय मतलब युवा' का नारा दिया है।

तेजस्वी बेरोजगारी को मुख्य मुद्दा बनाते हुए युवाओं को आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अपने शासनकाल की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि 17 महीने में किया कमाल, हमें दीजिए पूरे 5 साल। उनकी टीम में युवा नेतृत्व को महत्व दिया है, जिसमें राज्यसभा सांसद संजय यादव और पूर्व में नीतीश कुमार के साथ काम कर चुके शाश्वत गौतम जैसे पढ़े-लिखे युवाओं को जगह दी गई है। बिहार में 8 महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए आरजेडी इस पॉलिसी डायलॉग के जरिए से अपनी छवि सुधारने और जनसंपर्क मजबूत करने में जुटी हुई है।

उत्तर प्रदेश और गुजरात के बाद अब महाराष्ट्र में भी लव जिहाद के खिलाफ कानून

– पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में एक विशेष समिति का गठन

मुंबई (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश और गुजरात के बाद अब महाराष्ट्र भी लव जिहाद के खिलाफ कानून लाएगा। लव जिहाद कानून के लिए एक विशेष समिति का गठन किया गया है। दरअसल प्रदेश में लव जिहाद की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर लव जिहाद और धोखाधड़ी व बलपूर्वक किए जाने वाले धर्मांतरण को रोकने के लिए कानून बनाया जाएगा। राज्य सरकार ने लव जिहाद के खिलाफ कानून का मसौदा तैयार करने के लिए पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में एक विशेष समिति का गठन किया है। यह विशेष समिति राज्य की वर्तमान स्थिति का अध्ययन करेगी। लव जिहाद धोखाधड़ी और बल के माध्यम से किए गए धर्मांतरण के खिलाफ उपाय सुझाने वाले कानून का मसौदा तैयार करेगा। इस तरह, महाराष्ट्र लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाने वाला देश का दसवां राज्य बन जाएगा। अब तक देश के 9 राज्यों- उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ ने लव जिहाद विरोधी कानून पेश किए हैं। इसी तर्ज पर, भाजपा नेता और मंत्री नितेश राणे सहित राज्य के विभिन्न हिंदू संगठनों ने महाराष्ट्र में भी लव जिहाद कानून लागू करने की मांग की थी।

क्या है लव जिहाद ?

जब किसी धर्म विशेष का व्यक्ति किसी अन्य धर्म की लड़कियों को प्रेम के जाल में फंसाकर या उनसे शादी करके उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करता है तो इस पूरी प्रक्रिया को लव जिहाद कहा जाता है। यदि दो अलग-अलग धर्मों के लोग विवाह करते हैं, तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि विवाह किसी प्रलोभन या धोखे से तो नहीं किया गया है। यदि किसी लड़की का धर्म परिवर्तन केवल विवाह के उद्देश्य से किया गया है तो विवाह अमान्य माना जाता है। यह अपराध गैर-जमानती है। इसके अलावा, इस मामले की सुनवाई प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की जाती है। इस बीच, उत्तर प्रदेश में कानून के अनुसार, शादी के लिए जबरन धर्म परिवर्तन करने पर पांच साल की जेल और 15,000 रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने तलाकशुदा शब्द पर याचिकाकर्ता को लगा दी जमकर फटकार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने एक विवादास्पद बाल हिरासत विवाद में समीक्षा याचिका खारिज की। साथ ही कानूनी कार्यवाही में तलाकशुदा महिलाओं के नाम के साथ तलाकशुदा शब्द जोड़ने की प्रथा की कड़ी निंदा की। जस्टिस विनोद चटर्जी कौल ने शख्स और उसकी पूर्व पत्नी के बच्चे के कस्टडी से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान फैसला सुनाया। मामले में जज ने शख्स द्वारा दायर समीक्षा याचिका को खारिज किया गया। शख्स की समीक्षा याचिका में तर्क देकर कहा कि पिछले फैसले ने उनकी अपील को बिना सुनवाई के प्रारंभिक मुद्दे पर विचार किए ही खारिज कर दिया गया था। याचिकाकर्ता ने अपनी पुनर्विचार याचिका में दावा किया, मामले में अपील की स्वीकार्यता पर बहस की गई और मामले को सुरक्षित रखा गया। इस प्रकार, मुख्य अपील पर गुण-दोष के आधार पर बहस नहीं की गई। उन्होंने कहा, अपील पर मामले के गुण-दोष के आधार पर बहस हुए बिना तथा याचिकाकर्ता के वकील की बात सुने बिना ही निर्णय दिया गया, यह तथ्य रिकार्ड और अंतरिम आदेशों से स्पष्ट होता है। हालांकि, अदालत ने दावे का दृढ़ता से खंडन कर कहा कि अपील पर सुनवाई हो चुकी है। एक जून, 2022 को सुनवाई योग्य होने पर मामले को सुरक्षित रखा गया। यह मामला शख्स के मुलाकात के अधिकार को लेकर विवाद से शुरू हुआ था।

तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से मुकदमों में तेजी से कमी आएगी: मेघवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीन नए आपराधिक कानूनों को लागू करने की दिशा में महाराष्ट्र की स्थिति की नई दिल्ली में हुई एक बैठक में समीक्षा की। बैठक में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे। इस दौरान केंद्रीय कानून मंत्री मेघवाल ने बताया कि बैठक में आईटी सेक्टर में आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास पर चर्चा की गई।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि इन कानूनों के लागू होने से सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और जिला कोर्ट के मुकदमों में तेजी से कमी आएगी।

ज्ञात रहे कि केंद्र सरकार ने तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 1 जुलाई 2024 से लागू कर दिए हैं। इन कानूनों को लागू करने का उद्देश्य आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार लाना है।

वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मेघवाल ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक के प्रस्तुत किए जाने के समय एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया गया था। इस समिति में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य शामिल थे और इसकी रिपोर्ट पेश की जानी थी।

उन्होंने कहा कि जब रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तो खड़गे ने इसके विरोध में सवाल उठाए, जबकि रिपोर्ट में सभी आवश्यक जानकारियां शामिल थीं। इस मुद्दे पर गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि रिपोर्ट में कोई अधूरी जानकारी नहीं है और इसमें विरोध करने जैसा कुछ नहीं है। अब आगे इस मामले में क्या बदलाव होते हैं, यह देखने वाली बात होगी।

उल्लेखनीय है कि राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जेपीसी रिपोर्ट को लेकर कड़ी आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा था कि यह रिपोर्ट विपक्ष की आपत्तियों को नजरअंदाज करते हुए तैयार की गई है, जो संसदीय प्रक्रिया का उल्लंघन है। खड़गे ने इस रिपोर्ट को ÷फर्जी÷ बताते हुए इसे पुनः पेश करने की मांग की थी।

महाकुंभ में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 50 करोड़ के पार

– 26 फरवरी तक महाशिवरात्रि तक यह संख्या 55-60 करोड़ तक पहुंच सकती है

इलाहाबाद (एजेंसी)। भारतीय आध्यात्मिकता के महायज्ञ, महाकुंभ मेला 2025 प्रयागराज में धर्मार्थी उत्कृष्टता का प्रमुख प्रतीक बन चुका है। मानवता के इस महोत्सव में अभूतपूर्व स्थिरता दिखाते हुए, प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हुए महाकुंभ मेले में 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने अब तक अनगिनत जनों के साथ मिलकर गंगा और त्रिवेणी के पावन संगम में स्नान किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे मानवता की आत्मिक और सामाजिक सामरस्य का प्रमुख संकेत बताया है। उन्होंने कहा ?कि भारत की सनातन विरासत में समृद्धि और समरसता का प्रतीक महाकुंभ 2025, प्रयागराज में उपस्थित है। उन्होंने मेला की श्रेष्ठता को व्यक्त करते हुए कहा कि महाकुंभ में जुटे श्रद्धालुओं की आस्था और एकता संगम के पावन जल में अद्वितीय रूप से प्रकट हो रही है। इस अद्वितीय और भव्य महोत्सव के सुशोभित व्यवस्था और सुरक्षा उपायों की सराहना करते हुए, सरकार ने उसे सबसे बड़ा जनसमूह कहकर सम्मानित किया है। महाकुंभ मेला के अनुसरण में उत्तर प्रदेश सरकार, पुलिस प्रशासन, स्वच्छताकर्मी, स्वयंसेवी संगठन और धार्मिक संस्थान सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी। अब एक्सीटिंगली, मुख्यमंत्री का अनुमान यह है कि 26 फरवरी तक महाशिवरात्रि तक यह संख्या 55-60 करोड़ तक पहुंच सकती है। सभी धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में ऐसी अजीबोगरीब आँकड़ों के बावजूद, उत्तर प्रदेश के महाकुंभ मेले ने लोगों को एक साथ जोड़ते हुए एक महान आयोजन का प्रमाण पेश किया है। महाकुंभ मेला एक समय-सीमित अवसर है जब लोग एक छोटी सी कल्पना कर सकते हैं कि कैसा हो सकता है एक समर्पित और एकीकृत समुदाय का जीवन। इस महाकुंभ के मौके पर हम सभी धार्मिक संस्थानों, साधु-संतों, कल्पवासियों, धार्मिक गुरुओं और श्रद्धालुओं को एक और भव्य सफलता की कामना करते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बयान में दावा किया कि यह मानव इतिहास में किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या सामाजिक आयोजन के लिहाज से सबसे बड़ा जनसमूह है। प्रदेश सरकार के अनुसार अमेरिका, रूस, इंडोनेशिया, ब्राजील, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों की आबादी 50 करोड़ से कम है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात जायंट्स को छह विकेट से हराया

वडोदरा (एजेंसी)। ऋचा घोष के नाबाद 64 रन और एलिस पेरी के 57 रनों की तूफानी अर्धशतकीय पारियों के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शुक्रवार को वूमेंस प्रीमियर लीग के उद्घाटन मुकाबले में गुजरात जायंट्स को नौ गेंदें शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। 202 रनों का लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने मात्र 14 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। कप्तान स्मृति मंधाना (नौ) और डेनिएल वायट (चार) रन बनाकर आउट हुई। दोनों ही बल्लेबाजों को एश्ली गार्डनर ने आउट किया। इसके बाद एलिस पेरी और राघवी बिष्ट की जोड़ी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 86 रनों की साझेदारी हुई।

11वें ओवर में डिएंड्रा डॉटिन ने राघवी बिष्ट (25) का आउट कर आरसीबी को तीसरा झटका दिया। 13वें ओवर में सायली सातघरे ने एलिस पेरी को आउटकर गुजरात जायंट्स को चौथा झटका दिया। एलिस पेरी ने 34 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए (57) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी ऋचा घोष और कनिका आहूजा ने आरसीबी की पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। आरसीबी ने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 202 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। ऋचा घोष ने 27 गेंदों में सात चौके और चार छक्के लगाते हुए (नाबाद 64) रनों की पारी खेली। कनिका आहूजा ने 13 गेंदों में चार चौके लगाते हुए (नाबाद 30) रन बनाये।गुजरात की ओर से एश्ली गार्डनर ने दो विकेट लिये। डिएंड्रा डॉटिन और सायली सातघरे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात की बेथ मूनी और लॉरा वुलफार्ट की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 35 रन जोड़े। लॉरा वुलफार्ट (छह) को बोल्ड कर रेणुका ने आरसीबी को पहली सफलता दिलाई। दयालन हेमलता (चार) रन बनाकर पवेलियन लौट गई। इसके बाद कप्तान एश्ली गार्डनर ने मोर्चा संभाला। उन्होंने बेथ मूनी के साथ तीसरे विकेट के लिए 46रन जोड़े। बेथ मूनी तीसरे विकेट के रूप में 42 गेंदों में (56) रन बनाकर आउट हुई। डिएंड्रा डॉटिन ने 13 गेंदों में (25) रन बनाये। सिमरन शेख (11) रन बनाकर आउट हुई। एश्ली गार्डनर ने 37 गेंदों में तीन चौके और आठ छक्के लगाते हुए तूफानी अंदाज में (नाबाद 79) रन बनाये। गुजरात जायंट्स की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 201 रनों का स्कोर खड़ा किया। आरसीबी की ओर से रेणुका सिंह ने दो विकेट लिये। कनिका

आहूजा, जॉर्जिया वेयरहम और प्रमिला रावत ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग की वापसी, भारत के कप्तान होंगे तेंदुलकर, श्रीलंका के संगकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैम्पियन बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर पहली इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में भारत के कप्तान होंगे जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगकारा श्रीलंका की कप्तानी करेंगे। टूर्नामेंट 22 फरवरी से 16 मार्च के बीच मुंबई, वडोदरा और रायपुर में खेला जाएगा। भारतीय मास्टर्स टीम का ऐलान यहां शुक्रवार को किया गया जिसमें विश्व कप विजेता युवराज सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान और अंबाती रायुडू जैसे खिलाड़ी हैं।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन संस्करण में खेलने के बारे में बोलते हुए, इरफ़ान पठान ने कहा कि इंटरनेशनल मास्टर्स लीग एक ऐसा टूर्नामेंट है जो क्रिकेट के स्वर्ण युग को श्रद्धांजलि देता है। मैं लीग के सीज़न 1 में इंडिया मास्टर्स का प्रतिनिधित्व करने और उस्ताद सचिन तेंदुलकर और अन्य सहयोगियों के साथ खेलने के लिए रोमांचित हूं, जिनके साथ मैंने अतीत में कई सुखद और अनमोल क्षण साझा किए हैं। हम आईएमएल की मेजबानी कर रहे हैं, लेकिन मैं क्रिकेट प्रशंसकों को आश्वस्त कर सकता हूं कि हम मैदान पर उदार नहीं होंगे। हम कठिन क्रिकेट का उत्पादन करेंगे और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।' खिताब जीतो।

IMLT20 के लिए भारतीय मास्टर्स टीम

सचिन (कप्तान), युवराज, रैना, रायडू, यूसुफ, इरफान, बिन्नी, कुलकर्णी, विनय कुमार, नदीम, राहुल शर्मा, ओझा, नेगी, गुरकीरत मान, मिथुन।

वहीं, कुमार संगकारा के नेतृत्व में श्रीलंका मास्टर्स कौशल और अनुभव में मास्टरक्लास का वादा करता है। खेल के राजदूत, संगकारा क्रमशः 2007 और 2011 में दो बार पचास ओवर के विश्व कप फाइनलिस्ट और 2014 में टी20 विश्व कप विजेता थे। उनके साथ श्रीलंका की 1996 विश्व कप विजेता टीम के तेजतर्रार ओपनर-कीपर रोमेश कालुविथराना भी शामिल होंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 : भारतीय टीम दुबई रवाना, 2-2 के बैच जाएंगे

मुंबई (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की अगुवाई में भारत की सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम 19 फरवरी से शुरू होने वाली आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेने के लिए मुंबई से दुबई के लिए रवाना हो गई है। भारतीय टीम के ग्रुप ए के सभी मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होंगे, जबकि बाकी मैच पाकिस्तान में होंगे। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के दृश्यों में रोहित एंड कंपनी, सहयोगी कर्मचारियों के साथ, दुबई के लिए अपनी उड़ान लेने के लिए हवाई अड्डे में जांच कर रही थी।

आईएएनएस समझता है कि टीम की प्रारंभिक योजना दुबई के लिए 2-2 के बैच में रवाना होने की थी, लेकिन पिछले महीने जारी किए गए बीसीसीआई नीति दिशानिर्देशों में कहा गया था कि टीम अपने विदेशी दौरों के लिए एक साथ यात्रा करेगी, इसलिए टीम को मुंबई से 8 टीमों की प्रतियोगिता के लिए एक साथ रवाना होने का निर्णय लिया गया। चैंपियंस ट्रॉफी में, भारत को अपने तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह की सेवाओं की काफी कमी खलेगी, जो पिछले महीने सिडनी में 5वें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट के दौरान लगी पीठ के निचले हिस्से की चोट से उबर रहे हैं।

तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हर्षित राणा को उनके प्रतिस्थापन के रूप में नामित किया गया है, जबकि यशस्वी जयसवाल की कीमत पर कलाई के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भी शामिल किया गया है, जो मूल रूप से अनंतिम टीम में थे। जायसवाल अब मोहम्मद सिराज और शिवम दुबे के साथ गैर-यात्रा विकल्प में से एक हैं। दो बार की चैंपियंस ट्रॉफी विजेता भारत 23 फरवरी को बहुप्रतीक्षित मुकाबले में पाकिस्तान से भिड़ने से पहले 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ अपने 2025 अभियान की शुरुआत करेगा। भारत अपना अंतिम ग्रुप ए मैच 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रवींद्र जड़ेजा, वरुण चक्रवर्ती।

चैंपियंस ट्रॉफी के रिकॉर्ड में कौन हैं हीरो, विराट कोहली या सचिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में विराट कोहली अपना जलवा बिखरने को तैयार हैं। कोहती बीते कई महीने से रन के लिए तरस रहे है। चंद रोज पहले इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में हुए आखिरी वनडे में उन्होंने जो अर्धशतक लगाया, उससे उनका आत्मविश्वास जरुर वापस आया होगा। 55 गेंद में 52 रन की पारी में कोहली ने सात चौके और एक छक्का भी जड़ा था। अपने करियर के आखिरी पड़ाव में पहुंच चुके कोहली 2013 में धोनी की चैंपियंस ट्रॉफी चैंपियन टीम का भी हिस्सा थे। वनडे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में कोहली तीसरे नंबर पर आते हैं। 297 मैच में उनके नाम 57.93 की औसत से 13,963 रन हैं। सिर्फ सचिन तेंदुलकर (463 मैच में 18,426 रन) और कुमार संगाकारा (404 मैच में 14.234 रन) बनाकर कोहली से आगे हैं। कोहली और तेंदुलकर की अक्सर तुलना भी होती रही है।

कोहली ने अपने पूरे करियर में चैंपियंस ट्रॉफी के कुल 13 मैच खेल चुके हैं। जहां 12 पारियों में उन्होंने 92.32 की स्ट्राइक रेट से 529 रन बनाए। छह बार वह नॉट आउट रहे। एक बार वे वह बिना खाता खोले भी आउट हो चुके हैं। 529 रन में से 124 रन उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ बनाए हैं, इन पारियों में विराट का औसत 62 और स्ट्राइक रेट 96.87 का रहा है। वहीं सचिन तेंदुलकर ने चैंपियंस ट्रॉफी में कुल 16 मैच खेले

हैं, इसमें उन्हें 14 बार बल्लेबाजी का मौका मिला। इन 14 पारियों में तेंदुलकर ने 36.75 की औसत और 78.75 की स्ट्राइक रेट से 441 रन बनाए हैं। दो मौकों पर सचिन नॉटआउट लौटे हैं। कोहली से सचिन के रिकॉर्ड की तुलना करने पर ये चीज भी माननी पड़ेगी कि तेंदुलकर ने अपने करियर में कहीं बेहतर गेंदबाजों का सामना किया है। टूर्नामेंट के इन 441 रन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 63 की औसत से 189 रन भी आए हैं।

कोहली ने चैंपियंस ट्रॉफी में पांच अर्धशतक लगाए हैं, लेकिन एक भी सेंचुरी नहीं ठोक सके। उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 96 रन रहा है, जो 2017 चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ बर्मिंघम में बनाया था। जबकि सचिन तेंदुलकर के नाम एक शतक है। 14 पारियों में तेंदुलकर ने दो अर्धशतक बनाए हैं। सचिन का शतक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1998 में बांग्लादेश की मेजबानी में खेली गई चैंपियंस ट्रॉफी में आया था। सचिन ने तब 128 गेंदों में 141 रन की तूफानी पारी खेली थी।

अब विदेश दौरों में तय सीमा से अधिक वजन वाले सामान नहीं ले जा सकेंगे क्रिकेटर

मुम्बई । अब विदेशी दौरों पर क्रिकेटर तय सीमा से अधिक वजन के सामान नहीं ले जा सकेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में विदेशी दौरे पर खिलाड़ियों द्वारा ले जाए जाने वाले सामान के वजन की सीमा 150 किलोग्राम तय कर दी है। इससे अधिक वजन होने पर खिलाड़ी को स्वयं ये खर्च उठाना पड़ेगा। बीसीआई ने ये कदम बढ़ते हुए खर्च पर नियंत्रण के साथ ही यात्रा व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए उठाया है। हाल में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान एक खिलाड़ी अनुमानित 27 बैग ले जाए गया था जिसका वजन 250 किलोग्राम से अधिक था। रिपोर्टों के मुताबिक, इन बैगों में केवल खिलाड़ी के निजी सामान के साथ ही उनके परिवार और स्टाफ के सदस्य का सामान भी शामिल था। इस पूरे खर्च को बीसीसीआई ने उठाया था। खिलाड़ी के परिवार के सदस्य पूरे दौरे के दौरान उनके साथ रहे, और ऐसे में बीसीसीआई को आने और जाने दोनो का खर्च उठाना पड़। इसके अलावा, सामान को दौरे के दौरान एक शहर से दूसरे शहर तक किलोग्राम तक के सामान का खर्च ही बोर्ड उठाएगा। इसके साथ खिलाड़ी अब विदेशी दौर में अपनी व्यक्तिगत यात्रा व्यवस्था नहीं कर पायेंगे और उन्हें टीम के साथ ही जिस भी माभेजने की जिम्मेदारी भी बीसीसीआई के पास थी।

श्रीकांत बोले, बल्लेबाजी पर ध्यान देने विराट नहीं बने आरसीबी के कप्तान

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व कप्तान के श्रीकांत ने कहा है कि विराट कोहली ने अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देने के लिए ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की कप्तानी के प्रस्ताव को ठुकराया होगा। आरसीबी ने आईपीएल 2025 सत्र के लिए रजत पाटीदार को अपना नया कप्तान बनाया है। रजत को कप्तान बनाये जाने का स्वागत भी हुआ है पर विराट के प्रशंसकों का मानना था कि उन्हें फिर कप्तान बनाया जाना चाहिये था। इसी को लेकर श्रीकांत ने कहा कि विराट ने अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आरसीबी की कप्तानी का प्रस्ताव ठुकरा दिया होगा। श्रीकांत ने कहा, मुझे लगता है कि विराट ने कप्तानी से मना कर दिया होगा। उन्होंने कहा होगा कि मैं बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं। मुझे लगता है कि रजत को कप्तान बनाने का फैसला विराट कोहली से बात क करने के बाद हुआ होगा। पाटीदार ने घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश की कप्तानी की है। श्रीकांत ने कहा कि रजत आईपीएल कप्तानी के लिए नए हैं, इसलिए उन पर अपेक्षाओं का बहुत अधिक दबाव नहीं होगा। उन्होंने कहा, रजत एक अच्छा विकल्प हैं। वह आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। अच्छी बात यह है कि उनसे बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं होंगी। जब हमने 2007 में महेन्द्र सिंह धोनी को टी20 विश्व कप का कप्तान नियुक्त किया था, तो उनसे और टीम से बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं थीं। रजत को विराट कोहली का समर्थन और जरुरी सलाह मिलती रहेगी जिसका उन्हें लाभ होगा।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर त्रिकोणीय सीरीज जीती

कराची (एजेंसी)। विलियम ओरूर्क (चार विकेट), माइकल ब्रेसवेल और मिचेल सैंटनर (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद डैरिल मिचेल (57) और टॉम लेथम (56) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को फाइनल मुकाबले में 28 गेंदे शेष रहते 243 रन बनाकर पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज अपने नाम कर ली।

242 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में विल यंग (पांच) का विकेट गवां दिया। उन्हें नसीम शाह ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद केन विलियमसन (34) को आगा सलमान ने पगबाधा आउट किया। डेवन कॉन्वे (48) रन बनाकर आउट हुये। 39वें ओवर में अबरार अहमद ने डैरिल मिचेल (57) को अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। 45वें ओवर की पहली गेंद पर शाहीन शाह अफरीदी ने टॉम लेथम को आउट कर पाकिस्तान को पांचवीं सफलता दिलाई। टॉ

लेथम ने 64 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए (56)रनों की पारी खेली। न्यूजीलैंड ने 45.2 ओवर में पांच विकेट पर 243 रन पर बनाकर मुकाबला और त्रिकोणीय सीरीज अपने नाम कर ली। पाकिस्तान की ओर से नसीम शाह ने दो विकेट लिये। आगा सलमान, शाहीन शाह अफरीदी और अबरार अहमद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां नेशनल बैंक क्रिकेट एरेना में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 54 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये। फखर जमान (10), सऊद शकील (आठ) और बाबर आजम (29)रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद कप्तान मोहम्मद रिजवान ने आगा सलमान के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिए 98 रनों की साझेदारी हुई। 32वें ओवर में ओरूर्क ने रिजवान को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 76 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए (46) रन बनाये। इसके 37वें ओवर में माइकल ब्रेसवेल ने आगा सलमान को आउट कर पवेलियन भेज दिया। आगा सलमान ने 65 गेंदों में एक चौके और एक छक्का लगाते हुए (45) रन बनाये। तय्यब ताहिर 33 गेंदों में (38) रन बनाकर आउट हुये। फहीम अशरफ (22) और नसीम शाह (19) रन बनाकर आउट हुये। न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे पाकिस्तान की पूरी टीम 49.3 ओवर में 242 के स्कोर पर सिमट गई। न्यूजीलैंड की ओर से विलियम ओरूर्क ने चार विकेट लिये। माइकल ब्रेसवेल और मिचेल सैंटनर को दो-दो विकेट मिले। जेकब डफी और नेथन स्मिथ ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पोलार्ड की तरह ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं उनके बेटे कैडेन

जमैका । वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर कायरन पोलार्ड के बेटे कैडेन पोलार्ड भी पिता की तरह ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं। पोलार्ड ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने बेटे कैडेन की एक तस्वीर साझा की है। इस फोटो में कैडेन हाथ में बल्ला और हेलमेट लिए नजर आये हैं। पोलार्ड ने इस तस्वीर के साथ लिखा कि उनके बेटे ने एक शतक बनाया है। पोलार्ड ने ही कहा कि उनके बेटे कैडेन ने 85 गेंदों में 135 रन बनाये हैं। कैडेन ने ये शतक लगाकर अपनी नॉर्थ टीम को टीटी क्रिकेट बोर्ड को अंडर-15 इंटरजोन यूथ टूर्नामेंट में टोबैगो पर 159 रन से बड़ी जीत दिलाई। कैडेन ने इस दौरान कई ऐसे शॉट्स लगाए, जिसने उनमें पिता कीरोन की झलक नजर आयी। कैडेन अपने पिता कायरन पोलार्ड के साथ कई बार अभ्यास करते हुए नजर आए हैं। कैडेन को कई बार आईपीएल के दौरान मुंबई इंडियंस के नेट्स में अभ्यास भी करते हुए देखा गया है। मुंबई ने अपने सोशल मीडिया पर कैडेन की बैटिंग का वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें देखा जा सकता है कि वो अपने पिता कायरन की गेंदबाजी पर बड़े शॉट्स लगाते दिख रहे हैं। पोलार्ड खेल से संन्यास के बाद अब बल्लेबाजी कोच के तौर पर आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस से जुड़े हैं। पोलार्ड आईपीएल के अलावा विश्व की दूसरी फ्रेंचाइजी लीग में भी खेलते हैं। पोलार्ड मुंबई इंडियंस की ओर से पांच सत्र खेले थे। आईपीएल में मुंबई इंडियंस की की जीत में उनकी अहम भूमिका रही है।

सबसे तेज 6000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज बने बाबर,- विराट कोहली को पछाड़ा

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने शुक्रवार को एक और उपलब्धि अपने नाम की। उन्होंने 123 पारियों में वनडे क्रिकेट में 6000 रन पूरे कर हाशिम अमला के रिकॉर्ड की बराबरी की। बाबर ने 29 रनों की पारी के दौरान यह रिकॉर्ड हासिल किया और इस आंकड़े तक पहुंचने वाले दुनिया के सबसे तेज बल्लेबाज बन गए। बाबर का यह 126वां वनडे मैच था, और उन्होंने अब तक 6019 रन बनाए हैं, जिनमें 9 शतक भी शामिल हैं। बाबर आजम का यह रिकॉर्ड उनकी लगातार शानदार फॉर्म का प्रतीक है, खासकर चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले। इस पारी से पहले पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान और सलमान आगा ने शतक जड़े थे, जो टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हुए। बाबर की 29 रन की पारी ने भले ही मैच के परिणाम पर बड़ा असर न डाला हो, लेकिन उनकी उपलब्धि क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बन गई है। इस रिकॉर्ड से बाबर आजम ने विराट कोहली को पीछे छोड़ते हुए सबसे तेज 6000 वनडे रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। विराट कोहली ने यह आंकड़ा 136 पारियों में हासिल किया था, और अब वह तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। हाशिम अमला और बाबर आजम दोनों ने यह रिकॉर्ड 123 पारियों में पूरा किया है। बाबर आजम का करियर पिछले 10 सालों में शानदार रहा है, और इस समय तक उन्होंने 6019 रन बनाए हैं। अब वह सबसे तेजी से 6000 रन बनाने वालों की लिस्ट में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। विराट कोहली इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं, जबकि तीसरे स्थान पर केन विलियमसन और डेविड वॉर्नर का नाम है, जिन्होंने 139-139 पारियों में यह आंकड़ा छुआ था। वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है, जिन्होंने 463 मैचों में 18426 रन बनाए हैं। कुमार संगकारा (14234 रन) और विराट कोहली (13963 रन) इस सूची में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

पाकिस्तान-न्यूजीलैंड फाइनल मैच में चील का शिकार होते-होते बची बिल्ली

कराची । पाकिस्तान को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के फाइनल में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस इस में पाक टीम टीम न्यूजीलैंड के सामने टिक नहीं पायी और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में पाक टीम पहले बल्लेबाज करते हुए 242 रन ही बना पायी। इसके बाद कीवी टीम ने ये लक्ष्य पांच विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। इस मैच में कीवी टीम की बल्लेबाजी के दौरान ही अचानक एक एक काली बिल्ली मैदान में आ गयी। इस कारण मैच कुछ देर के लिए रुक गया। बिल्ली मैदान से बाहर जा ही रही थी कि लोगों को एक चील आसमान में दिखी। उस चील ने बिल्ली पर झपट्टा मारने का प्रयास किया। दर्शकों भी दिल थामकर ये देख रहे थे। चील बिल्ली को पकड़ने के काफी करीब पहुंच गयी थी पर बिल्ली किसी प्रकार उसका शिकार होने से बच गयी। बहरहाल चैंपियंस ट्रॉफी से ठीक पहले त्रिकोणीय सीरीज में मिली हार से पाक टीम को करारा झटका लगा है। खिताबी मुकाबले में पाक बल्लेबाज न्यूजीलैंड के विलियम ओरूर्के के सामने टिक नहीं पाये। विलियम ने 43 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं बल्लेबाजी में डेरिल मिचेल और टॉम लैथम ने अर्धशतक लगाए। इस मैच में पाक गेंदबाज प्रभावी नहीं रहे। शाहीन अफरीदी, नसीम शाह, हारिस रऊफ और मोहम्मद हसनैन की गेंदबजी में विविधता और लाइन लैंथ की कमी दिखी। उसके गेंदबाजों को पिच से सहायता नहीं मिली।

नंबर वन टेनिस प्लेयर जैनिक सिनर डोपिंग में फंसे, लगा इतने महीनों का बैन

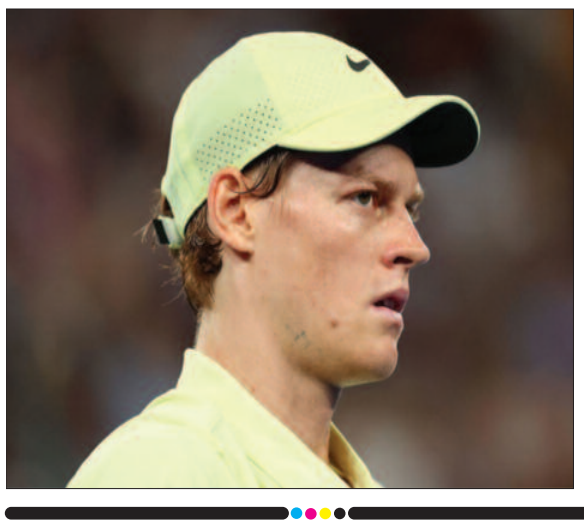

मॉन्ट्रियल (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत इतालवी खिलाड़ी पर तीन महीने का प्रतिबंध लगेगा। इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के एक स्वतंत्र ट्रिब्यूनल ने सिनर को मार्च 2024 में क्लोस्टेबोल, एक प्रतिबंधित पदार्थ के लिए दो बार सकारात्मक परीक्षण करने के बाद बिना किसी गलती या लापरवाही के दोषी पाया था।

विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने पुष्टि की है कि उसने इतालवी टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर के मामले में एक केस समाधान समझौते में प्रवेश किया है, जिसमें खिलाड़ी ने डोपिंग रोधी नियम के उल्लंघन के लिए 3 महीने की अयोग्यता की अवधि स्वीकार कर ली है, जिसके कारण उसे मार्च 2024 में क्लोस्टेबोल, एक प्रतिबंधित पदार्थ के लिए सकारात्मक परीक्षण किया गया था। वाडा के बयान में कहा गया है।

सिनर के अनुसार- यह पदार्थ एक सपोर्ट स्टाफ सदस्य के संपर्क में आने के बाद उनके सिस्टम में प्रवेश कर गया, जो 'ओवर द काउंटर स्प्रे' लगा रहा था, जिसमें क्लोस्टेबोल का मामूली स्तर था और उक्त सपोर्ट स्टाफ सदस्य द्वारा बार-बार मालिश करने से संदूषण हो गया। बयान में कहा गया है कि वाडा स्वीकार करता है कि सिनर का धोखाधड़ी करने का इरादा नहीं था, और क्लोस्टेबोल के संपर्क में आने से कोई प्रदर्शन-बढ़ाने वाला लाभ नहीं मिला और यह उसके दल के सदस्यों की लापरवाही के परिणामस्वरूप उसकी जानकारी के बिना हुआ।

जनवरी में 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाले सिनर को 9 फरवरी से 4 मई तक तीन महीने का प्रतिबंध झेलना होगा, 4 दिन पहले ही अनंतिम निलंबन के तहत सेवा दी जा चुकी है, और उन्हें 13 अप्रैल से प्रशिक्षण पर लौटने की अनुमति दी जाएगी। 4 मई को उनकी वापसी से उन्हें रोलांड गैरोस में सीज़न के दूसरे ग्रैंड स्लैम में भाग लेने की अनुमति मिल जाएगी, जो फ्रेंच ओपन का आयोजन स्थल है, जो 19 मई से 8 जून तक पेरिस, फ्रांस में होगा।

समझौते की शर्तों के तहत, सिनर 9 फरवरी, 2025 से 4 मई, 2025 को रात 11:59 बजे तक अपनी अपात्रता की अवधि पूरी करेगा (जिसमें एथलीट द्वारा पहले दिए गए चार दिनों का क्रेडिट शामिल है, जबकि वह अनंतिम निलंबन के तहत था)। कोड अनुच्छेद 10.14.2 के अनुसार, सिनर 13 अप्रैल, 2025 से आधिकारिक प्रशिक्षण गतिविधि में वापस आ सकता है। मामले के समाधान समझौते के प्रकाश में, वाडा ने औपचारिक रूप से कहा है CAS से अपनी अपील वापस ले ली।

'काफी व्यस्त' हैं बिग बी, 'चुनौती' का सामना करते हुए बीत रहा दिन

मुंबई, (श्रीजी एक्सप्रेस)। अमिताभ बच्चन नए-नए डिवाइस सीखने में कोई गुरेज नहीं करते। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से नए गैजेट को समझने या सीखने में लगे हैं, जिसमें उनका पूरा समय जा रहा है। हालांकि, नए गैजेट्स को सीखना उनके लिए चुनौतीपूर्ण भी है।अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर बताया, फ्रटेक्नोलॉजी गैजेट को बेहतर बनाने पर जोर देती है और इससे काम में तेजी आती है। हालांकि, जब हम नए डिवाइस को सीखने में लगे रहते हैं, तब तक एक और नया डिवाइस सामने आ जाता है।अभिनेता ने सीखने की चुनौती की ओर इशारा करते हुए कहा, नए डिवाइस को उसके कामकाज को समझना आसान नहीं है, इससे फिर एक और जंग शुरू हो जाती है। पिछले कुछ दिनों से इन्हीं चीजों में मेरा पूरा समय जा रहा है।उन्होंने कहा कि वह खुद सीखने में भरोसा रखते हैं और 'मदद' लेने के लिए किसी तकनीशियन के पास बार-बार नहीं जा सकते। उन्होंने कहा, फ्रहर बात के लिए तकनीकी रूप से दक्ष व्यक्ति के पास जाना सही नहीं है। उस पर कैसे काम करना है, कैसे इस्तेमाल करना है, यह सीखना होगा। यह मेरा है और मुझे इसके बारे में पता होना चाहिए। मदद लेने के लिए किसी तकनीशियन के पास बार-बार नहीं जाया जा सकता।अभिनेता ने खुलासा किया कि ये काम इतना भारी होता है कि वह इन सब वजहों से थक जाते हैं। उन्होंने कहा, पूरा दिन सीखने में ही निकल गया और फिर भी नए गैजेट को मैं सीख नहीं पाया।बिग बी ने अपने ब्लॉग पर लिखा कि कैसे जेन-जी उनसे समय के साथ चलने के लिए कहते हैं।नए गैजेट को सीखने के साथ अमिताभ ने री-रिलीज के चलन पर भी बात की। साल 2024 और 2025 के बीच, 'करण अर्जुन', 'राजा बाबू', 'हम आपके हैं कौन', 'सनम तेरी कसम', 'रहना है तेरे दिल में', 'पद्मावत', 'बीवी नंबर वन', 'कहो ना प्यार है', 'लैला मजनू' और 'ये जवानी है दीवानी' जैसी कई फिल्में पर्दे पर फिर से रिलीज हो चुकी हैं।उन्होंने कहा, पुराने समय की फिल्मों की री-रिलीज ने लोगों को बहुत आकर्षित किया, इसलिए उनके साथ बने रहना ही बेहतर है। इस जेनरेशन के ज्यादातर लोगों ने इन फिल्मों को नेट पर और ज्यादातर मोबाइल पर देखा या सुना है।अमिताभ बच्चन ने इसकी तुलना बड़े पर्दे से की।उन्होंने लिखा, फ्रबड़ी स्क्रीन का वह एहसास और दर्शकों की प्रतिक्रिया बहुत याद आती है और जब उन्हें अवसर मिलता है, तो वे कितने उत्साहित हो जाते हैं। फिल्मों को देखने के बाद खुशी से चिल्लाना, नाचना और जीवन का आनंद लेना बस। जो लोग उस समय से गुजरे हैं, वे मुझे उन दिनों की तस्वीरों और थिएटर के अंदर देखने के लिए इंतजार कर रहे लंबे कतारों की याद दिलाते हैं।अभिनेता ने आगे लिखा, उन्हें देखना बहुत अच्छा लगता है लेकिन.. उन्हें यहां या कहीं भी प्रदर्शित करने का विकल्प नहीं चुना गया। संयम या फिर कह लो कि उनके बारे में बात करने में बहुत शर्म आती है। यहां चुप रहने की इच्छा मुंह खोलने और दंग रह जाने से बेहतर विकल्प है, स्वस्थ और खुश रहें।

दिव्यांका-विवेक ने 'खास' तरीके से मनाया वेलेंटाइन डे, बोले- 'दिल बहुत खुश'

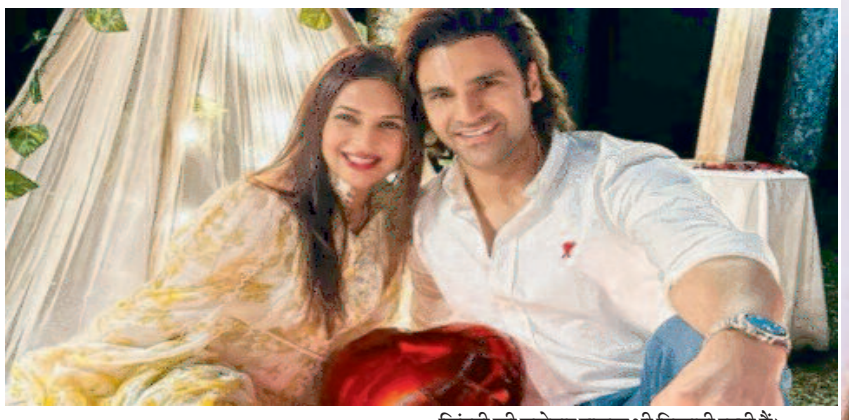

मुंबई, (श्रीजी एक्सप्रेस)।

अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी और उनके पति-अभिनेता विवेक दहिया ने डिजायर सोसाइटी के नन्हे-मुन्नों के साथ खास अंदाज में वेलेंटाइन डे मनाया। वंचित बच्चों के साथ वेलेंटाइन मनाकर अभिनेत्री खासा भावुक हो गईं।अभिनेत्री ने वेलेंटाइन का जश्न डिजायर सोसाइटी के बच्चों के साथ मनाया, जिसकी झलक दिखाते हुए दिव्यांका ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ÷इस वेलेंटाइन डे पर इन नन्हे-मुन्नों की आंखों में हमें खूब प्यार दिखा। समय अच्छी तरह बीता और हमारा दिल भर आया।÷

डिजायर सोसाइटी एक गैर-लाभकारी संगठन है। यह संगठन भारत के कई राज्यों में है। संगठन एड्स से पीड़ित बच्चों के स्वास्थ्य विकास और कल्याण के लिए काम करता है। इसके साथ ही यह संगठन उन बच्चों के लिए भी काम करता है, जिनके साथ दुर्व्यवहार हुआ हो या वे बच्चे गरीब परिवार से आते हैं।शेयर की गई दो तस्वीरों में से पहली में दिव्यांका और विवेक डिजायर सोसाइटी के बच्चों के साथ फोटो क्लिक कराते हुए, वहीं दूसरी तस्वीर में वह बच्चों को देखकर मुस्कुराते नजर आए।

दिव्यांका की गिनती उन हस्तियों में होती है, जो प्रशंसकों से अपने जज्बात शेयर करने के साथ अपनी जिंदगी की मजेदार झलक भी दिखाती रहती हैं।

अभिनेत्री काफी मिलनसार हैं और अक्सर इसका प्रमाण उनके पोस्ट देते रहते हैं। वह जब-तब बताती रहती हैं कि उन्हें अपने अपनों के साथ टाइम स्पेंड करना अच्छा लगता है। हाल ही में उनका एक वीडियो बहुत पसंद किया गया था जिसमें वह अपने परिवार के एक विवाह समारोह में दिखी थीं। वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर कर कैप्शन में लिखा था, ÷मिलना मिलाना, साथ तैयारियां करना, साथ खाना, घर की शादी मतलब हर पल आनंददायक।वीडियो में दिव्यांका और विवेक अपने परिवार और करीबियों संग खूब मस्ती करते नजर आए थे।दिव्यांका त्रिपाठी के वर्कफंट की बात करें तो अभिनेत्री की आखिरी रिलीज सोनी लिव की सीरीज 'अदृश्यम-द इनविजिबल हीरोज' थी, जिसमें वह अंडरकवर एजेंट पार्वती सहगल के किरदार में नजर आई थीं। यह सीरीज एजेंसी आईबी47 पर बनी है।रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज' में भाग लेने के साथ दिव्यांका ने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद अभिनेत्री ने 'बनूं मैं तेरी दुल्हन' में काम किया था। अभिनेत्री 'खाना खजाना', 'नचले वे विद सरोज खान', 'जोर का झटका- टोटल वाइप आउट', 'कॉमेडी सर्कस', 'नच बलिए 8' और 'फियर फैक्टर-खतरों के खिलाड़ी' जैसे शो में भी भाग ले चुकी हैं।

खेसारी लाल यादव की फिल्म 'डंस' का गाना 'हल्ला भईल बा' रिलीज

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा के हिट मशीन और ट्रेंडिंग स्टार कहे जाने वाले खेसारी लाल यादव की फिल्म %डंस% का गीत 'हल्ला भईल बा'आज मेकर्स ने ग्लोबल म्यूजिक जंक्शन पर रिलीज कर दिया है।फिल्म %डंस% का गीत 'हल्ला भईल बा' को खेसारी लाल यादव और खुशी कक्कर ने गाया है। इस गीत को कृष्णा बेदर्दी ने लिखा और कम्पोज किया है। इस गाने को रामदेवन ने कोरियोग्राफर किया है। इस गाने में खेसारी लाल यादव के साथ अहाना शर्मा नजर आ रही है।

स्निप कॉर्पोरेशन के बैनर तले बन रही इस फिल्म डंस का निर्माण सुधीर सिंह किया।इस फिल्म का निर्देशन धीरज ठाकुर ने किया है। संगीतकार कृष्ण बेदर्दी,आर्यन पॉटर, गीतकार प्यारे लाल कवि, कृष्ण बेदर्दी और शेखर मधुर, डीओपी श्रवण नतरंजन और कोरियोग्राफर राम देवन हैं।

फिल्म डंस में खेसारी लाल यादव के अलावा शाहवर अली, देव सिंह, समर्थ चतुर्वेदी, पप्पू यादव, महेश आचार्य, विजया लक्ष्मी, श्रद्धा नवल, जे नीलम, प्रेम दुबे, जे पी सिंह, गौरी शंकर, माही खान, चाहत और आर्यन बाबू भी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 21 फरवरी को बिहार और झारखंड में रिलीज होगी।

स्निप कॉर्पोरेशन के बैनर तले बन रही इस फिल्म डंस का निर्माण सुधीर सिंह किया।इस फिल्म का निर्देशन धीरज ठाकुर ने किया है। संगीतकार कृष्ण बेदर्दी,आर्यन पॉटर, गीतकार प्यारे लाल कवि, कृष्ण बेदर्दी और शेखर मधुर, डीओपी श्रवण नतरंजन और कोरियोग्राफर राम देवन हैं।फिल्म डंस में खेसारी लाल यादव के अलावा शाहवर अली, देव सिंह, समर्थ चतुर्वेदी, पप्पू यादव, महेश आचार्य, विजया लक्ष्मी, श्रद्धा नवल, जे नीलम, प्रेम दुबे, जे पी सिंह, गौरी शंकर, माही खान, चाहत और आर्यन बाबू भी लीड रोल में हैं।

यह फिल्म 21 फरवरी को बिहार और झारखंड में रिलीज होगी।

अश्लील जोक्स मामला: अभिनेता विद्युत ने 'विपरीत बुद्धि' को माफ करने के लिए सुझाया 'पतंजलि योग सूत्र'

मुंबई, (श्रीजी एक्सप्रेस)। अश्लील जोक्स विवाद में फंसे रणवीर इलाहाबादिया-समय रैना पर अभिनेता विद्युत जामवाल ने प्रतिक्रिया दी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर उन्होंने 'विनाश काले विपरीत बुद्धि' का जिक्र करते हुए रणवीर-समय को माफ करने की बात भी कही। माफी के लिए उन्होंने 'पतंजलि योग सूत्र' का उदाहरण दिया।अश्लील जोक्स विवाद को लेकर देश भर में मचे आक्रोश को लेकर विद्युत जामवाल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपनी राय व्यक्त करते नजर आए। वीडियो में उन्होंने बताया कि रणवीर की गलती 'विनाश काले विपरीत बुद्धि' का परिणाम रही, जिसे हम 'पतंजलि योग सूत्र' को लागू कर माफ कर सकते हैं।हाल ही में प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाकर वापस लौटे अभिनेता ने वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, फ्रविषय- पतंजलि योग सूत्र, मित्रता, करुणा, आनंद, उपेक्षा, सुख-दुख, पुण्य और सद्गुण वे चीजें हैं, जो भावना से मन को प्रसन्न करती हैं। रणवीर इलाहाबादिया को मैं व्यक्तिगत रूप से नहीं जानता, लेकिन हमने एक पॉडकास्ट में साथ काम किया है। जामवालियंस, आप क्या सोचते हैं? हम अपने मन को कब प्रशिक्षित करेंगे?

अजय देवगन ने वैलेंटाइन डे पर शेयर की एक तस्वीर, लिखा 'आज और हर दिन की वैलेंटाइन'

मुंबई, (श्रीजी एक्सप्रेस)। बॉलीवुड की सबसे चर्चित जोड़ियों में से एक काजोल और अजय देवगन दशकों से लोगों का दिल जीत रहे हैं। हाल ही में 'सिंघम' अभिनेता ने अपने जीवनसाथी को वैलेंटाइन डे पर एक खास इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए शुभकामनाएं दी।अजय देवगन ने काजोल के साथ एक पुरानी तस्वीर शेयर की है जिसमें दोनों को सफेद कपड़ों में देखा जा सकता है। उन्होंने पोस्ट में कैप्शन भी दिया है, फ्रमुझे जल्दी ही समझ आ गया था कि किसके साथ अपने दिल की बात शेयर करनी है और आज तक, यह वही है। मेरा वैलेंटाइन आज और हर दिन।वहीं, काजोल की वैलेंटाइन डे पोस्ट पूरी तरह से आत्म-प्रेम के बारे में थी। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत लाल ऑफ-शोल्डर ड्रेस में अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। 'माई नेम इज खान' की अभिनेत्री ने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, फ्रखुद को हैप्पी वैलेंटाइन डे। आई लव यू!काजोल और अजय देवगन ने 24 फरवरी 1999 को पारंपरिक महाराष्ट्रीयन रीति-रिवाज से शादी की। उनके दो बच्चे हैं – न्यासा और युग।काम की बात करें तो अजय देवगन अगली बार बहुप्रतीक्षित ड्रामा फ्रदे दे प्यार दे 2 में दिखाई देंगे। साल 2019 की फिल्म दे दे प्यार दे के सीक्वल को अंशुल शर्मा ने निर्देशित किया है।इस प्रोजेक्ट में अजय देवगन, रकुल प्रीत सिंह और आर. माधवन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

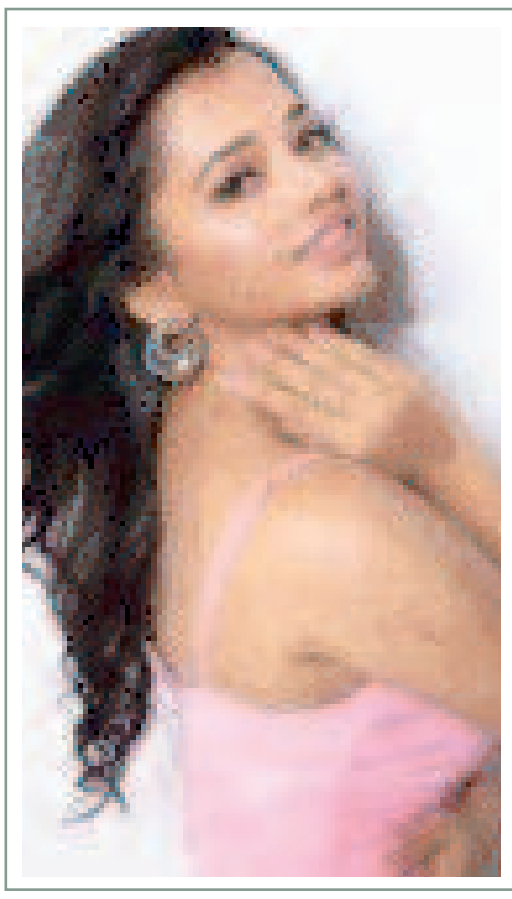

रुस्लान मुमताज और आन्या तिवारी की फिल्म सरकारी बच्चा 28 फरवरी को होगी रिलीज

मुंबई, (श्रीजी एक्सप्रेस)। रुस्लान मुमताज और आन्या तिवारी की फिल्म सरकारी बच्चा 28 फरवरी को रिलीज होगी। दानिश सिद्दीकी निर्मित और फ्लाइंग बर्ड पिक्चर्स के बैनर तले सूर्यकांत त्यागी और दानिश सिद्दीकी की जोड़ी द्वारा निर्देशित, सरकारी बच्चा आधुनिक समय के प्यार पर एक नया, अनोखा नज़रिया पेश करता है, जहाँ अंतिम परीक्षा सिर्फ़ दिल की नहीं बल्कि एक स्थिर सरकारी तनख्वाह की भी होती है! फ्रसरकारी बच्चाफ्र का आधिकारिक पोस्टर हाल ही में रिलीज़ किया गया है।रुस्लान मुमताज और आन्या तिवारी अभिनीत, सरकारी बच्चा एक ऐसे युवक की कहानी है जो प्यार में डूबा हुआ है, लेकिन उसे एहसास होता है कि उसकी सबसे बड़ी बाधा लड़की को प्रभावित करना नहीं है, बल्कि एक सुरक्षित सरकारी नौकरी के साथ उसके परिवार को प्रभावित करना है- ऐसा कुछ जो उसके पास नहीं है! हास्य, रोमांस, विचित्रता और ड्रामा से भरपूर, यह फिल्म एक मध्यम वर्गीय परिवार के जुनून और प्यार पर स्थिरता के प्रति जुनून को दर्शाती है।मुख्य जोड़ी में बिजेंद्र कलाम, एहशान खान, दिवंगत जूनियर महमूद, आशीष सिंह, दानिश सिद्दीकी, गुरप्रीत कौर चड्ढा, रिजवान सिकंदर और हेमत चौधरी जैसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं की टोली शामिल है।फिल्म में मशहूर गायक जावेद अली, रितु पाठक, रितु राज मोहंती और हरमन नाजिम के साथ एक बेहतरीन साउंडट्रैक है, जिसका संगीत दानिश अली, नजाकत शुजात और सहजन शेख सागर ने दिया है।फिल्म के बारे में बात करते हुए, निर्माता दानिश सिद्दीकी ने साझा किया, फ्रसरकारी बच्चा एक हल्की-फुल्की लेकिन भरोसेमंद कहानी है जो कई युवा भारतीयों द्वारा सामना की जाने वाली वास्तविक जीवन की दुविधा को दर्शाती है। यह हास्य, भावनाओं और संगीत से भरपूर है जो निश्चित रूप से दर्शकों को पसंद आएगी।

आकांक्षा रंजन कपूर ने एआरकेएस स्नीकर्स को एक आकर्षक ब्लैक आउटफिट में पहना

मुंबई, (श्रीजी एक्सप्रेस)। आकांक्षा रंजन कपूर ने हाल ही में एआरकेएस के एक स्लीक पेयर को पहनकर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। आकांक्षा रंजन कपूर हमेशा से ही फैशनिस्टा रही हैं, जो सहजता से ठाठ और कैजुअल स्टाइल का मिश्रण करती हैं। स्नीकर्स के प्रति अपने प्यार के लिए जानी जाने वाली आकांक्षा ने हाल ही में एआरकेएस के एक स्लीक पेयर को पहनकर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया जो बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर द्वारा लॉन्च किया गया लग्जरी स्नीकर ब्रांड है।एआरकेएस के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज ने तस्वीरों की एक श्रृंखला साझा की, जिसमें आकांक्षा ब्लैक शॉर्ट्स के साथ ब्लैक ओवरसाइज़्ड शर्ट में सहजता से स्टाइलिश दिख रही हैं। उन्होंने अपने लुक को क्रिस्प व्हाइट एआरकेएस स्नीकर्स और मैचिंग व्हाइट सॉक्स के साथ पूरा किया, जो प्रमुख स्ट्रीट-स्टाइल लक्ष्यों को दर्शाता है। आकर्षक कैंडिड पोज़ देते हुए, आकांक्षा ने अपने सहज फैशन सेंस का प्रदर्शन किया।पनी प्रोफ़ाइल पर तस्वीरें साझा करते हुए।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक सौरभ वार्ष्णेय द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली से मुद्रित कराकर सी-1/9, तृतीय तल, संजय एंकलेव, उत्तम नगर, नई दिल्ली -110059 से प्रकाशित किया।
संपादक - सौरभ वार्ष्णेय, आर.एन.आई नं DELHIN/2016/71693 (किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा नई दिल्ली क्षेत्र के न्यायालय में ही मान्य होगा) (फोन नं. 01204445274, संपादकीय- 9673140113, विज्ञापन-प्रसार 9319720113)